kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-132 ❐ शुक्रवार, 12 जून 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

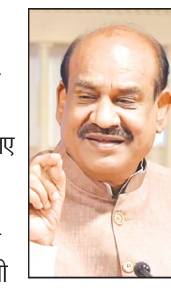

संसद कानून बनाती है, लेकिन प्रशासनिक तंत्र उन कानूनों की भावना को नागरिकों के लिए ठोस परिणामों में बदलता है। लोक सेवक नीतियों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से लोगों की उम्मीदों को वास्तविकता में बदलने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। **ओम बिरला**

बायोफार्मा शक्ति मिशन से नवाचार की नयी लहर पैदा होगीः अनुप्रिया 11

सीता सर्किट को मिलेगा भव्य स्वरूपः भदौरिया 12

संक्षेप

यूपी में बिजली की रिकॉर्ड मांग, लड़खड़ाई आपूर्ति

लखनऊ। यूपी में भीषण गर्मी के बीच बिजली की मांग ने अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। रिकार्ड डिमांड के बीच प्रदेश की बिजली आपूर्ति व्यवस्था लड़खड़ा गई है। खास बात यह है कि बिजली की रिकार्ड सप्लाई के बावजूद प्रदेश में बिजली संकट बरकरार है। गत 10 जून की रात बिजली की मांग 31894 मेगावाट तक पहुंच गई, जो अब तक की सर्वाधिक डिमांड है। नतीजा यह है कि बिजली न मिलने से परेशान उपभोक्ताओं के 1912 पर शिकायती फोनों की झड़ी लग गई है। प्रदेश में बिजली की बेतहाशा मांग के साथ ही लोकल फॉल्ट की संख्या भी बहुत बढ़ गई है। लगातार चलने के कारण हांफ रही बिजली सबस्टेशनों की मशीनों, ट्रिप होते ट्रांसफार्मरों के साथ ही केबल फुंकने और तार टूटने आदि के मामले बढ़े हैं। मशीनों पर लोड बढ़ने के चलते शटडाउन के नाम पर कटौती की भी शिकायतें मिल रही है। एक ओर ब्रेकडाउन बढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर संविदा कर्मचारियों की लगातार छंटनी के चलते मैनपावर की कमी स्थानीय फॉल्ट ठीक करने में बाधा बन रही है।

आजमगढ़ के सीएमएस डा. सुरजीत सिंह आय से अधिक संपत्ति के दोषी

लखनऊ। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की खुली जांच में आजमगढ़ में 100 शैय्या चिकित्सालय लालगंज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डा. सुरजीत सिंह आय से अधिक संपत्ति जुटाने के दोषी पाए गए हैं। विजिलेंस ने शासन के निर्देश पर लखनऊ के आलमबाग निवासी आरोपी डाक्टर के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आजमगढ़ में तैनात रहे आरोपी डाक्टर के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत पर विजिलेंस लखनऊ सेक्टर को सौंपी गई थी। जांच के लिए निर्धारित अवधि में डा. सुरजीत सिंह की कुल आय 2.21 करोड़ रुपये थी और इस अवधि में उन्होंने भरणपोषण व संपत्तियां जुटाने में तीन करोड़ रुपये खर्च किए। आय से 78.54 लाख रुपये से अधिक का खर्च पाया गया, जिसके बारे में आरोपी डाक्टर जांच एजेंसी को कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके।

सेनाओं लिए 'एकीकरण' 'आत्मनिर्भरता 'और नवाचार अहम स्तंभः प्रमुख रक्षा अध्यक्ष

नयी दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने सेनाओं को भविष्य के लिए तैयार और आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'एकीकरण' 'आत्मनिर्भरता 'और नवाचार (जेएआई) को अहम स्तंभ बताया है। जनरल सुब्रमणि ने गुरुवार को पश्चिमी वायु कमान मुख्यालय का अपना पहला दौरा किया। उन्होंने पश्चिमी कमान के प्रमुख एयर मार्शल जॉर्ज थॉमस से बातचीत की और अधिकारियों को संबोधित किया। जनरल ने सैन्य कामकाज में एकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों की संचालन क्षमता को बढ़ाने में मानव संसाधन सबसे बड़ी ताकत है।

चार दिनों के भीतर भारतीय क्रू वाले तीसरे पोत पर अमेरिकी हमला

बुधवार के हमले में लापता, तीन नाविकों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। ओमान तट के निकट गुरुवार को फिर एक वाणिज्यिक पोत पर अमेरिकी हमला किया गया है। इस पोत पर 20 भारतीय चालक दल सदस्य सवार थे। हमले में कोई हताहत नही हुआ है तथा सभी 20 भारतीयों को सकुशल निकाल लिया गया है। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को जिस पोत पर हमला हुआ था उसमें लापता तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई है। उनके शव भारत लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सोमवार से गुरुवार तक के चार दिनों में ओमाट तट के निकट भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक पोतों पर हमला हो चुका है। ये तीनों टैंकर थे लेकिन ये भारतीय फ्लैग वाले पोत नही हैं यानि ये दूसरे देशों के हैं। लेकिन तीनों में ज्यादातर क्रू भारतीय थे।

बुधवार को सिटेबेल्लो पोत पर हुए हमले के बाद भारत ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर इस पर विरोध भी दर्ज कराया था लेकिन अगले ही दिन फिर एक पोत पर हमला हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जैसवाल ने कहा कि सिटेबेल्लो पर 24 भारतीय क्रू थे जिनमें से तीन लापता थे जिनकी अब मृत्यु हो गई है। इनमें चीफ इंजीनियर सुरेश के अलावा दो नाविक शिवानंद चौरसिया और अथैया शामिल हैं। पोत minist.re ने उनके परिजनों के लिए 10-10 लाख के मुआवजे का ऐलान किया है। जैसवाल ने कहा कि आज जिस पोत एमटी जलवीर पर हमला हुआ उसमें

20 भारतीय क्रू मेंबर थे जो सकुशल निकाल लिए गये हैं। ओमान में भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष नही थमने के कारण भारतीय नाविकों की सुरक्षा बड़ चुनौती बन गई है। इससे पहले भी संघर्ष के दौरान नाविक हताहत हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जिन तीन पोतों पर अमेरिकी नौसेना के हमले हुए हैं, उनमें दो एमटी मैनिवेक्स और सिटेबेल्लो अमेरिका प्रतिबंधों की सूची में थे जबकि एमटी जलवीर प्रतिबंध में नही था लेकिन कुछ नियमों को पूरा नही करने के कारण नान कंप्लायंस की श्रेणी में था। पोत मंत्रालय ने कहा कि ऐसे और पोतों को

562 नाविक होर्मुज में फंसे

उन्होंने कहा कि भारतीय झंडे वाले पोतों में 562 नाविक होर्मुज के निकट फंसे हुए हैं। इनमें 329 पश्चिमी हिस्से में तथा 233 पूर्वी हिस्से में हैं। अभी कुल 13 भारतीय पोत वहां फंसे हैं।

क्रू मेंबर्स इंडियन थे, लेकिन जहाज भारतीय नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि इन घटनाओं में शामिल तीनों जहाज विदेशी झंडे वाले हैं। ये भारतीय स्वामित्व वाले जहाज नहीं हैं। ये सभी विदेशी झंडे वाले जहाज हैं। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि ये हमले वहां तैनात अमेरिकी नौसेना की ने किए हैं।

भी हमलों का सामना करना पड़ रहा है चूंकि उनमें भारतीय क्रू नही थे इसलिए हमने उन पर ध्यान नही दिया। पोत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मुकेश मंगल के अनुसार 3.2 लाख भारतीय नाविक वैश्विक वाणिज्यिक नौवहन में कार्यरत हैं। इनमें से करीब 18 हजार पश्चिम एशिया क्षेत्र में हैं। भारतीयों नाविकों की संख्या ज्यादा होने के कारण ज्यादातर पोतों में उनकी तैनाती है। पलाऊ के ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी सेटेबेलो पर सवार तीन लापता भारतीय नाविकों की मौत हो गई। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। सोनोवाल ने ● शेष पेज 11 पर

अमेरिका-ईरान टकराव तेज, दूसरे दिन भी हवाई हमले

एजेंसी

दुबई। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भीषण रूप लेता जा रहा है। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में हमलों का दूसरा दौर शुरू किया। जवाब में ईरान ने भी बहरीन, कुवैत और जॉर्डन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस बीच शांति वार्ता एक बार फिर ठहरती नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि वार्ता में प्रगति नहीं हुई तो ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके कुछ घंटों बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों, संचार प्रणालियों और वायु रक्षा केंद्रों को निशाना बनाते हुए नई कार्रवाई शुरू की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार हमले अमेरिकी वायुसेना, नौसेना और मरीन बलों द्वारा किए गए। तेहरान, बंदर अब्बास और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास के क्षेत्रों में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं।

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन पर मिसाइल तथा ड्रोन हमले किए। ईरानी सेना (आईआरजीसी) ने पश्चिम एशिया स्थित 18 अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। कुवैत ने हमले के बाद अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया और कई उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जॉर्डन में अमेरिकी दूतावास ने भी अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह जारी की।

शांति वार्ता में कई बाधाएं

युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, लेकिन दोनों पक्ष प्रमुख मुद्दों पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंप दे। हालांकि ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह अपना यूरेनियम भंडार छोड़ने को तैयार नहीं है। तेहरान की मांग है कि उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाए जाएं और उसकी फ्रीज विदेशी संपत्तियां जारी की जाएं।

कूटनीतिक प्रयास जारी

तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच समझौते की कोशिशें जारी हैं। अमेरिका से परामर्श के बाद कतर का एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा है, जहां युद्धविराम और संभावित समझौते पर बातचीत हो रही है। विश्लेषकों का मानना है कि दोनों पक्ष किसी ऐसे समझौते की तलाश में हैं, जिसे वे अपनी-अपनी जनता के सामने जीत के रूप में पेश कर सकें, लेकिन मौजूदा हालात में स्थायी शांति का रास्ता अभी भी कठिन नजर आ रहा है।

होर्मुज बना सबसे बड़ा मुद्दा : ईरान ने एक बार फिर संकेत दिया है कि वह होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस परिवहन मार्गों में से एक है। युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है और तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करने और ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह को कमजोर करने की रणनीति पर कायम है। इसी वजह से समझौते की संभावनाएं और जटिल होती जा रही हैं।

संजय प्रसाद के खिलाफ जारी उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद का व्यवहार पहली नजर में अदालत के अधिकार को कमजोर करने की 'जानबूझकर और सोच-समझकर की गई कोशिश' जैसा लगता है। शीर्ष अदालत ने राज्य के वरिष्ठ नौकरशाह संजय प्रसाद की ओर से उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर विचार करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद की आलोचना करते हुए यह निर्देश जारी किया था कि भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए उनकी (प्रसाद) की योग्यता का आकलन करते समय उसके फैसले को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को विचार के लिए भेजा जाए,

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एएस चंदुरकर की पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिका पर नोटिस जारी कर प्रतिवादियों को 10 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। पीठ ने कहा कि इस दौरान उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों पर रोक लगी रहेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) प्रसाद ने उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों और अपने खिलाफ की गई टिप्पणी को चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराजन ने उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों पर रोक लगाने की मांग की। उच्च न्यायालय ने 3 जून को पारित अपने आदेश में कहा था कि यूपी सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) के पद पर तैनात प्रसाद का व्यवहार पहली नजर में अदालत के अधिकार ● शेष पेज 11 पर

कल्याण बनर्जी ने अभिषेक के खिलाफ खोला मोर्चा

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। काकोली घोष, सुखेंदु शेखर, सुष्मिता देव के बाद अब पार्टी के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी के सुर भी बागी होने लगे हैं। उन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को अल्टीमेटम दिया है कि वे अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनमें से किसी एक को चुनें। उन्होंने कहा कि अभिषेक की बदतमीजी बर्दाश्त नहीं कर सकते। कल्याण बनर्जी ने कहा कि वे कलकत्ता हाई कोर्ट में सीआईडी के जाली हस्ताक्षर मामले में अभिषेक का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्हें बताया गया कि डायमंड हार्बर के सांसद ने ममता बनर्जी के कालीघाट आवास और अभिषेक के कैमक स्ट्रीट ऑफिस में एजेंसी द्वारा की गई तलाशी के संबंध में एक अलग रिट याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि दोनों मामले जुड़े हुए हैं

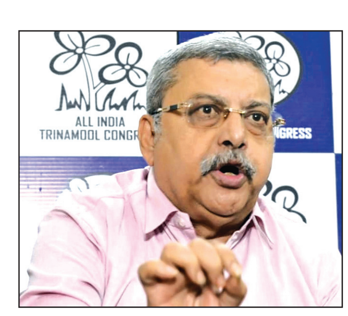

❐ ममता को तृणमूल नेता ने दिया अल्टीमेटम -कहा-मुझे या अभिषेक में से किसी एक को चुनें

और मैंने उस बेंच के सामने तलाशी अभियान का मुद्दा उठाया था, जो जाली हस्ताक्षर मामले की सुनवाई कर रही थी। जज ने मामले की सुनवाई गुरुवार के लिए तय की थी। अलग रिट दायर करने के मामले में मुझे कोई जानकारी नहीं दी गई।

टीएमसी नेता ने कहा कि मुझे भरोसे में नहीं लेने की बात पर कहा गया कि यह ऊपर के निर्देशों पर किया गया था। उन्होंने कहा कि अगर ● शेष पेज 11 पर

राज्यसभा सांसद प्रकाश बारिक ने टीएमसी का साथ छोड़ा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बारिक ने गुरुवार को उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया। वे इस हफ्ते पार्टी छोड़ने वाले तीसरे सांसद हैं। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने बारिक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। पश्चिम बंगाल के नेता बारिक उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण संबंधी संसदीय स्थायी समिति और आदिवासी मामलों की सलाहकार समिति के सदस्य के तौर पर काम कर रहे थे। सोमवार को राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने उच्च सदन से इस्तीफा दिया और बाद में पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए तृणमूल कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया।

प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी, 16 की मौत

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) के रावलकोट शहर में बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों निहत्थे नागरिकों पर पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां चला दीं, जिसमें कम से कम 16 नागरिक मारे गये हैं गयी और 37 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रावलकोट के ईदगाह मैदान में करीब 60,000 से 70,000 लोग शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र हुए थे। ये लोग सस्ते आटे, चावल, बिजली की उचित दरों और अपने बुनियादी मानवाधिकारों की मांग कर रहे थे। इसी दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने भीड़ पर एके-47 राइफलों से सीधे गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। अचानक हुई इस गोलीबारी से मैदान में भगदड़ मच गई और अपनी आर्थिक बदहाली के खिलाफ आवाज उठाने आए पुरुष, महिलाएं और युवा अपनी जान बचाने के लिए भागते नजर आए। इस दमन के बाद पूरे रावलकोट में स्थिति अत्यंत तनावपूर्ण और डरावनी ● शेष पेज 11 पर

सड़क हादसे में गृहिणी के मौत पर कम से कम 30,000 रुपये प्रति माह मुआवजा

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में गृहणियों के घरेलू कार्य के मूल्य को 30,000 रुपये प्रति माह निर्धारित करते हुए कहा है कि गृहिणी का योगदान केवल घरेलू कामकाज तक सीमित नहीं है, बल्कि वह परिवार के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन.के. सिंह की पीठ ने व्यवस्था दी है कि अब से किसी सड़क हादसे में गृहिणी की मौत होने पर उनके परिवार को 'घरेलू देखभाल के नुकसान' के बदले अलग से कम से कम 30,000 रुपये प्रति माह का अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। न्यायालय ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत सड़क दुर्घटना मुआवजे के मामलों में पत्नी की घरेलू देखभाल के नुकसान को अब मुआवजे का एक अलग आधार माना जाएगा। पीठ ने एक सड़क दुर्घटना मामले में पीड़ित विधुर (पति) को अतिरिक्त

मुआवजा देते हुए कहा कि एक गृहिणी न केवल मानव जीवन को बल्कि पूरे देश के विकास को आगे बढ़ाने में योगदान देती है। यह अतिरिक्त मुआवजा 'प्रणय सेठी' मामले में पहले से निर्धारित पारंपरिक मुआवजे के अलावा होगा। महंगाई को देखते हुए इसमें हर तीन साल में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की जाएगी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई महिला घर संभालने के साथ-साथ नौकरी भी करती है, तो उसकी वास्तविक आय के आकलन के ● शेष पेज 11 पर

भारत भरोसे के साथ आगे बढ़ रहा : मोदी

विकसित भारत का लक्ष्य केंद्र, राज्यों की सामूहिक जिम्मेदारी, सहयोग के प्रभावी मंच की भूमिका निभा सकता है नीति आयोग

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित राष्ट्र के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सरकार के हर स्तर पर सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी के भाव पर बल देते हुए गुरुवार को कहा कि नीति आयोग इस तरह के सहयोग के लिए एक प्रभावी मंच की भूमिका निभा सकता है।

श्री मोदी ने युवा आबादी को देश की एक प्रमुख शक्ति और ऐतिहासिक अवसर बताते हुए इसका लाभ उठाने के लिए युवाओं को मांग आधारित शिक्षण -प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्कता पर बल दिया है। वह राजधानी में नीति आयोग की संचालन परिषद की ग्यारहवीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर अच्छी गति से आगे बढ़ रही है और मजबूत बनी हुई है। विभिन्न देशों और समूहों के साथ किये गये मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से लघु और मझोले उद्यमों सहित अर्थव्यवस्था के

विभिन्न क्षेत्रों के लिए अवसर बढ़ेंगे। बैठक में राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों, अपने वरिष्ठ सहयोगी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री मोदी ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत 'विकसित राष्ट्र' के संकल्प की ओर अग्रसर हो रहा है, हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान मार्गदर्शक सिद्धांत होने चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि नीति आयोग सहयोग के एक प्रभावी मंच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जहां राज्य विचारों का आदान-प्रदान कर सकें और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए मिलकर कार्य कर सकते हैं। प्रधानमंत्री देश की जन संख्या में युवा आबादी के बड़े अनुपात को 'एक ऐतिहासिक अवसर' बताया और कहा कि 'इसे हम खोने का जोखिम नहीं उठा सकते।' उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग-आधारित कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना हमारी प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। सशक्त युवा ही भारत की विकास यात्रा के सबसे बड़े प्रेरक बनेंगे। उन्होंने कहा कि महिला-नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की परिकल्पना का एक प्रमुख आधार है। कृषि, स्टार्टअप, विज्ञान और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। राज्यों को महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि उनकी पूर्ण क्षमता का उपयोग करते हुए भारत की विकास यात्रा को और गति दी जा सके। श्री मोदी ने कहा, 'विश्व इस समय अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, फिर भी भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास और निर्यात के नये अवसर सृजित करने के लिए ● शेष पेज 11 पर

समावेशी मानव विकास रहा बैठक का मुद्दा

नीति आयोग की इस बैठक का मुद्दा 'विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास' रहा। नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि इस थीम का अर्थ वर्ष 2047 तक हर उम्र, क्षेत्र, लिंग और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से परे हर भारतीय तक विकास का लाभ पहुंचाना है। आयोग ने बताया कि समावेशी मानव विकास के चार स्तंभ लक्षित किए गए हैं। इनमें मजबूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए कौशल विकास, उत्पादक रोजगार और उद्यमिता आधारित विकेंद्रीकृत विकास, स्वास्थ्य, पोषण के साथ बेहतर जीवन और समग्र कल्याण के अवसर तथा सभी के लिए समान अवसर और गरिमा की सुनिश्चितता करना शामिल हैं।

गंगा वेलफ़ेयर रेजिडेन्ट्स सोसाइटी की नई टीम निर्वाचित, आशीष निगम बने अध्यक्ष

❐ नई टीम सोसाइटी में बेहतर प्रबंधन का रखेगी ध्यान: आशीष निगम

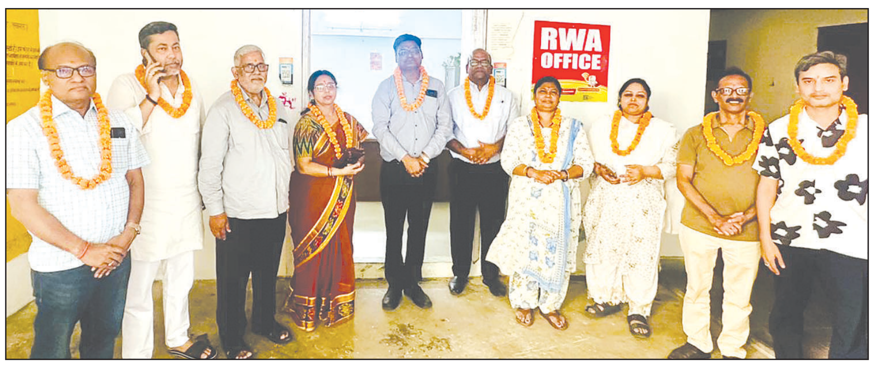

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर4 स्थित गंगा वेलफ़ेयर रेजिडेन्ट्स सोसाइटी के चुनाव गुरुवार को सम्पन्न हो गए। निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का निर्वाचन घोषित किया गया।

निर्वाचन परिणाम के अनुसार आशीष निगम अध्यक्ष, स्मिता सिंह उपाध्यक्ष, आलोक गुप्ता सचिव, शुभा अवस्थी संयुक्त सचिव तथा सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अमित कुमार सिंह, डॉ. सबा रफीक, ललित कुमार श्रीवास्तव, अमित सिंह तथा देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी निर्वाचित घोषित किए गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष आशीष निगम ने सभी निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई टीम सोसाइटी में बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता, स्वच्छता, सुरक्षा तथा निवासियों की सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने सभी निवासियों से सहयोग एवं सहभागिता की अपेक्षा भी व्यक्त की। सोसाइटी के निवासियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

कीटनाशक विक्रेता, कम्पनियाँ अपने प्रतिष्ठानों का आईपीएमएस पोर्टल पर तत्काल कराए पंजीकरण

रायबरेली। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने बताया है कि जनपद रायबरेली में कृषि रक्षा रसायनों की गुणवत्तापूर्ण बिक्री एवं उपयोग को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से समस्त अधिकृत कीटनाशक विनिर्माता, स्टाकिस्ट वितरक, कम्पनी स्टॉक एण्ड सेल प्वाइंट, थोक एवं फुटकर कीटनाशक विक्रेता, एग्री जंक्शन, एफपीओ, साधन सहकारी समितियों एवं पेस्ट कन्ट्रोल ऑपरेटर को भारत सरकार द्वारा विकसित राष्ट्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन प्रणाली (ऋ्रष्ट्र) पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया है कि आईपीएमएस प्रणाली का उद्देश्य कीटनाशकों की बिक्री, वितरण, नियंत्रण एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित कराना हैं भविष्य में बिना पोर्टल पर पंजीकरण कराये कीटनाशक का कारोबार करना सम्भव नही होगा। जनपद के सभी कीटनाशक विक्रेता एवं कम्पनियाँ अपने प्रतिष्ठानों का आई0पी0एम0एस0 पोर्टल की अधिकारिक वेबसाइड पर अनिवार्य रूप से तत्काल पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।

कागजात की नकलें न मिलने पर अभियुक्तों ने हाईकोर्ट में लगाई गुहार

❐ अभियुक्तों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक, जवाब तलब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मेरठ के परतापुर इलाके में प्रिया और उसकी पुत्री कशिश की हत्या का मुकदमा सेशन सुपुर्द करने से पहले अभियुक्तों को कागजात की नकलें न दिए जाने को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त शमशाद व एक अन्य के खिलाफ अगले आदेश तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी ने शमशाद व उसकी पत्नी आयशा उर्फ सोनी की याचिका पर उनके अधिवक्ता और सरकारी वकील को सुनकर दिया है।मेरठ के परतापुर थानाक्षेत्र में प्रिया और उसकी पुत्री कशिश की हत्या पर आईपीसी की धारा 302, 201, 34 व 120-बी के तहत मामला दर्ज किया गया था।याचिका में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के तीन सितम्बर 2021 और अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या एक के 19 जनवरी 2024 व गत 28 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी गई है।सुनवाई के दौरान याचियों के अधिवक्ता संदीप शुक्ला ने कोर्ट को बताया कि मुकदमा सेशन सुपुर्द करने से पहले याची अभियुक्तों को केवल चार्जशीट की नकल दी गई थी। अभियोजन के अन्य कागजात की नकलें नहीं दी गईं क्योंकि मजिस्ट्रेट कोर्ट तक याचियों का पक्ष रखने के लिए कोई अधिवक्ता नहीं था। जब अपर जिला व सत्र न्यायाधीश के समक्ष उक्त नकलों के लिए अर्जी दी गई तो उन्होंने यह कहते हुए अर्जी निरस्त कर दी कि इसके लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया जाना चाहिए था।अधिवक्ता ने कहा कि सीजेएम व एडीजे अदालतों ने मामले के तथ्यों, सबूतों और परिस्थितियों पर गहराई से विचार किए बिना ही ये आदेश कर दिए हैं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अगले आदेश तक याचियों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक या बलपूर्वक कार्रवाई न की जाए। कोर्ट ने शिकायतकर्ता चंचल चौधरी को नोटिस जारी करने का निर्देश देते हुए उन्हें चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है।

प्रयागराज में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, पुलिस कर रही जांच

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित औद्योगिक थाना क्षेत्र के गोती गांव में गुरुवार को बगीचे में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हत्या की वजह पुरानी रंजिश माना जा रहा है । पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि औद्योगिक थाना क्षेत्र के गोती गांव निवासी कुश सिंह (२५) पुत्र विनोद सिंह को गांव के बगीचे में कुछ युवक गोली मारकर भाग निकले। इस सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने गोली से घायल कुश को तत्काल उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय ले गई। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस टीम शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस की टीमें हत्या से संबंधित साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। हत्या के कारण पता लगाने में जुटी हुई है। प्रथम दृष्टया हत्या की वजह पुरानी रंजिश मानी जा रही है। परिवार के लोगों ने अब तक कोई तहरीर नहीं दी है। परिवार से तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

इंडियन फार्मा फ़ेयर का भव्य शुभारंभ हुआ

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इंडियन फार्मा फ़ेयर का भव्य शुभारंभ गुरुवार को अयोध्या रोड पर गोल्डन ब्लॉसम इंपीरियल रिजॉर्ट्स हुआ। इसके उद्घाटन के मौके पर सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उद्योगपतियों के लिए व्यापार करने हेतु सकारात्मक माहौल बना है। इन्वेस्ट यूपी के तहत हर क्षेत्र के उद्योगपतियों का रुझान राजधानी सहित उत्तर प्रदेश में बढ़ा है। श्री शर्मा जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी लगातार प्रयासरत है कि उत्तर प्रदेश मेडिसिन हब बने जिसके लिए ललितपुर में 18000 करोड़ का प्लांट उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित किया जा रहा है। फार्मा फ़ेयर के आयोजक बी एस भंडारी और मोहनीश त्रिवेदी ने बताया कि फ़ेयर में देश भर से 70 मेडिसन मैन्युफैचरर कंपनियां लखनऊ में आई है। जिससे लखनऊ के युवाओं को सुनहरा मौका मिला है अपने नए व्यापार को शुरू करने का। फ़ेयर में एलोपैथिक, आर्युवेदिक, होम्योपैथिक, न्यूरोपैथिक सहित स्किन व जीव जंतु की दवाई बनाने वाली कम्पनियों के स्टाल लगे है। फेयर में सुधीर अग्रवाल, योगेंद्र नाथ दुबे, हरीश शाह, प्रदीप चंद्र जैन, आशीष त्रिवेदी, साकेत शर्मा, संदीप शर्मा और विवेक पांडे सहित बड़े फार्मा व्यापारी उपस्थित थे।

लूट और फायरिंग की सूचना से मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची पुलिस को नहीं मिला कोई पीड़ित

बख्शी का तालाब,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सीतापुर रोड पर गुरुवार को लूट और फायरिंग की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। डायल 112 पर मिली सूचना के बाद एसीपी विकास कुमार पांडे, इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह समेत कई थानों की पुलिस और अपराध शाखा की टीम मौके पर पहुंच गई, लेकिन घटनास्थल पर न तो कोई पीड़ित मिला और न ही लूट अथवा फायरिंग की पुष्टि हो सकी। पुलिस के अनुसार डायल 112 पर मोबाइल नंबर 9793313758 से विकास गौड़ नामक व्यक्ति ने सूचना दी कि लखनऊ से सीतापुर की ओर जा रही एक अर्टिगा टैक्सी को रास्ते में रोककर लूटपाट की गई है और फायरिंग भी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस सीतापुर रोड स्थित ईंटेश्वर महादेव मंदिर और किसान पथ के बीच बताए गए स्थान पर पहुंची।मौके पर एक अर्टिगा कार खड़ी मिली, लेकिन वहां मौजूद लोग घटना के संबंध में कुछ भी बताने को तैयार नहीं हुए। जांच के दौरान पता चला कि अर्टिगा कार को एक स्विफ्ट डिजायर कार ने ओवरटेक किया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों वाहन वहां से चले गए।पुलिस ने सूचना देने वाले व्यक्ति से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसका मोबाइल फोन रिसीव नहीं हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध शाखा की टीम को भी जांच में लगाया गया है।इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि सूचना की सत्यता और घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है। तहसील मोड़ स्थित पुलिस बूथ, ओवरब्रिज और आसपास के प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।खबर लिखे जाने तक लूट और फायरिंग की घटना की पुष्टि नहीं हो सकी थी। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

ज्वैलरी दुकान में छह लाख की चोरी का खुलासा, गिट्टा गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

सरोजिनी नगर,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिजनौर पुलिस ने ज्वैलरी दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए कुख्यात ''गिट्टा गैंग'' के तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। इनके कब्जे से लगभग छह लाख रुपये मूल्य के सोने–चांदी के आभूषण तथा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की एक स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस एक फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, कमलापुर निवासी मनोज कुमार की तहरीर पर 2 जून को थाना बिजनौर में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि 1–2 जून की रात उनकी ज्वैलरी दुकान का शटर तोड़कर सोने–चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली गई थी। मामले के खुलासे के लिए डीसीपी दक्षिणी के निर्देशन में तीन पुलिस टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 250 से 300 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसके आधार पर गुरुवार को किसान पथ अंडरपास के पास सर्विस रोड से निलोफर उर्फ गिट्टा, प्रियांशू उर्फ दीपांशू और अमन को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित बंद पड़े घरों और दुकानों की रेकी कर शटर काटकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। चोरी के बाद वे सुनसान स्थान पर जाकर माल का बंटवारा कर अपने–अपने घर लौट जाते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह पूर्व में भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। बरामद सामान में सोने की नथ, ओम अंकित लॉकेट, चूड़ी और तीन चेन के अलावा चांदी की पाजेब, 10 जोड़ी पायल, तीन चेन, 12 अंगूठियां और 19 बिछिया शामिल हैं। घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की स्कूटी भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है, जबकि फरार आरोपी आकाश पांडेय उर्फ सूरज की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

शहीद पथ पर पैदल यात्रियों को मिलेगी नई सुविधा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के शहीद पथ पर लुलु मॉल के समीप जल्द ही आधुनिक स्काई वॉक (फुट ओवरब्रिज) का निर्माण कराया जाएगा। लगभग 100 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा यह फुट ओवरब्रिज पैदल यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा। साथ ही अपनी आकर्षक डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं के कारण यह शहर के नए अर्बन स्पेस के रूप में भी विकसित होगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित बैठक में परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए हरी झंडी दे दी गई।

यह परियोजना पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित की जाएगी। निर्माण पर करीब 18 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिसका पूरा खर्च निजी कंपनी वहन करेगी। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि शहीद पथ जैसे व्यस्त मार्ग पर पैदल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परियोजना को अंतिम रूप दिया गया है। फुट ओवरब्रिज में सीढ़ियों के साथ लिफ्ट की भी व्यवस्था होगी, जिससे वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजन और महिलाओं को विशेष सुविधा मिलेगी। उन्होंने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। परियोजना के तहत ग्राउंड फ्लोर पर लगभग 1200 वर्गमीटर क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इसके अलावा कियोस्क, सार्वजनिक उपयोग के लिए इंटरैक्टिव स्पेस, शौचालय और पार्किंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं ग्राउंड फ्लोर, मेजेनाइन फ्लोर और प्रथम तल पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए स्थान विकसित किया जाएगा। फुट ओवरब्रिज की छत पर ओपन एयर रेस्टोरेंट और एलईडी स्क्रीन जैसी सुविधाएं भी प्रस्तावित हैं। एलडीए के अनुसार संरचना को पूरी तरह सुरक्षित और आधुनिक बनाया जाएगा। इसमें एंटी-स्किड फ्लोरिंग, मजबूत रेलिंग, सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, अग्निरोधी विद्युत फिटिंग और भूकंपरोधी डिजाइन का प्रावधान रहेगा। साथ ही फायर सेफ्टी उपकरण, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, प्राथमिक उपचार किट और आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं भी उपलब्ध होंगी। निर्माण कार्य के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए चरणबद्ध निर्माण पद्धति अपनाई जाएगी। आवश्यकता के अनुसार अस्थायी डायवर्जन, बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक और ट्रैफिक मार्शल की व्यवस्था की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस और अन्य विभागों के सहयोग से यातायात संचालन सुचारु बनाए रखने की योजना तैयार की गई है।

2027 में सामाजिक न्याय की सरकार बनाने का आह्वान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए आरक्षण घोटाले के मुद्दे को लेकर बुधवार को जिला कार्यालय, 6 लाजपत राय भवन, कैसरबाग में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयंत' ने प्रदेश सरकार पर भर्ती प्रक्रियाओं में विफल रहने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पीडीए समाज के छात्र-छात्राओं को संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया, जिससे वे अपने अधिकारों से वंचित रह गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को और पीछे धकेला जा रहा है तथा सरकारी नौकरियों को समाप्त कर आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्तियां कराई जा रही हैं।जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान ने कहा कि सरकारी संस्थानों के निजीकरण के कारण आरक्षण व्यवस्था कमजोर हुई है और लोगों को उनके अधिकारों से दूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज को एकजुट होकर वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर सामाजिक न्याय की स्थापना करनी होगी। सपा नेताओं ने दावा किया कि पार्टी की सरकार बनने पर 90 दिनों के भीतर 69 हजार शिक्षक भर्ती से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे और जातिगत जनगणना कराई जाएगी। प्रेसवार्ता में पार्टी प्रवक्ता मनोज यादव, जिला उपाध्यक्ष टी.बी. सिंह, अनिल पासी, ललिता राजपूत लोधी, अरविंद गौतम, रितु अग्रवाल, बचान सिंह यादव, विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, चंद्रशेखर यादव, अजय कुमार रावत, सोनीश कुमार मौर्य, बीकेटी चेयरमैन गनेश रावत समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

यात्रियों की सुरक्षा और अपराधों पर नियंत्रण को लेकर मंडल रेल प्रबंधक सख्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के नेतृत्व में एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एस.रामकृष्णन के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल द्वारा रेलवे सुरक्षा बल, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है।

इसी क्रम में दिनांक 10 जून 2026, को रेलवे सुरक्षा बल एवं रेल राजकीय रेल पुलिस बनारस द्वारा बनारस स्टेशन पर गश्त के दौरान 01 पर खड़ी गाड़ी संख्या 15138 बुध पूर्णिमा एक्सप्रेस के प्रस्थान के समय आत्महत्या की नियत से अचानक एक महिला ट्रेन के आगे कूदने का प्रयास किया किया, जिसे मौजूद स्टाफ द्वारा पकड़ लिया गया। पूछने पर अपना नाम सुनैना ,पता चितईपुर, वाराणसी बताई। उक्त महिला को समझा बुझा कर उनके सम्बंधी को सकुशल सौपा गया। ऑपरेशन अमानत के तहत दिनांक 10 जून 2026 को वाराणसी कंट्रोल की सूचना पर गाड़ी संख्या 15109 के एसी कोच संख्या ख्र 2 में नीले रंग का ट्रॉली बैग छूट गया है। उक्त सूचना पर यात्री सुरक्षा ड्यूटी में तैनात इक्र सुरेंद्र प्रसाद तथा कांस धर्मेंद्र जायसवाल उक्त गाड़ी के भटनी आगमन पर ट्रॉली बैग को ट्रेन से उतार कर उक्त बैग रेसुब भटनी पर रखा गया है जिसे प्राप्त करने हेतु नम्रता प्रतवानी, जनपद सीवान ने अपने परिजन के साथ उपस्थित हुई । यात्री द्वारा बैग में रखे समान को सत्यापित कर सुपूर्द किया गया जिसका अनुमानित कीमत लगभग 10000/- रुपया बताया गया ग पुरुष यात्री ने समान प्राप्त कर रेल प्रशासन को भूरी-भूरी प्रशंसा की । आपरेशन अमानत के अंतर्गत दिनांक 09 जून 2026 को वाराणसी कंट्रोल की सूचना पर ऑन ड्यूटी कांस्टेबल विनय राय द्वारा ट्रेन नंबर 05184 के मऊ आगमन पर उक्त ट्रेन के ट्3 कोच बर्थ संख्या 66,67, से एक मोबाइल+चार्जर प्राप्त कर रोजनामचा

गोमती किनारे मॉक ड्रिल में दिखा बाढ़ बचाव का दम, ग्रामीणों को सिखाए सुरक्षा के गुर

बख्शी का तालाब, लखनऊ। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए गुरुवार को गोमती नदी के किनारे हीरापुरवा गांव में राज्य स्तरीय बाढ़ बचाव मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने नदी में डूब रहे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रदर्शन कर ग्रामीणों को आपदा से बचाव के तरीके बताए। निलांश थीम वाटर पार्क के निकट आयोजित मॉक ड्रिल में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष वाई. डमरी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए शिविरों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और ग्रामीणों को सतर्क रहने तथा प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक किया। मॉक ड्रिल के तहत अकड़रिया गांव के निवासी शिवा यादव, सुजीत, प्रियांशु और मनीष को नदी में फंसे लोगों के रूप में दर्शाया गया। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने नावों की सहायता से उन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर स्ट्रेचर के माध्यम से चिकित्सा शिविर पहुंचाया। वहां स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। डिवीजनल अधिकारी सिविल डिफेंस रमेश सिंह ने ग्रामीणों को बाढ़ के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।

अवैध शराब से बचाने व निर्धारित मूल्य पर शराब उपलब्ध कराने हेतु यूपी एक्साइज सिटिजन ऐप उपलब्ध

रायबरेली। जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि उपभोगताओं को अवैध शराब से बचाने, निर्धारित मूल्य पर शराब उपलब्ध कराने हेतु आबकारी विभाग द्वारा यूपी एक्साइज सिटिजन नाम से एक सरकारी मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया गया है, जो गूगल प्ले स्टोर और एप्पल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस ऐप के माध्यम से शराब की बोतल पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करके उसकी प्रमाणिकता की जांच, ब्रांड, कीमत , बैच नम्बर और उत्पादन की तारीख की पुष्टि की जा सकती है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरणः टेण्डर नं. "06-जीकेपी-एमडब्लूएस-2026-27", "काम्प्रीहेन्सिव एएमसी ऑफ इओटी क्रेन नं. 454, 455, 456, 457 एण्ड 465 क्वानटिटी-05 नम्बर्स एज पर स्कोप ऑफ वर्क फॉर 03 ईयर एट जीकेपीएस" अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 17,45,066.91, धरोहर राशि (रू०में): ₹ 34,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः 11:00 बजे दि. 03-07-2026, संविदा की अवधिः 36 माह।

• उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी०/रिपेयर, यां० कार०
मुजाधि/यॉंत्रिक-38 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता सी०एण्डडब्ल्यू० लखनऊ के द्वारा ई टेंडर संख्या 289–Mech-CWUpLaundryLKO26 के अंतर्गत खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 06.07.2026, 15:00 है जो उसी दिन 15:30 बजे वैबसाइट पर खोले जाएगे। इस टेंडर के अन्तर्गत मैनुअल आफर स्वीकार्य नहीं होंगें। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। टेंडेरर ध्यान दें कि निविदा मूल्य (जैसा IREPS पर प्रावधान हो) का भुगतान वह केवल through online payment mode जो की ireps पर उपलब्ध है जैसे की नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही स्वीकार्य है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रशीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

कार्य का नाम	सेटिंग अप आफ इन्फ्रास्ट्रक्चर फार लिनेन मैनेजमेन्ट फैसिलिटीज ऐट लखनऊ कोचिंग डिपो एन आर।		
निविदा टाइप	खुली निविदा	बिडिंग स्टाइल	सिंगल बिड सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय	06.07.2026 15:00 बजे	अपलोडिंग दिनांक	15.06.2026
प्री बिड येस/नो	नो	प्री बिड कुएरी डेट टाइम	नाट अप्लीकेबल
एडवरटाइज्ड वैल्यू (रु.)	6,43,35,024.10 (Including GST)	टेण्डरिंग सेक्शन	टेण्डर सी०एण्डडब्ल्यू०
बिडिंग स्टाइल	सिंगल रेट फार ईच शिड्यूल आइटम	बिडिंग यूनिट	%एज अबव/बिलो/एट पार
धरोहर राशि (रु.)	12,86,700.00	आफर की वैधता	60 दिन
निविदा मूल्य (रु.)	निशुल्क	कार्य की अवधि	120 Days from the date of handing over of clear site to the contractor by the Railways.
बिडिंग स्टार्ट डेट	22.06.2026		

सं.: 289-Mech-CWUpLaundryLKO26 दिनांकः– 11.06.2026 1995/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नगर निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: नगर आयुक्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी । नगर निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने विकास कार्यों को मानक के अनुरूप और समयबद्ध तरीके से तत्काल सुचारू न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त ने गुरुवार को डिठोरी महल मस्जिद के पास से मौर्य बैग के सामने गली मार्ग के इंटरलॉकिंग, पेय जल और सीवर लाइन के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। ?निरीक्षण के दौरान डिठोरी महल मस्जिद के पास वाली गली में कई दिनों से इंटरलॉकिंग और सीवर का काम बंद मिलने पर नगर आयुक्त ने सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित सहायक अभियंता को निर्देशित किया कि कार्य को तुरंत शुरू कराकर समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि सीवर लाइन डालने के बाद भी कुछ घरों के कनेक्शन अभी तक नहीं जोड़े गए हैं, जिसे तत्काल मिलाने के निर्देश दिए गए। ?इसके अलावा गली में कराई गई इंटरलॉकिंग का लेवल ऊपर-नीचे पाए जाने पर उसे दोबारा ठीक करने को कहा गया। वहीं, मस्जिद के पास स्थानीय नागरिकों ने शिकायत की कि सीवर लाइन काफी पुरानी होने के कारण लगातार चोक हो जाती है, जिस पर नगर आयुक्त ने सीवर लाइन की क्षमता के अनुसार नया प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आदेश दिया। गली में री-बोर कराए गए मिनी ट्यूबवेल का संचालन ठीक न होने पर महाप्रबंधक जलकल को नियमानुसार तत्काल संचालन सुनिश्चित करने की चेतावनी दी गई। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद विनय सदेजा, जलकल विभाग के महाप्रबंधक अनूप सिंह, सहायक अभियंता शिव सरोज और संबंधित अवर अभियंता मुख्य रूप से मौके पर उपस्थित रहे।

बारिश से पूर्व नगर निगम हुआ अलर्ट , नगर आयुक्त ने दिये बड़े नालों के सफाई कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

❒ हैदर कैनाल, किला मोहम्मदी ड्रेन और आशियाना क्षेत्र के नालों का लिया जायजा, स्थानीय समस्याओं के समाधान पर भी दिया जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ । नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार ने गुरुवार को शहर के प्रमुख नालों एवं जल निकासी व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर सफाई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को नालों की नियमित सफाई, निकाली गई सिल्ट के त्वरित निस्तारण तथा बरसात से पूर्व सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने सबसे पहले 1090 चौराहे पर हैदर कैनाल की निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने 5 केडी स्थित पुलिया की अंडरग्राउंड सफाई का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में सदर रामलीला ग्राउंड के पास उदयगंज पुल के नीचे हैदर कैनाल नाले की सफाई व्यवस्था का भी बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

किला मोहम्मदी ड्रेन के बाहर मिली सिल्ट, तत्काल उठान के दिए निर्देश

इसके उपरांत नगर आयुक्त जोन-8 स्थित किला मोहम्मदी ड्रेन पहुंचे, जहां उन्होंने खजाना कॉम्प्लेक्स से नाले की सफाई कार्यों का निरीक्षण शुरू किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर निकाली गई सिल्ट पड़ी मिली, जिस पर उन्होंने चीफ इंजीनियर आरआर श्री मनोज प्रभात को सिल्ट का तत्काल उठान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

अहाना एंक्लेव में फ्लैटों का किया निरीक्षण, निवासियों से सीधे संवाद कर जानीं समस्याएं

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार अहाना एंक्लेव भी पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान नगर आयुक्त स्वयं कई फ्लैटों में पहुंचे और वहां रह रहे लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली। निवासियों ने गार्डन एवं पार्कों में प्रकाश व्यवस्था बहाल करने, पार्कों में अतिरिक्त लाइटें लगाने, लिफ्ट मेंटेनेंस, वाटर टैंक की नियमित सफाई तथा फायर सिस्टम की मॉक ड्रिल कराने की मांग रखी। नगर आयुक्त ने अधिशासी अभियंता श्री अतुल मिश्रा को पार्कों एवं गार्डन में आवश्यक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन एक्टिविटी सेंटर 15 दिन में पूरा करने के निर्देश

अहाना एंक्लेव के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्माणाधीन एक्टिविटी सेंटर का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक्टिविटी सेंटर के शेष कार्यों को अगले 15 दिनों के भीतर पूर्ण कर इसे उपयोग के लिए तैयार किया जाए, ताकि स्थानीय निवासियों को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

आशियाना क्षेत्र नालों का निरीक्षण

इसके बाद नगर आयुक्त ने जोन-8 के आशियाना क्षेत्र में स्थित विभिन्न सिविल के नालों का निरीक्षण किया। कई स्थानों पर सफाई के बाद भी सिल्ट पड़ी मिलने पर उन्होंने तत्काल उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आशियाना गुरुद्वारा के सामने बने नाले की पुनः सफाई कराने के भी निर्देश दिए गए।

मल्टी एक्टिविटी सेंटर और क्षतिग्रस्त पुलिया का लिया संज्ञान

निरीक्षण के दौरान मल्टी एक्टिविटी सेंटर के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश जोनल सेनेटरी अधिकारी को दिए गए। वहीं निकट स्थित एक क्षतिग्रस्त पुलिया का संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने अधिशासी अभियंता को उसका मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए।

हैवतमऊ झील के फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश

नगर आयुक्त ने हैवतमऊ झील के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने चीफ इंजीनियर सिविल को झील के फिनिशिंग कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर परियोजना को समयबद्ध रूप से पूरा कराने के निर्देश दिए।

गैस पाइपलाइन और बायोमैट्रिक व्यवस्था लागू करने के निर्देश

नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त श्री अभिनव रंजन श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि उनकी अध्यक्षता में अहाना एंक्लेव से जुड़े सभी हितधारकों के साथ बैठक आयोजित कर लंबित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए संबंधित विभाग को पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही एंक्लेव में कार्यरत सभी कर्मियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने के निर्देश अपर नगर आयुक्त एवं जोन-8 के जोनल अधिकारी को दिए।

फ्लैट दिखाने के बहाने युवती से छेड़छाड़, विरोध करने पर धमकी, मुकदमा दर्ज

लखनऊ । राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र में फ्लैट दिखाने के बहाने एक युवती के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता नायरा उपाध्याय ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि एक व्यक्ति ने उसे फोन कर फ्लैट दिखाने के बहाने बुलाया।फ्लैट पर पहुंचने के बाद आरोपी ने उसे पीछे से पकड़ लिया और उसके साथ अभद्र हरकत करने का प्रयास किया। युवती ने किसी तरह खुद को छुड़ाकर वहां से निकलकर अपनी जान बचाई। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद उसने पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही उसके पास घटना से जुड़े कुछ साक्ष्य और रिकॉर्डिंग भी मौजूद हैं। युवती का यह भी कहना है कि शिकायत करने के बाद आरोपी और उसके परिचितों की ओर से उसे लगातार परेशान किया जा रहा है तथा शिकायत वापस न लेने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बीबीडी थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंदिर से लौट रही महिला की चेन झपट ले गया बाइक सवार बदमाश

❒ पुलिस मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ । मां चंद्रिका देवी मंदिर से दर्शन कर लौट रही महिला श्रद्धालु से बाइक सवार बदमाश ने झपट्टा मारकर सोने की चेन छीन ली और फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने बीकेटी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश में जुटी है।

अयोध्या जिले के सहादतगंज थाना क्षेत्र स्थित सालारपुर निवासी निशा सिंह गुरुवार सुबह परिवार के साथ मां चंद्रिका देवी मंदिर में दर्शन करने आई थीं। दर्शन के बाद वह ई-रिक्शा से वापस लौट रही थीं। आरोप है कि सुबह करीब 11:15 बजे कठवारा चौकी क्षेत्र में पीछे से काले रंग की बाइक पर आए एक युवक ने चलते ई-रिक्शा के पास पहुंचकर उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन छीनकर फरार हो गया। पीड़िता के अनुसार आरोपित बाइक पर अकेला था। उसने सफ़ेद रंग की धारीदार शर्ट पहन रखी थी और काला हेलमेट लगाया हुआ था। घटना इतनी तेजी से हुई कि वह कुछ समझ पातीं, उससे पहले ही बदमाश आंखों से ओझल हो गया। वारदात के बाद महिला और उनके स्वजन सकते में आ गए।मंदिर क्षेत्र में हुई इस छिनैती की घटना ने श्रद्धालुओं, खासकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर नियमित पुलिस गश्त बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपित की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्नेहालया शेल्टर होम में बच्चियों को मिला आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

❒ ताइक्वांडो सीखने पर दिया गया जोर, लड़कियो को आत्मरक्षा हेतु सेल्फ डिफेंस तरीके पता होने चाहिए: मनोज वर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आज के दौर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है। इसी उद्देश्य को लेकर कुर्सी रोड स्थित स्नेहालया गर्ल्स शेल्टर होम में बच्चियों के लिए सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सिविल डिफेंस लखनऊ के अधिकारी मनोज वर्मा एवं समाजसेविका प्रतिमा सोनकर के सहयोग से किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रपति पदक से सम्मानित सिविल डिफेंस लखनऊ के वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक एवं ताइक्वांडो प्रशिक्षक मनोज वर्मा ने बच्चियों को आग से बचाव एवं आपदा के समय सतर्क रहने के उपाय बताए। साथ ही उन्होंने ताइक्वांडो के माध्यम से आत्मरक्षा के विभिन्न गुर सिखाते हुए कहा कि आज के समय में प्रत्येक लड़की को आत्मरक्षा के तरीके अवश्य आने चाहिए ताकि वह किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके।उन्होंने बताया कि ताइक्वांडो केवल एक खेल या मार्शल आर्ट नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है। प्रशिक्षण के दौरान बच्चियों को विभिन्न किक, पंच और ब्लॉक तकनीकों का प्रदर्शन कर व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, जिसमें सभी बच्चियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान समाजसेविका प्रतिमा सोनकर ने बच्चियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किसी भी संकट की स्थिति में घबराने के बजाय साहस और आत्मविश्वास के साथ परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर जोर से आवाज लगाकर सहायता मांगने की भी सलाह दी।अंत में स्नेहालया की संचालिका सिस्टर ग्रेस ने मनोज वर्मा एवं प्रतिमा सोनकर को पौधा भेंट कर सम्मानित किया तथा उपयोगी एवं प्रेरणादायक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया।

नगर निगम लखनऊ में 03 जुलाई को आयोजित होगा 'संपूर्ण समाधान दिवस'

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहरवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ द्वारा आयोजित होने वाला संपूर्ण समाधान दिवस अब 03 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को आयोजित किया जाएगा। नगर निगम द्वारा बताया गया है कि वर्तमान में शहर में चल रहे जनगणना कार्यों तथा विभिन्न जोनों में प्रतिदिन आयोजित की जा रही जन चौपालों के कारण अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यापक स्तर पर तैनाती की गई है। इसी कारण जून माह में प्रस्तावित संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन स्थगित करते हुए अब इसे जुलाई माह के प्रथम शुक्रवार, 03 जुलाई 2026 को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। नगर निगम लखनऊ ने शहरवासियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी शिकायतों के समाधान हेतु 03 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को समय से उपस्थित होकर इस जनहितकारी पहल में सहभागिता करें तथा स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित लखनऊ के निर्माण में सहयोग प्रदान करें।

माल सीएचसी पर महिला चिकित्सक के अभाव में प्रसूता की हुई मौत

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानीय माल सीएचसी पर रात्रि में महिला चिकित्सक के न होने से एक प्रसूता की जान चली गयी। जो सरकारी निर्देशों के उल्लंघन को दृष्टि है। माल कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर वर्षों से महिला डाक्टरों की नियुक्ति की बावजूद कभी भी महिला डाक्टर रात्रि में सीएचसी पर नहीं रुकती हैं । जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता हैं। इसी क्रम में गलवार रात्रि में मसीढा रतन गांव निवासी रणरेश की गर्भवती पत्नी उर्मिला(32)प्रसव पीड़ा होने पर माल सीएचसी पहुंची। जहां कोई भी महिला डाक्टर मौजूद नहीं थी। किसी तरह प्रसूता को नर्सों ने बच्चा (बेटी) पैदा तो करवा दिया, लेकिन प्रसव के कुछ ही देर बाद उर्मिला को ब्लीडिंग शुरू हो गयी तो राम नरेश नाइट ड्यूटी के रहे डाक्टर के पास जाकर पत्नी की पीड़ा बताई तो उन्होंने कहा इसमें हम क्या कर सकते हैं। उन्होंने तत्काल प्रसूता को बलरामपुर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां प्रसूता का ठीक से उपचार शुरू भी नहीं हो पाया था कि उसने दम तोड़ दिया। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि हमारे स्वास्थ्य महकमे के अधिकारी जनता की सेवा के प्रति कितने सजग हैं। या केवल सरकारी दिशा निर्देशों की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं। यही नहीं जबकि सरकार जनता के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क और समर्पित रहने के खोखले दावे करती नजर आ रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर में घायल बाइक सवार की मौत

लखनऊ, केनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र के गौरैया गांव स्थित माल दुबग्गा रोड पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक छिटक कर रोड़ पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। जिस पुलिस एम्बुलेंस से माल सीएचसी लायी। जहां डाक्टर ने घायल की गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। घायल ने ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बुधवार को माल थाने के भवानीपुर गांव निवासी कमलेश रावत का बीस वर्षीय बेटा आहूल(20) लखनऊ से घर वापस आ रहा था। जब वह गौरैया गांव के पास पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे आहूल गंभीररूप से घायल होकर बेहोश हो गया। जिसे सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से माल सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टर ने घायल की गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर भेज दिया। घायल ने ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। आहूल अपने भाइयों में छोटा था और लगभग छह माह पूर्व ही प्रेम विवाह किया था।जबकि बड़े भाई राहुल की शादी हो चुकी है और उसके बच्चे भी हैं।

कुएं गिरी भैंस, मौत

लखनऊ, केनविज टाइम्स संवाददाता। बुधवार रात माल क्षेत्र के एक गांव में आंधी आने पर किसान की भैंस छूट कर बागों की तरफ चली गयी। भैंस अचानक बाग में बने पुराने कुएं में जा गिरी। किसान ग्रामीणों के साथ भैंस को खोजते हुए बाग में कुएं में झांक कर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। नारायनपुर पंचायत के जंगीखेड़ा मजरे निवासी प्रेम कुमार की नौ माह से गर्भवती भैंस बुधवार आधी रात में छुटकर बागों की तरफ चली गयी जहां पुराने कुएं में जाकर गिर गयी। जिससे भैंस की अचानक मौत हो गयी।ग्रामीणों की मदद से भैंस को कुएं से बाहर निकाला गया। जिसे ग्रामीणों की मदद से गड्ढा खोदकर उसी में दफना दिया गया। किसान ने थाने पर तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई है।

भाकियू नेता ने खुद की जान को भू माफियाओं से बताया खतरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । गोसाईगंज कोतवाली अंतर्गत आने वाले गांव काजी खेड़ा निवासी भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) संगठन के वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष लखनऊ सुरेंद्र कुमार वर्मा की ओर से खुद की जान को खतरा बताया गया है। भाकियू नेता की ओर से मुख्यमंत्री एवं उच्चाधिकारियों को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि एक जमीनी विवाद में 5 जून 2026 को उन्हें गोसाईगंज कोतवाली बुलाया गया था।

वहीं पर अंबिका सिंह पुत्र हरि ओम निवासी 233 कटहन सिंह पुर , बांसगंज जनपद आजमगढ़ अपने अन्य साथियों के साथ भी मौजूद थे।बात चीत शुरू हुई लेकिन हरिओम बात चीत में किसी को संतुष्टि नहीं मिली । हरिओम जमीनों पर प्लाटिंग का काम करते है। किसानों को थोड़ा रूपया देकर उन्हें कई सालों तक फसाये रहते हैं। यह व्यक्ति न तो किसानों को रूपया देता है और न ही बैनामा ही कम्प्लीट करवाता है। यह तो बस जमीनों पर कब्जा करने का काम करता है। यह किसानों से पुराने रेट पर बैनामा करवाने का दबाव बनाता है या फिर दिये गये रूपये ब्याज सहित वापस मांगते मांगने का काम करता है। यह व्यक्ति बकायेदार भी कोर्ट मे रुपये जमा करने की बात करता है। इसमें स्थानीय पुलिस इसके सहयोग रहती है। ऐसे ही एक मामले में वे (भाकियू नेता) थाना परिसर में थे। बात चीत के दौरान उनके विरोध अपशब्दों का प्रयोग किया गया। धमकी दी गई।कहा कि तुम किसान यूनियन से जुड़े हो तुमको देख लूंगा। धमकी देने वाले हरिओम के एक साथी ने तो आजमगढ़ में फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की भी धमकी दे दी। उसने कहा कि जमीनों कि खरीद फरोख्त का काम करतें हैं। भाकियू नेता के अनुसार हरिओम और उनके साथियों के इरादे अच्छे नहीं हैं।उनकी ओर से किसी भी घटना को किसी समय कहीं भी अंजाम दिया जा सकता है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर रिटायर्ड व्यक्ति से 92.50 लाख की ठगी, मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । राजधानी के चिनहट क्षेत्र में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर एक सेवानिवृत्त व्यक्ति से 92.50 लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने मोटे मुनाफ़े का लालच देकर पीड़ित को अपने जाल में फंसाया और अलग-अलग बहानों से लाखों रुपये निवेश करवा लिए।

जानकारी के अनुसार, कमता निवासी सेवानिवृत्त व्यक्ति से व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया गया। आरोपियों ने खुद को ट्रेडिंग विशेषज्ञ बताते हुए ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश करने की सलाह दी और कम समय में अधिक लाभ का भरोसा दिलाया। शुरुआत में मुनाफा दिखाकर विश्वास जीतने के बाद आरोपियों ने विभिन्न कारण बताकर लगातार रकम जमा कराई। जब पीड़ित ने अपनी निवेश की गई धनराशि वापस निकालने का प्रयास किया तो जालसाज टालमटोल करने लगे। बाद में आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए और संपर्क पूरी तरह समाप्त कर दिया। खुद को ठगी का शिकार महसूस होने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पीड़ित की तहरीर के आधार पर चिनहट पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस साइबर अपराधियों के बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन ट्रेडिंग या निवेश से पहले संबंधित प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता की जांच अवश्य करें। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर धनराशि निवेश न करें और साइबर ठगी की आशंका होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा नजदीकी साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

महानगर कल्याण मंडप में आयोजित हुआ जन चौपाल

❒ अलीगंज एवं विवेकानंदपुरी वार्ड के नागरिकों ने रखीं अपनी समस्याएं, महापौर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर निगम लखनऊ द्वारा संचालित जन चौपाल अभियान के अंतर्गत गुरुवार को महानगर कल्याण मंडप में जन चौपाल का आयोजन महापौर सुषमा खर्कवाल जी की अध्यक्षता में किया गया। जन चौपाल में अलीगंज वार्ड एवं विवेकानंदपुरी वार्ड के स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए अपनी समस्याएं एवं सुझाव महापौर के समक्ष रखे।

जन चौपाल के दौरान नागरिकों ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण, चोक नालियों की सफाई, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, नालियों के ढक्कनों की मरम्मत एवं स्थापना तथा सीवर व्यवस्था से संबंधित शिकायतें प्रमुखता से उठाईं। इसके अलावा अपार्टमेंट के सामने वाहनों की अनियमित पार्किंग से आवागमन में हो रही असुविधा का मुद्दा भी नागरिकों द्वारा रखा गया। नागरिकों ने क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने की मांग की।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित अभियान चलाया जाए, चोक नालियों की सफाई सुनिश्चित की जाए तथा सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सीवर संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए। जन चौपाल कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि सुनील संखधर जी, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जोनल अधिकारी जोन 3 मनोज यादव , मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अशोक सिंह जी, उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम , नगर अभियंता नज़मी मुजफ्फर जी तथा ए.ई. विनोद पाठक जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि जन चौपाल अभियान नागरिकों और नगर निगम प्रशासन के बीच सीधे संवाद का प्रभावी मंच बन रहा है। इससे क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान में तेजी आने के साथ-साथ नागरिकों का प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हो रहा है। जन चौपाल में प्राप्त सभी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

12 जून को जोन-5 के दो वार्डों में आयोजित होगी जन चौपाल

लखनऊ । नगर निगम द्वारा संचालित जन चौपाल अभियान के अंतर्गत 12 जून 2026 (शुक्रवार) को जोन-5 के सरोजनी नगर प्रथम वार्ड एवं सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड में जन चौपाल का आयोजन किया जाएगा। जन चौपाल के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का वार्ड स्तर पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। सरोजनी नगर प्रथम वार्ड की जन चौपाल सायं 4 बजे हनुमानपुरी मोहल्ले स्थित सरोजनीनगर ब्लॉक कैंपस में आयोजित होगी। वहीं सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड की जन चौपाल सायं 6 बजे विष्णु लोक कॉलोनी स्थित रुद्र वैष्णो देवी मंदिर पार्क में संपन्न होगी। जन चौपाल में गृहकर, सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश, पेयजल, सीवर, अतिक्रमण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित शिकायतों एवं सुझावों को सुना जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेंगे। नगर निगम प्रशासन ने क्षेत्रीय नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में जन चौपाल में पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव सीधे प्रशासन के समक्ष रखने तथा अपने वार्ड के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

आठवें वेतन आयोग के संबंध में शासन मे पेन्शनर संगठनों की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा देश के सेवा संगठनों से 9 बिन्दुओ पर विचार आमन्त्रित किये गए थे तथा देश में भ्रमण कर आयोग संगठनों से विचार विमर्श भी कर रहा है। उसी क्रम में आयोग की टीम 22 तथा 23 जून 2026 को लखनऊ भी आ रही है। उक्त बैठक से पूर्व आयोग के सचिव के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव वित्त उत्तर प्रदेश, शासन द्वारा पेन्शनर संगठनो को वार्ता हेतु सचिवालय के पारिजात सभागार में आज आमन्त्रित किया गया था।

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स कल्याण संघ उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय अध्यक्ष इं आर के भाटिया ने अवगत कराया की संघ की तरफ से उनके द्वारा वेतन आयोग को 25 मई को पेन्शनरो के सम्बंध में आनलाइन मेमोरेंडम प्रेषित किया गया था ,जिसकी मेमो आई डी उनको मेल से प्राप्त हो गई थी तथा वेतन आयोग की लखनऊ में प्रस्तावित बैठक में संघ के सेवानिवृत्त सदस्यों की अगले वेतन आयोग से आपेक्षाओं को विस्तार से रखने हेतु समय का अनुरोध भी आयोग के निर्देशानुसार मागं लिया गया है। गुरुवार की बैठक सचिव वित्त, विशेष सचिव पुष्प राज, वेतन आयोग हेतु नामित नोडल अधिकारी नील रतन द्वारा ली गई। जिसमें अन्य संगठनों के साथ इं आर के भाटिया प्रान्तीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष इं शिव शंकर दुबे ने भी भाग लिया। इं आर के भाटिया के अनुसार फिटमेंट फैक्टर 3.833 की संघ ने परिवार के 5 सदस्यों को मानते हुए मागं रखी है साथ ही साथ 65 वर्ष पर पेंशन 65%,70 वर्ष पर 70%,75 वर्ष पर 75%, 80 वर्ष पर 80%,85 वर्ष पर 90% तथा 90 वर्ष पर 100% पेंशन बढ़ोतरी दिये जाने का प्रस्ताव पूर्ण तर्कों के साथ प्रस्तुत किया है, शासन पूर्व मे पांच प्रतिशत पेन्शन वृध्दि हर पांच वर्ष बाद देने की पेन्शनर संगठनों की मागं का प्रस्ताव भारत सरकार को भेज चुका है उसपर वेतन आयोग अमल से अमल कराने का अनुरोध किया गया,तथा राशिकरण की कटौती अवधि 15 वर्ष से 11 वर्ष करने की मांग के सम्बंध मे बनी कमेटी ने भी आठवें वेतन आयोग को संदर्भित करने का निर्णय लिया था। उसपर भी अमल कराने का संघ ने अनुरोध किया है । सचिव को सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स कल्याण संघ ने वेतन आयोग को भेजे मेमोरेंडम की प्रति भी उपलब्ध कराई है।

महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ लोहिया वाहिनी का प्रदर्शन

❐ राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, उठाई आवाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। महमूदाबाद में समाजवादी लोहिया वाहिनी, सीतापुर के जिला अध्यक्ष मेराज अहमद के नेतृत्व में बुधवार सुबह लगभग 10 बजे तहसील महमूदाबाद में राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से डीजल, पेट्रोल, सीएनजी, रसोई गैस एवं आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, पेपर लीक की घटनाओं तथा आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि देश और प्रदेश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रही है। रोजगार के अवसर सीमित होते जा रहे हैं, जबकि डीजल, पेट्रोल, सीएनजी, रसोई गैस सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा असर आम नागरिकों के जीवन स्तर पर पड़ रहा है। संगठन का कहना है कि महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, छात्रों, युवाओं, महिलाओं और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ा है।

लोहिया वाहिनी ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि डीजल की कीमतों में वृद्धि से सिंचाई, जुताई, कटाई और कृषि उत्पादों के परिवहन की लागत बढ़ गई है, जिससे खेती लगातार महंगी होती जा रही है। वहीं माल ढुलाई महंगी होने के कारण खाद्यान्न, फल, सब्जियां, दालें और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। पेट्रोल और सीएनजी के बढ़ते दामों ने नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और छोटे व्यापारियों के मासिक बजट को प्रभावित किया है। इसके अलावा घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

संगठन ने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में कहा गया कि इन घटनाओं ने लाखों युवाओं और छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं, कालाबाजारी तथा अवैध शुल्क वसूली पर कठोर कार्रवाई की मांग भी की गई।

किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए लोहिया वाहिनी ने कहा कि किसानों को यूरिया की कमी और उसकी कालाबाजारी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही अघोषित बिजली कटौती से खेती-किसानी प्रभावित हो रही है और आम जनता भी परेशान है।

ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने कुल 14 मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। इनमें डीजल, पेट्रोल एवं सीएनजी की कीमतों में कमी, घरेलू गैस सिलेंडर पर सब्सिडी बहाल करना, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण, किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज प्रदान करना, महंगाई से प्रभावित परिवारों के लिए सहायता योजना लागू करना, पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, किसानों के लिए यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।

इस दौरान समाजवादी लोहिया वाहिनी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

छिनैती की घटनाओं का खुलासा मुठभेड़ में 02 आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । एसओजी, सर्विलांस सेल और थाना सिंधौली पुलिस की संयुक्त टीम ने छिनैती की घटनाओं का खुलासा करते हुए 02 अभियुक्तों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के कब्जे से तमंचा, कारतूस समेत छिनैती के जेवरात भी बरामद किए हैं। बीती 27 मई को थाना पुवायां क्षेत्र के गांव उमरसंडा निवासी श्यामाचरण की प' सुशीला देवी अपनी बहन बिटाना देवी के घर थाना सिंधौली क्षेत्र के गांव आदमपुर उत्तरी पैदल जा रही थीं। इसी दौरान ग्राम नगला लाहौरी से पहले दो अज्ञात बाइक सवारों ने उनके कानों से दो झुमकी छीन ली और फरार हो गए। इससे सुशीला देवी के दोनों कानों में चोटें भी आईं थी। इसके अलावा 30 मई को पुवायां थाना क्षेत्र के गांव कलक्टरगंज निवासी हरिओम अपनी प' मिथलेश और पुत्री के साथ मोटरसाइकिल से कलान जा रहे थे। इसी बीच पैना गांव के पास बिजलीघर के सामने पीछे से आए दो बाइक सवारों ने उनकी प' के दोनों कानों के कुण्डल छीन लिए और फरार हो गए। इस संबंध में सुशीला देवी और हरिओम की तहरीर पर थाना सिंधौली में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। एसपी के निर्देश पर घटना के खुलासे के लिए टीम गठित की गई थी। इसी क्रम में बीती रात संयुक्त पुलिस टीम द्वारा बाबा त्रिलोकीनाथ मंदिर तिराहा रिंग रोड पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक बाइक पर सवार दो बदमाश आते हुए दिखे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो वो लोग रिंग रोड से खन्नौत नदी की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया, तो दोनों अभियुक्तों ने खन्नौत नदी पुल से पहले खाली मैदान में बाइक मोड़ दी और बाइक समेत गिर गए। इसके बाद दोनों अभियुक्तों ने पुलिस टीम को जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस के जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गये।

सेमरी कताई मिल्स में आखिर मलबा बिक रहा है या मिट्टी!

❐ स्थानीय लोगों ने उठाए सवाल, जांच कराएं जाने कि मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। महमूदाबाद क्षेत्र स्थित सेमरी कताई मिल्स परिसर में कथित रूप से मलबे की आड़ में बड़े पैमाने पर मिट्टी की बिक्री किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई महीनों से यहां मलबा हटाने के नाम पर मिट्टी का खनन और परिवहन किया जा रहा है, जबकि वास्तविक मलबे की मात्रा बेहद कम दिखाई दे रही है।

क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि मिल परिसर से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से मिट्टी बाहर भेजी जा रही है। उनका कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकती है।स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि सड़क किनारे खुलेआम मिट्टी से भरी जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के कारण उड़ने वाली धूल से राहगीरों, दुकानदारों और आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने के साथ-साथ सड़क पर दृश्यता प्रभावित होने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।नागरिकों का कहना है कि संबंधित विभागों को इस मामले का संज्ञान लेकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि सेमरी कताई मिल्स परिसर से वास्तव में मलबे का निस्तारण किया जा रहा है या फिर मिट्टी की बिक्री की जा रही है। साथ ही, परिवहन कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।फिलहाल, स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन पूरे प्रकरण की जांच कराए और यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनपद में 16 जून से शुरु होगा ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट सेंटर

शाहजहांपुर। जनपद के ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों के लिए अच्छी खबर है। शाहजहांपुर के कंठ स्थित एम/एस साबरी फिलिंग स्टेशन को ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग सेंटर के संचालन की अनुमति मिल गई है। राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह केंद्र 16 जून 2026 से संचालित होना शुरू होगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सर्वेश सिंह ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस के सभी आवेदकों का बायोमेट्रिक सत्यापन पूर्व की भांति उप संभागीय परिवहन कार्यालय नियामतपुर शाहजहांपुर में ही किया जाएगा। बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को कंठ स्थित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग सेंटर पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रशिक्षण एवं ड्राइविंग कौशल परीक्षण (टेस्ट) में शामिल होना होगा। बताया कि ड्राइविंग टेस्ट में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को नियमानुसार ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाएगा। नए ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर के शुरू होने से ड्राइविंग परीक्षण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तकनीकी और निष्पक्ष बनने की उम्मीद है।

कोतवाली में लिखित समझौते की भी उड़ाई जा रहीं धज्जियां!

❐ डेढ़ वर्ष बाद भी नहीं लौटी 87,700 रुपये की बकाया रकम, न्याय के लिए दर-दर भटक रहा पीड़ित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर । कोतवाली महमूदाबाद में पुलिस की मौजूदगी में हुए लिखित समझौते का भी पालन न किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। करीब डेढ़ वर्ष बीत जाने के बावजूद पीड़ित को उसकी मेहनत की कमाई की धनराशि वापस नहीं मिल सकी है, जिससे स्थानीय पुलिस व्यवस्था और समझौता प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

अखिलेश कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व0 देवता शरण निवासी मोहल्ला कैथी टोला थाना तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महमूदाबाद को 6 जून 2026 को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि पवन कुमार पुत्र स्व0 देवता शरण वर्तमान पता पंडित जवाहर लाल नेहरू पालीटेक्निक महमूदाबाद के कैम्पस में रह रहा है, प्रार्थी के 87,700 रुपये बकाया हैं। विवाद बढ़ने पर मामला कोतवाली महमूदाबाद पहुंचा, जहां 22 दिसंबर 2024 को द्वारा मास्टर कालिका प्रसाद श्रीवास्तव ने दोनों पक्षों के बीच लिखित समझौता कराया गया था।

लिखित समझौता पवन कुमार ने अपनी हैण्ड राइटिंग में लिखा था, कि मास्टर कालिका प्रसाद श्रीवास्तव के द्वारा प्रत्येक माह की 10 अथवा 15 तारीख को 3,000 रुपये की किस्त देकर पूरी धनराशि देने का वादा किया था, लेकिन पीड़ित का आरोप है, कि समझौते के बाद एक भी किस्त का भुगतान विपक्षी पवन कुमार के द्वारा नहीं किया गया है। प्रार्थी को दिये गये आपसी सुलहनामा पर मास्टर कालिका प्रसाद श्रीवास्तव व प्रार्थी के बडे भाई राजेश कुमार के हस्ताक्षर मौजूद हैं, यहाँ तक प्रार्थी के दोनों बच्चे दिव्यांग हैं, और का दाहिना हाँथ ठीक दीपावली के एक दिन पहले 2025 में फैक्चर हो गया था, प्रार्थी के टूटे हुए हाँथ को पवन कुमार ने देखा भी तब भी पवन कुमार का दिल भाई के लिए नहीं पसीजा, जबकि प्रार्थी पूर्व में विपक्षी पवन कुमार के हर दुख में सहयोग करता था, पीड़ित का कहना है कि जब पुलिस की मौजूदगी में हुए लिखित समझौते को भी विपक्षी पवन कुमार ताख पर रखकर अपनी दबंगई दिखा रहा है, और बेईमानी का ताज पहनकर अपने को बहुत बडा खिलाडी समझ रहा है, प्रार्थी का आरोप है कि अपनी ही मेहनत की कमाई हुई धनराशि को वापस पाने के लिए लगातार अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि कोतवाली में हुए लिखित समझौते को आधार बनाकर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाही करते हुए उनकी बकाया धनराशि दिलाई जाए। जब विपक्षी पवन कुमार को प्रार्थी की मेहनत की रकम नहीं लौटानी थी तो कोतवाली महमूदाबाद के परिसर में 22 दिसम्बर 2024 को मास्टर कालिका प्रसाद श्रीवास्तव के समझाने पर सुलहनामा क्यों लिखकर दिया।

जाम व अतिक्रमण की समस्या को दूर करने के लिए चलाया अभियान

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देश पर शहर में जाम और अतिक्रमण की समस्या को दूर करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज यातायात पुलिस व नगर निगर प्रवर्तन दस्ता ने थाना सदर बाजार क्षेत्र के निशात टॉकीज होते हुए लाल इमली चैराहा तक अतिक्रमण तथा अवैध पार्किंग पर बड़ी कार्रवाई की। ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और मरीजों को आपातकालीन समय में जाम से निजात दिलाई जा सके। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय अस्पतालों, दुकानों के सामने मुख्य सड़क पर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाया। साथ ही सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की। इस दौरान यातायात पुलिस द्वारा भविष्य में पुनः अतिक्रमण किए जाने पर विधिक कार्रवाई तथा संबंधित वाहन की जब्ती किए जाने की चेतावनी दी। प्रभारी निरीक्षक यातायात ने लोगों से अपील की है कि दुकानदार अपनी दुकान में सामान रखकर ही व्यापार करें और वाहन चालक तय पार्किंग स्थल पर ही गाड़ी खड़ी करें।

सुशासन व लोक-कल्याण के संकल्प को प्रबुद्ध वर्ग के सहयोग से मिलेगी और गति : डीएम

❐ अटल सभागार में जुटा प्रबुद्ध समाज, 12 साल के सुशासन और जनकल्याण की योजनाओं पर हुई चर्चा और सराहना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन, राष्ट्र-निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को डीएम अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में विशेष संवाद कार्यक्रम हुआ। इस विशेष जन-सम्पर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम में जनपद के प्रतिष्ठित चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, उद्यमियों, व्यवसायियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। यह आयोजन पीएम के नेतृत्व में निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'विश्वास, विकास और जनकल्याण' के ध्येय के साथ किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन पीडी डीआरडीए सतीश कुमार पाण्डेय ने किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने प्रबुद्ध वर्ग का आह्वान करते हुए कहा कि आपका सहयोग प्रशासनिक पारदर्शिता और लोक-कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पायदान तक पहुँचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पिछले 12 वर्षों में जिले और प्रदेश ने उपलब्धियों की एक लंबी श्रृंखला देखी है। केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। डीएम ने कहा कि उपस्थित प्रबुद्धजन समूह को इस अवधि में प्रदेश ही नहीं, जनपद में भी हर क्षेत्र में उल्लेखनीय और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से आमजन का जीवन पहले की तुलना में अधिक सुगम हुआ है। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग से आह्वान किया कि विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका निभाएं। समाज के जागरूक नागरिकों की भागीदारी ही विकास की गति को और मजबूत बनाएगी। कहा कि जनभागीदारी और जागरूक नागरिकों का फीडबैक ही नीतियों को और प्रभावी बनाता है तथा आने वाली पीढ़ी को भी विकास यात्रा में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में जनपद में विकास कार्यों ने नई गति पकड़ी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में लगातार प्रगति हो रही है। छोटी काशी गोला कॉरिडोर, बलरामपुर चीनी मिल में बायोप्लास्टिक प्लांट, कृषि महाविद्यालय व मेडिकल कॉलेज जैसी परियोजनाएं जिले की तस्वीर बदल रही हैं। वहीं लखीमपुर-बहराइच मार्ग पर तीन आरओबी पुलों और अन्य नदियों पर संपर्क सेतुओं के निर्माण से आवागमन मजबूत हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में पॉलिटेक्निक भानपुर, आईटीआई फूलबेहड़ और राजकीय विद्यालयों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में अवसर बढ़ा रहा है। पुलिस लाइन में मल्टीस्टोरी भवन सुरक्षा ढांचे को आधुनिक बना रहा है, जबकि राइनो पुनर्वास जैसी पहल पर्यावरण संतुलन को भी मजबूत कर रही है। कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना, आभा कार्ड, मेडिकल कॉलेज एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों जैसी उपलब्धियों की जानकारी दी।एडीपीआरओ ने पंचायत भवन, जन सुविधा केंद्रों और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विस्तार को रेखांकित किया। जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह ने सीएम सामूहिक विवाह, वृद्धावस्था पेंशन समेत अन्य लोग मौजू रहे।

श्री रोहिताय शिव मंदिर का मनाया गया तीसरा स्थापना दिवस

बिसवां, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कस्बा स्थित श्री रोहिताय शिव मंदिर का वृहस्पतिवार 11 जून को तीसरा स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूम धाम के साथ मनाया गया जिसमें गाजे बाजे के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कलशयात्रा निकाली गई जो मंदिर से चलकर कस्बे में भ्रमण करती हुई उत्तर किनारे पर बह रही पतित पावनी केवानी नदी के तट पर पहुंची और वहां से मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरकर उसे सिर पर रखकर वापस मंदिर आई जिसमें भारी संख्या में कस्बा व मुहल्ले की महिलाएं, बच्चे व पुरुष शामिल रहे। इस यात्रा में शामिल होने के लिए आसपास के छठवान, मवासेपुर, मीनापुर, फरदापुर, गनुवापुर, पिपरा खुर्द, अहरोरी सहित रेउसा और बिसवां आदि स्थानों के श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर पर पहुंच गये थे। मंदिर पहुंचने पर पुजारी पं0 उमेश कुमार गौड़ व सुरेश प्रकाश गौड़ ने भगवान शिव का मंत्रोच्चार के बीच जलाभिषेक और पूजन आरती कराया। इस मौके पर भगवान भोलेनाथ के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। शाम को मंदिर पर विशाल भंडारा का भी आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने देर रात तक भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मुख्य यजमान राकेश कुमार नंद, राजेश कुमार नंद, सुरेश प्रकाश विश्वकर्मा,शिव कुमार विश्वकर्मा,नीरज नंद, विशाल नंद, प्रशांत श्रीवास्तव (लवी), शशांक श्रीवास्तव (अमन), संदीप नंद, राजीव नंद, नमन गौड़, मनोज गौड़, हरिनाम वर्मा व बैजनाथ वर्मा, संतोष वर्मा, हरगोविंद वर्मा,उत्तम सिंह, शिवकुमार गुप्ता, अक्षत श्रीवास्तव, समर्थ श्रीवास्तव, लक्ष्य श्रीवास्तव,पांखी श्रीवास्तवा व सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे। रात्रि में श्री खाटू श्याम संकीर्तन होगा।

प्रेस क्लब पहुंची ज्योति कलश रथयात्रा, पत्रकारों ने किया स्वागत

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान, संस्कार और सद्विचारों का प्रकाश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली ज्योति कलश रथयात्रा गुरुवार को नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से होकर टाउनहाल स्थित प्रेस क्लब पहुंची। जहां पत्रकारों ने कलश यात्रा का स्वागत किया। इसके अलावा जगह-जगह जहां युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा प्रज्ज्वलित अखंड ज्योति का यह दिव्य संदेश पहुंचा, वहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, आरती और जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया। यात्रा का शुभारंभ स्टेशन रोड एमनजई जलालनगर में राधेलाल मौर्य एवं रामलाल मौर्य के परिवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पवर्षा के साथ किया। इसके बाद भारद्वाज कॉलोनी, हद्दफ चैकी, आनंदपुरम कॉलोनी, गायत्री शक्तिपीठ गौहरपुरा, घंटाघर, लकड़ी मंडी और हयातपुरा सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने रथयात्रा का स्वागत कर अखंड ज्योति का पूजन किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को अखंड ज्योति पत्रिका, युग निर्माण साहित्य एवं विचार क्रांति अभियान से संबंधित सामग्री वितरित की गई तथा नशामुक्ति, नैतिक जीवन और सामाजिक जागरण का संदेश दिया गया।दोपहर करीब 04 बजे ज्योति कलश रथयात्रा प्रेस क्लब पहुंची, जहां पत्रकारों, साहित्यकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। साथ ही कलश पूजन कर दीप प्रज्ज्वलित किया तथा अखंड ज्योति की आरती उतारी। प्रेस क्लब में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में आरएमएल ग्रुप की डायरेक्टर वर्षा गोस्वामी, मधुबाला मिश्रा, पत्रकार विवेक वर्मा, कौशलेंद्र मिश्रा, अभिनय गुप्ता, राहुल अवस्थी, गोविंद अवस्थी, सुशील शुक्ला, रोहित पांडेय, पवन पांडेय, राजीव सक्सेना, धनंजय बाजपेई, आशीष त्रिपाठी आदि पत्रकार उपस्थित रहे।सायंकाल रथयात्रा प्रताप एन्क्लेव पहुंची, जहां वरिष्ठ गायत्री परिजन संजय गुप्ता एवं अंजली गुप्ता ने परिवार सहित यात्रा का स्वागत किया। उनके आवास पर भव्य दीपयज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें विश्व शांति, सुख-समृद्धि और सामाजिक सद्भावना की कामना की गई। दीपयज्ञ का संचालन मंजू, गीता, शिवानी एवं रथ सारथी राकेश ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया। जिला मीडिया प्रभारी रंजीत वर्मा ने बताया कि ज्योति कलश रथयात्रा आगामी दिनों में नगर क्षेत्र एवं जमुही सहित आसपास के क्षेत्रों में पहुंचकर जनजागरण, विचार क्रांति और युग निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगी। कहा कि यात्रा से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में लोग आत्मसुधार, नशामुक्ति और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई चेतना जागृत हो रही है।

अपहरण व दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना तिलहर पुलिस ने अपहरण और दुष्कर्म के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।बीती 02 मई को थाना तिलहर पुलिस को तहरीर देकर एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाना तिलहर क्षेत्र के मोहल्ला निजामपुर गौटिया निवासी सोनू पुत्र रामरहीश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अभियुक्त सोनू के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। आज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सरयू पुलिया के पास से उक्त मुकदमें के वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र रामरहीश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त सोनू को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया।

काशीराम कॉलोनी बदहाल: नया ट्रांसफार्मर आने के बाद भी 20 दिनों से अंधेरे में जीवन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा। गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई काशीराम कॉलोनी आज अव्यवस्थाओं, भ्रष्टाचार के आरोपों और अधिकारियों की उदासीनता का प्रतीक बनती जा रही है। भीषण गर्मी के बीच कॉलोनी के सैकड़ों परिवार पिछले लगभग 20 दिनों से बिजली संकट झेलने को मजबूर हैं। निजी विद्युत आपूर्ति के लिए लगा ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद नया ट्रांसफार्मर तीन दिन पहले उपलब्ध हो चुका है, लेकिन अब तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। इससे कॉलोनीवासियों में भारी आक्रोश है।

कॉलोनी के लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी और उमस के बीच बिना बिजली के रहना बेहद कठिन हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध होने के बावजूद बिजली आपूर्ति शुरू कराने में गंभीरता नहीं दिखाई, जिसके चलते पूरा क्षेत्र अब भी अंधेरे में डूबा हुआ है।बिजली संकट के साथ-साथ कॉलोनी में साफ-सफाई की व्यवस्था भी चरमराई हुई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर, जाम नालियां और फैली गंदगी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नियमित सफाई न होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

आवास आवंटन में अनियमितताओं के आरोप

कॉलोनी में आवास आवंटन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। निवासियों का आरोप है कि कई अपात्र और संपन्न लोगों ने प्रभाव और रसूख के बल पर आवासों पर कब्जा कर रखा है। कुछ लोग आवासों को किराए पर देकर आर्थिक लाभ भी उठा रहे हैं, जबकि वास्तविक पात्र परिवार आज भी आवास मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आवास आवंटन की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। उनका आरोप है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और विभागीय कर्मचारियों को भी नियमों की अनदेखी कर कॉलोनी का लाभ मिला हुआ है।

कॉलोनी के समीप स्थित पानी की टंकी पर लगे जल निगम के ट्रांसफार्मर से कुछ लोगों द्वारा बिजली कनेक्शन जोड़े जाने की भी चर्चा है। स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि दबाव बनाकर कुछ लोगों ने वहां से बिजली आपूर्ति ली है। यदि इसकी जांच कराई जाती है तो कई अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है।

बिजली के दुरुपयोग से बढ़ा भार

कॉलोनीवासियों का आरोप है कि मुफ्त बिजली सुविधा का भी कुछ लोगों द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। आरोप है कि बिजली से हीटर चलाने, इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग करने तथा पैसे लेकर अन्य वाहनों को चार्ज करने जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इससे विद्युत व्यवस्था पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है और इसका खामियाजा पूरे कॉलोनी क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है।

पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का बलिदान युवाओं को राष्ट्रसेवा व देशभक्ति की प्रेरणा देता है: डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। काकोरी ट्रेन एक्शन के महानायक अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती पर जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने बिस्मिल पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके अलावा उन्होंने पंडित रामप्रसाद बिस्मिल स्मारक पर भी पुष्प अर्पित कर देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए उनके अद्वितीय योगदान को याद किया।

डीएम ने कहा कि पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग, साहस और बलिदान का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका संघर्ष और बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता है। कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के आदर्शों को आत्मसात कर ही राष्ट्र के विकास और प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा देशहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें। कहा कि ऐसे महान क्रांतिकारियों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस दौरान उपस्थित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों आदि ने भी अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा एवं स्मारक पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान डॉ. अवधेश मणि त्रिपाठी और कवि डॉ. इंदु अजनबी आदि मौजूद रहे।

सड़क किनारे अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ करें सख्त कार्यवाही : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम गत बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। इसके उपरांत जिलाधिकारी संजय चौहान द्वारा जनपद में चिन्हित ब्लैक स्पॉट, सड़क सुधार कार्यों तथा यातायात नियमों के कड़ाई से अनुपालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, रोड पैच सुधार, रिफ्लेक्टर एवं रोड मार्किंग के कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाएं तथा जहां कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनका भौतिक सत्यापन भी सुनिश्चित किया जाए, बैठक में स्कूली वाहनों एवं बसों की नियमित जांच, फिटनेस एवं आवश्यक दस्तावेजों की जांच तथा 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ड्रिंक एंड ड्राइव, बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई कर दृश्यता बढ़ाने, टोल प्लाजा पर कांटा, क्रेन, कटर व एम्बुलेंस की उपलब्धता, तथा प्रमुख चौराहों पर प्रकाश व्यवस्था, संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि चालान एवं जुर्माना की कार्रवाई प्रभावी ढंग से की जाय साथ ही जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से सामान फैलाकर किये जा रहे अतिक्रमण के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने इस पर प्रभावी नियंत्रण हेतु आवश्यक कार्रवाई करते हुये अतिक्रमण हटाने के लिये अभियान चलाने के निर्देश दिये। साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण पाये जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। बैठक में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी,सीडीओ पूजा साहू, सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीर भानु सिंह, अधिशासी अभियंता निर्माण खंड रमेश चंद्र, एआरटीओ, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के दौरान अमन वाल्मीकि के आवास पहुंचे केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, महिलाओं और समाज के उत्थान पर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।भारतीय जनता पार्टी के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के दौरान सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने नगर के पूर्व सभासद एवं भाजपा नगर उपाध्यक्ष अमन वाल्मीकि के आवास पर पहुंचकर परिवारजनों एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों से मुलाकात की इस अवसर पर समाज, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई कार्यक्रम के दौरान अमन वाल्मीकि के आवास पर बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे इसी दौरान प्रसिद्ध गायन प्रतिभा और सारेगामापा के विजेता सचिन वाल्मीकि भी वहां पहुंचे, जिनका केंद्रीय मंत्री ने उत्साहवर्धन करते हुए सम्मान किया जितिन प्रसाद ने अमन वाल्मीकि की पत्नी से विशेष रूप से बातचीत कर महिलाओं की स्थिति, उनके सामने आने वाली चुनौतियों तथा समाज के विकास के लिए आवश्यक कदमों के बारे में जानकारी ली उन्होंने पूछा कि पूरनपुर की महिलाओं और वाल्मीकि समाज के उत्थान के लिए सरकार और जनप्रतिनिधि स्तर पर और क्या बेहतर किया जा सकता है इस दौरान महिला शिक्षा, स्वरोजगार, सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए सुझाव भी प्राप्त किए उन्होंने कहा कि समाज के जागरूक और शिक्षित लोगों के सुझाव नीति निर्माण और विकास कार्यों को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अमन वाल्मीकि ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को उनके समक्ष रखा उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का उनके आवास पर पहुंचना न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए सम्मान और गौरव की बात है प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के इस विशेष पड़ाव ने राजनीतिक संवाद के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता और जनसरोकारों को भी नई मजबूती प्रदान की है।

युवा इंजीनियरों के लिए खुलीं सफलता की राहें, केएनआईपीएसएस फरीदीपुर में सूरत कंस्ट्रक्शन की कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रमेश मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित भर्ती अभियान में छात्रों को मिले रोजगार और करियर निर्माण के अवसर

सुलतानपुर।के एनआईपीएसएस फरीदीपुर परिसर में बी.टेक और डिप्लोमा छात्रों के लिए सूरत कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान छात्रों को निर्माण क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों, उद्योग की कार्यप्रणाली तथा करियर विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कंपनी की ओर से आयोजित इस प्लेसमेंट ड्राइव में प्रबंध निदेशक रमेश मिश्रा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक मिश्रा, मुख्य वित्तीय अधिकारी उत्पल मिश्रा, मानव संसाधन प्रबंधक चांदनी गुप्ता, बिलिंग इंजीनियर निशा जायसवाल तथा परचेज जनरल मैनेजर आलोक कुशवाहा शामिल हुए। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें निर्माण उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं, रोजगार की संभावनाओं और पेशेवर विकास के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान कंपनी प्रतिनिधियों ने छात्रों के तकनीकी ज्ञान, आत्मविश्वास, उत्साह और पेशेवर दृष्टिकोण की सराहना की। कंपनी अधिकारियों ने कहा कि युवा इंजीनियरों में बेहतर तकनीकी क्षमता और सीखने की ललक दिखाई दी, जो निर्माण उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सूरत कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने आयोजन की सफलता के लिए केएनआईपीएसएस फरीदीपुर के प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के सहयोग की प्रशंसा की। कंपनी ने सभी प्रतिभागी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह आगे भी प्रतिभाशाली युवाओं को अवसर प्रदान करने और उन्हें उद्योग जगत से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

यह कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव विद्यार्थियों और उद्योग जगत के बीच मजबूत सेतु बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई। इससे छात्रों को रोजगार, कौशल विकास और व्यावसायिक उन्नति के नए अवसर प्राप्त होंगे, वहीं उद्योग को भी योग्य और प्रशिक्षित युवा प्रतिभाओं का लाभ मिलेगा।

डॉ. विकास शर्मा ने संभाला सीएमओ का कार्यभार, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुंस्त करना होगी बड़ी चुनौती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जनपद के नए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के रूप में डॉ. विकास शर्मा नेकार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके सामने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी चिकित्सालयों और मेडिकल कॉलेज में व्याप्त समस्याओं के समाधान की बड़ी चुनौती होगी। सबसे पहली और अहम चुनौती महिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को पटरी पर लाना मानी जा रही है। अस्पताल में लंबे समय से विभिन्न अव्यवस्थाओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों के बीच समन्वय की कमी के कारण कई व्यवस्थाएं प्रभावित होती रही हैं। वहीं कुछ विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति को लेकर भी समय- समय पर सवाल उठते रहे हैं।महिला अस्पताल परिसर में आवारा कुत्तों का आतंक भी एक गंभीर समस्या बना हुआ है। हाल ही में अस्पताल में कार्यरत एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के मासूम बेटे पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता को लेकर भी सवाल खड़े हुए थे।

इसके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेज और उससे संबद्ध चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को सुचारु करना भी नए सीएमओ के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा।

यहां भी विभिन्न विभागों में व्यवस्थाओं को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रही हैं। हाल ही में मेडिकल कॉलेज में एक महिला की ऑपरेशन के बाद मृत्यु का मामला भी चर्चा में रहा था। इस मामले में संबंधित चिकित्सकों पर लगाए गए आरोपों की जांच अभी जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इसके अतिरिक्त झोलाछाप चिकित्सकों एवं उनके नेटवर्क को ध्वस्त करना भी उनके लिए किसी बड़ी चुनौती से काम साबित नहीं होगा।

हॉल ही में सहसवान के एक सील अस्पताल का पुनः संचालित होना सम्पूर्ण सिस्टम कई गंभीर सवाल खड़े करता है। जिले की कई ऐसी सीएचसी/पीएचसी हैँ जहाँ डॉक्टर/ कर्मचारी कई कई दिन नहीं जाते लेकिन साठगांठ करके वेतन लेते रहते हैँ।

कुल मिलाकर डॉक्टर शर्मा को यदि अपने महकमें इम्युनिटी स्ट्रांग करनी है तो उन्हें कुछ जटिल ऑपरेशन करने होंगे एवं कड़वी दवाई की डोज भी देनी होगी तभी उनका रुतवा कायम होगा।

जनपदवासियों को उम्मीद है कि नए सीएमओ डॉ. विकास शर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उझानी में आगजनी और मारपीट के आरोपों का मामला, कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उझानी/बदायूँ। उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव खजुरारा में आगजनी, मारपीट और सामान ले जाने के आरोपों से जुड़ा मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस स्तर पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया, जिसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव खजुरारा निवासी अंकुर पुत्र सौदान सिंह ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बदायूं की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 14 मार्च 2026 को वह दिल्ली में था। इसी दौरान उसकी पत्नी सुमन अपनी मां मायादेवी तथा भाइयों जितेंद्र और मोहन के साथ उसके घर पहुंची। सभी आरोपी गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र, जनपद लखीमपुर खीरी के निवासी बताए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने उसकी मां के साथ अभद्रता और मारपीट की। इसके बाद घर में रखे नकदी और आभूषण अपने साथ ले जाने का आरोप भी लगाया गया है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने घर में खड़ी मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकालकर घर में आग लगा दी, जिससे घरेलू सामान, मोटरसाइकिल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। आग लगने से मकान को भी भारी नुकसान पहुंचने का दावा किया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि स्थानीय स्तर पर उसकी शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री को भी प्रार्थना पत्र भेजे, लेकिन समाधान न होने पर न्यायालय की शरण ली। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुपालन में धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक दिनेश सिंह को सौंपी गई है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

टीबी मुक्त भारत का सपना या कागजी तमाशा!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत का सपना साकार करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं, वहीं जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और कथित प्रशासनिक उदासीनता ने इस महत्वाकांक्षी अभियान की जड़ों में ही मट्ठा डाल दिया है। सूत्रों के अनुसार, जिले के हजारों टीबी पीड़ित मरीजों को पिछले लगभग एक वर्ष से वित्त पोषण योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। जिस योजना का उद्देश्य मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनकी बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ाना था, वह योजना जिले में फाइलों और बैठकों तक सिमटकर रह गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मरीजों के खाते में सहायता राशि ही नहीं पहुंचेगी, तो वे पौष्टिक भोजन कहां से लाएंगे? क्या स्वास्थ्य विभाग यह मान चुका है कि टीबी मरीज केवल सरकारी दावों और प्रेस विज्ञप्तियों से स्वस्थ हो जाएंगे। जिले के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जाता है कि लाभार्थियों की लंबी सूची महीनों से भुगतान का इंतजार कर रही है, लेकिन विभागीय जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। मरीज कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं, जबकि अफसरशाही वातानुकूलित कमरों में योजनाओं की सफलता के आंकड़े गिनने में व्यस्त दिखाई दे रही है। विडंबना देखिए, एक तरफ मंचों से टीबी मुक्त भारत के नारे बुलंद किए जा रहे हैं, दूसरी तरफ जमीनी हकीकत यह है कि मरीजों को दो वक्त का पौष्टिक भोजन जुटाना तक मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर यह अभियान मरीजों के लिए चल रहा है या सिर्फ सरकारी रिपोर्टों की शोभा बढ़ाने के लिए।

यदि सूत्रों के दावे सही हैं तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि उन गरीब मरीजों के साथ अन्याय है जो बीमारी से ज्यादा व्यवस्था की बेरुखी से जूझ रहे हैं। जिन लोगों के कंधों पर योजना को धरातल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी, उनकी निष्क्रियता ने सरकार की मंशा पर भी सवालिया निशान लगा दिया है।

विकास प्राधिकरण के गठन संबंधी बैठक आयोजित, अधिकारियों से मांगे गए सुझाव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संभल (बहजोई) । आज कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में विकास प्राधिकरण के गठन संबंधी एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों द्वारा प्राधिकरण के गठन की प्रक्रिया एवं उसके उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी संबंधित अधिकारियों से सुझाव प्राप्त किए तथा विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विकास प्राधिकरण के गठन से पूर्व नगर निकायों से आवश्यक सुझाव प्राप्त किए जाएं। उन्होंने उद्योग विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि प्लेज पार्क एवं औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित ग्रामों को भी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत शामिल किए जाने की संभावनाओं पर विशेष रूप से विचार किया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने विकास प्राधिकरण की अवधारणा एवं उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नगर निकायों के आसपास विकसित होने वाली आवासीय प्लाटिंग एवं अन्य विकास कार्यों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना विकास प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के किनारे स्थित ग्रामों में होने वाली प्लाटिंग में भी सड़क, जल निकासी, विद्युत, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का समुचित प्रावधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि विकास प्राधिकरण के गठन से क्षेत्र का सुनियोजित विकास सुनिश्चित होगा तथा नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राधिकरण के गठन से पूर्व अपने सुझाव एवं आवश्यक प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, उप जिलाधिकारी संभल निधि पटेल, उप जिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष तिवारी, डिप्टी कलेक्टर रामानुज सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जारी जिला सूचना कार्यालय, संभल।

जनसुनवाई का सशक्त माध्यम बनेगी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग – एसएसपी अंकिता शर्मा

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। योगी आदित्यनाथ की स्मार्ट पुलिसिंग को स्मार्ट बनाने की पहल जिले की महिला कप्तान अंकिता शर्मा ने की है। उन्होंने बताया किप्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक की अवधि में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहेंगे। जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु यह व्यवस्था लागू की गई है, जिससे अधिकाधिक जनसमस्याओं का निस्तारण संबंधित थानों पर ही सुनिश्चित किया जा सके तथा आमजन को अपनी शिकायतों के निस्तारण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त जनशिकायतों एवं जनसमस्याओं की सुनवाई की जाएगी। साथ ही कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, विवेचनाओं की प्रगति, लंबित प्रार्थना-पत्रों, जनशिकायतों तथा अन्य पुलिस संबंधी विषयों की समीक्षा भी की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी को शिकायतों एवं समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएंगे तथा उनके अनुपालन की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।जनसामान्य से अपील एवं अनुरोध है कि निर्धारित समयावधि में अपने संबंधित थाने पर उपस्थित होकर थाना प्रभारी के माध्यम से अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को प्रस्तुत करें, ताकि उनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

संभावित बाढ़ से निपटने के लिए तीन स्थानों पर आयोजित हुई मॉक ड्रिल, राहत एवं बचाव तैयारियों का लिया गया जायजा

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास कर संबंधित विभागों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल का आयोजन कछला गंगा घाट (तहसील बदायूं), अटेना पुख्ता (तहसील दातागंज) तथा माजरा सिठौलिया खाम (तहसील सहसवान) में किया गया। अभ्यास के दौरान बाढ़ जैसी आपात स्थिति उत्पन्न होने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, राहत सामग्री उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि वे मानसून सीजन को देखते हुए सभी आवश्यक संसाधनों एवं उपकरणों को तैयार रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जनहानि एवं नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। मॉक ड्रिल के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि आपदा प्रबंधन में विभागीय समन्वय और समय पर कार्रवाई अत्यंतमहत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

समयावधि में पूर्ण की जाए अवैध कब्ज़ों को हटाने की कार्यवाही: डीएम

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारत-नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र के 0 से 15 किमी. में सरकारी भूमि एवं नो मेन्स लैन्ड पर अवैध अतिक्रमण हटाये जाने सम्बन्धी कार्यी की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूर्ण पारदर्शिता, विधिसम्मत प्रक्रिया एवं समन्वित प्रयासों के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि एवं नो-मैन्स लैंड पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार्य नहीं होगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

सीमा क्षेत्र में सरकारी भूमि एवं नो-मैन्स लैंड पर हुए अवैध अतिक्रमणों की अद्यतन स्थिति, राजस्व विभाग द्वारा चिन्हित अतिक्रमण स्थलों के सत्यापन एवं सीमांकन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीएम ने निर्देश दिया कि सीमा सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी सम्बन्धित विभाग एवं सुरक्षा एजेन्सियां बेहतर समन्वय एवं तालमेल के साथ कार्य करें। अवैध निर्माणों, अस्थायी कब्जों एवं अन्य अतिक्रमणों को हटाने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समयावधि में कार्रवाई पूर्ण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये।

डीएम ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान आवश्यक पुलिस बल एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने तथा कब्ज़ामुक्त किये गये स्थानों पर दोबारा किसी प्रकार का अवैध अतिक्रमण ने होने पाये इसके लिए भी आवश्यक प्रबन्ध किये जायें। डीएम ने सीमा क्षेत्र में सरकारी भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर भी बल दिया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे सहित राजस्व, वन, एसएसबी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आज आयोजित होगी राजनीति विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय, बदायूं में बीए छठे सेमेस्टर के राजनीति विज्ञान विषय की प्रयोगात्मक प्रैक्टिकल वायवा परीक्षा 12 जून, शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से आयोजित की जाएगी। यह जानकारी विभाग प्रभारी डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने देते हुए बताया कि बीए छठे सेमेस्टर के राजनीति विज्ञान विषय के सभी छात्र-छात्राएं अपने प्रवेश पत्र के साथ निर्धारित समय पर महाविद्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि परीक्षा में अनुपस्थित रहने की स्थिति में उसके परिणाम के लिए संबंधित विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों से समय से पहुंचकर परीक्षा में सम्मिलित होने की अपील की है।

कई घंटे चले प्रदर्शन के बाद होली चौक पर हटाया गया अतिक्रमण, प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

उसावाँ/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत उसावां के चर्चित होली चौक प्रकरण में गुरुवार को कई घंटों तक चले धरना-प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने कथित अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर निर्माण को हटवा दिया। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पूरे घटनाक्रम की व्यापक चर्चा रही।गुरुवार सुबह से ही होली चौक पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं, विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्रित होने लगी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि होली चौक क्षेत्र सार्वजनिक एवं धार्मिक महत्व का स्थान है और यहां किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शन कारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं और तत्काल कार्रवाई की मांग की।प्रदर्शन कई घंटों तक जारी रहा। बढ़ते जनदबाव के बीच प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेने के बाद बुलडोजर के माध्यम से कथित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कराई। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी व्यापक इंतजाम किए गए थे। अतिक्रमण हटाए जाने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने खुशी जताई। इसके पश्चात कुछ लोगों द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक माहौल बना रहा। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने इसे संगठन और स्थानीय लोगों की एकजुटता का परिणाम बताया। उनका कहना था कि लंबे समय से उठाई जा रही मांग पर आखिरकार प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि नगर पंचायत क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान नियमानुसार चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसे मामलों में नियमों के अनुरूप कार्रवाई जारी रहेगी। होली चौक पर हुई यह कार्रवाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

इंस्पेक्टर शाहिद अली पर मुकदमा दर्ज, तिलक लगाने पर प्रताड़ित करने का आरोप

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। दरोगा मेघश्याम गौतम की मौत के मामले में न्यायालय सुरक्षा प्रभारी शाहिद अली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दरोगा के परिजनों ने शाहिद अली पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। न्यायालय सुरक्षा में तैनात दरोगा मेघश्याम गौतम की मौत के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उनके परिजनों की शिकायत पर न्यायालय सुरक्षा प्रभारी शाहिद अली के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

साहिद पर प्रताड़ित करने का आरोप है। दरोगा मेघश्याम गौतम चार जून को बदायूं की मधुबनी कॉलोनी में किराए के कमरे में मृत पाए गए थे। उनके भाई रामेश्वर दयाल ने सिविल लाइंस पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर में बताया गया कि सुरक्षा प्रभारी साहिद अली उनके भाई को टीका लगाने और धार्मिक प्रवृत्ति के कारण प्रताड़ित करते थे। साहिद अली उन पर जज कंपाउंड में चौकीदार की मौत के मामले में झूठा फंसाने का दबाव भी बनाते थे। मेघश्याम ने परिवार को इस प्रताड़ना के बारे में लगातार बताया था। वे बदायूं से अपना तबादला कराने का प्रयास भी कर रहे थे। परिजनों ने मेघश्याम की मौत की परिस्थितियों पर भी संदेह जताया है। उनका आरोप है कि परिवार के पहुंचने से पहले ही शव को मौके से हटा दिया गया था। पुलिस ने रामेश्वर दयाल की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। अब इस पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। शिकायत में धार्मिक प्रताड़ना और झूठे फंसाने की धमकी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दरोगा के परिवार ने मौत को संदिग्ध मानते हुए गहन जांच की मांग की है।

घायलों की मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार कार ने रौंदा,दो सगे भाइयों समेत चार की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा-लखनऊ राजमार्ग पर कर्नलगंज थाना क्षेत्र के भलियान पुरवा संतोष ढाबे के पास मामूली दुर्घटना के घायलों की मदद कर रहे लोगों को एक तेज रफ्तार एसयूवी ने टक्कर मार दी इस भीषण हादसे में दो सगे भाइयों हसन मोहम्मद और इम्ति याज अली समेत कुल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है।जबकि एक बच्चे सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे ज़ब अस्पताल ले जाते रास्ते में बच्चों की मौत हो गई है।वही हादसे की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंज न और अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय सहि त प्रशासनिक अमला जिला अस्पताल पहुंचा था। पुलिस ने आरोपी एसयूवी कार के ड्राइवर को हिरा सत में लिया गया है।

दो सगे भाइयों सहित पांच की मौत

कर्नलगंज कोतवाली अंतर्गत संतोष ढाबे के पास रात करीब सवा दस बजे पहले एक मोटरसाइकि ल एक्सीडेंट हुआ था चश्मदीद अनवर हुसैन के मु ताबिक,घटनास्थल पर दस से बारह लोग घायलों को बचाने और देखने के लिए इकट्ठा हुए थे तभी पीछे से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार एस यूवी गाड़ी ने दो बाइकों और वहां खड़े मददगारों को जोरदार टक्कर मार दी, इस हादसे में गुलशन (25) संजय कुमार तिवारी और हैदर अली के दो बेटों हसन मोहम्मद (40) व इम्तियाज अली तथा लखनऊ ले जाते समय एक दस वर्ष बच्चे की दर्द नाक मौत हो गई।

चीख-पुकार के बीच अस्पताल पहुंचे घायल

हादसे के बाद हाईवे पर हाहाकार मच गया आनन-फानन में सभी घायलों को स्थानीय सीएचसी करनैलगंज लाया गया,जहां चार को मृत घोषित किया गया और मामूली रूप से जख्मी तीन लोगों का इलाज वहीं चल रहा है दो गंभीर रूप से घायल दस वर्षीय बच्चे अंशुमान की लखन ऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गईं है,और 19 वर्षीय परवेज को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए और बेहतर इलाज के लिए दोनों को लखनऊ रेफर कर दिया है।

विधायक, डीएम,और एएसपी पहुंचे अस्पताल

घटना की गंभीरता को देखते हुए बीजेपी विधायक अजय सिंह,जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और अ न्य अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना जिलाधिकारी ने बताया कि एसयू वी द्वारा सड़क पर लोगों को बचा रहे लोगो टक्कर मारने की बात सामने आई है और अग्रिम जांच जा री है,अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने बता या कि सभी मृतकों का पंचायतनामा भरकर पोस्ट मार्टम कराया जा रहा है,एसयूवी गाड़ी और उसके ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मौके पर पूरी तरह शांति व्यवस्था बनी हुई है।

एचयूआरएल एमडी से मिलकर किसानों से जुडी समस्याओं को रखा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के किसानों को डीएपी,यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सु निश्चित कराने के लिए लौव्वा टेपरा स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ कुलदीप मिश्रा ने नई दिल्ली में एचयूआरएल के प्रबंध निदेशक एचबी मोहंती से मुलाकात की। बैठक में उन्होंने गोंडा जिले में किसानों की जरूरतों के अनुरूप उर्वरकों की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित क रने और नियमित रैक भेजने की मांग उठाई।कुल दीप मिश्रा ने कहा कि बुवाई और फसल प्रबंधन के दौरान उर्वरकों की कमी से किसानों को कठि नाइयों का सामना करना पड़ता है,इसलिए पहले से पर्याप्त व्यवस्था होना जरूरी है।इस पर एचयू आरएल के एमडी ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि किसानों को डीएपी, यूरिया सहित आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसानों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।इस पहल से जिले के किसानों में राहत और भरोसे का माहौल बना है।

पुलिस महकमे में बंपर तबादले, एसपी ने कई उपनिरीक्षकों को बदला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले की पुलिसिंग व्यवस्था को नई ऊर्ज़ा और रणनीति देने के लिए पुलिस महकमे में एक बड़ा सांगठनिक फ़ेरबदल किया गया है पुलिस अधीक्षक विनीत जयसवाल ने जिले में अपराध नियंत्रण और आम जनता की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर पुलिस उपनिरीक्ष कों का तबादला आदेश जारी किया है इस कड़े प्रशासनिक कदम के बाद जिला मुख्यालय से ले कर सुदूर ग्रामीण इलाकों के थानों और पुलिस अंचलों की सूरत पूरी तरह बदल गई है।इस दौरान कई चौकी प्रभारियों का तबादला कर नई जिम्मेदा रियां सौंपी गई हैं।तबादला सूची के अनुसार पथरी बाजार चौकी प्रभारी धीतेन्द्र सिंह को थाना खोडारे मिश्रौलिया चौकी प्रभारी अंकित कुमार सिंह को थाना परसपुर,सिविल लाइन चौकी प्रभारी अजय कुमार तिवारी को कोतवाली नगर, मछली बाजार चौकी प्रभारी साहेब कुमार को थाना मनकापुर, सालपुर चौकी प्रभारी सौरभ कुमार सिंह को थाना तरबगंज तथा नियाँवा चौकी प्रभारी मनोज कुमार सिंह को पुलिस लाइन भेजा गया है।नई नियुक्तियों में सोनू कुमार को रोडवेज चौकी प्रभारी,राहुल मौ र्या को पथरी बाजार चौकी प्रभारी संदीप कुमार को सोनी गुमटी चौकी प्रभारी, योगेश यादव को मिश्रौलिया चौकी प्रभारी,नितिन उपाध्याय को सि विल लाइन चौकी प्रभारी,अविनाश कुमार सिंह को धोबहाराय चौकी प्रभारी,राम प्रकाश चंद्र को मछ ली बाजार चौकी प्रभारी, अजय कुमार यादव को जिगना चौकी प्रभारी,सावन कुमार सिंह को साल पुर चौकी प्रभारी,उपेंद्र कुमार सिंह को पसका चौ की प्रभारी,मयंक वर्मा को खोडारे चौकी प्रभारी और अरविंद कुमार को नियाँवा चौकी प्रभारी बना या गया है। इसके अलावा उपनिरीक्षक शिवनाथ को थाना धानेपुर,सुरेंद्रनाथ तिवारी को पुलिस ला इन,सौरभवर्मा को थाना कोतवाली देहात तथा श्र वण कुमार त्रिपाठी को एएचटी थाना में स्थानांतरि त किया गया है।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवा ल ने सभी स्थानांतरित उपनिरीक्षकों को तत्काल अपनी नई तैनाती स्थल पर पहुंचकर कार्यभार ग्रह ण करने और इसकी सूचना संबंधित थाना प्रभारी व कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉ लरेंस नीति के तहत सभी पुलिसकर्मी निष्पक्ष एवं ईमानदारी से कार्य करें। लापरवाही, भ्रष्टाचार या अनुशासनहीनता की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोंडा-लखनऊ हाईवे सड़क मार्ग जामकर प्रदर्शन करने पर 61 लोगों पर मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में गोंडा-लखनऊ हाईवे पर शव रखकर प्रदर्शन करना लोगों को भारी पड़ गया है।बीते मंग लवार को करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के बोटन पुर वा सकरौर ग्रामीण निवासी राहुल कश्यप की मौत के बाद ब्रह्मचारी स्थान के पास यह प्रदर्शन किया गया था। इस मामले में 11 नामजद और 50 अज्ञा त आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।हेड कांस्टेबल सर्वेश प्रसाद ने करनैलगंज कोत वाली में तहरीर दी है। इसमें रोड जाम कर विरोध प्रदर्शन करने और लोक मार्ग में बाधा डालने के आरोप में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।नामजद आरोपियों में अरविंद, शहा बुद्दीन,नानबाबू,पवन मिश्रा,मनोज मिश्रा, फूलचंद, सोनू, बरसाती, विष्णु, मुन्ना सिंह उर्फ प्रमोद सिंह और अनिल शामिल हैं।मुकदमे के अनुसार, मृतक राहुल कश्यप के परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव ले जा रहे थे। ब्रह्मचारी स्थान पर पहुंचने पर इन 11 नामजद आरोपियों ने शव को गोंडा-लख नऊ हाईवे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस से सड़क के दोनों ओर वाहनों का आवागमन ठप हो गया और कई एंबुलेंस भी जाम में फंस गईं।

करनैलगंज कोतवाली के सब इंस्पेक्टर अभिनव भारत सिंह मामले की जांच कर रहे हैं।करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि इन लोगों ने शव रखकर लोकमार्ग में बाधा डाली है।पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर पचास अज्ञात आ रोपियों की पहचान कर रही है और सभी के खिला फ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी रोड जाम करने की इजाजत न हीं है।पुलिस के अनुसार, राहुल कश्यप ने खुद ट्रेन के आगे कूदकर जान दी थी।लोको पायलट ने चे तावनी भी दी थी, लेकिन इसके बावजूद लोगों ने गलत तरीके से शव रखकर प्रदर्शन किया है,कर्नल गंज कोतवाल ने आगे कहा कि मेरे समझाने के बा द किसी तरीके से परिवार के लोग मान गए।लेकि न यह लोग फिर भी शव उठाने को तैयार नहीं थे इ न लोगों ने जानबूझकर मार्ग बाधित करने का का म किया है।

जिलाधिकारी ने बाढ़ पूर्व तैयारी के संबंध में राहत एवं बचाव कार्यों की ली जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। बृहस्पतिवार को शासन के निर्देशानुसार जनपद के तीन तहसीलों में बाढ़ पूर्व तैयारी के संबंध में मॉकड्रिल एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।जिसमें तहसील तरबगंज के अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ऐलीपरसौली के मजरा गोडि यन पुरवा में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल,एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।इस मॉकड्रिल एक्सरसाइज का उद्देश्य बाढ़ से पूर्व सं भावित आपात स्थिति में प्रशासन,आपदा प्रबंधन स्वास्थ्य,राजस्व, पुलिस,एवं अन्य विभागों की तत्प रता की जानकारी ली गई।मॉकड्रिल के दौरान जि लाधिकारी ने खुद पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने नावों,जीवन रक्षक उपकरणों,मेडिकल टीम,पशु चिकित्सा दल, एवं राशन वितरण, पशु चारा, दवा छिड़काव आदि व्यवस्थाओं की जानकारी ली।साथ ही,उन्होंने उप स्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के दौ रान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी आ वश्यक संसाधन पहले से उपलब्ध रखें और राहत शिविरों की तैयारी पूर्ण रूप से सुनिश्चित की जाए।

मॉकड्रिल,एक्सरसाइज के दौरान स्थानीय गांव का एक व्यक्ति किसी कार्य से नदी के किनारे गया था जो पानी में डूबने लगा,मौके पर उपस्थित एसडी आरएफ की टीम ने तुरंत डूब रहे व्यक्ति को बाहर निकाला और समय से उसको मेडिकल उपचार के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से हास्पिटल भेज दिया। और वहां पर सही और समय से इलाज होने के कारण व्यक्ति को बचा लिया गया।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि बाढ़ के समय लोगों को समय से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना उन्हें भो जन,चिकित्सा और आवास की सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभा वी ढंग से निपटा जा सके।इस मॉक ड्रिल में एनडी आरएफ,पुलिस,स्वास्थ्य विभाग,पशुपालन विभाग, जल विभाग एवं स्थानीय प्रशासन एवं विभाग के अधिकारी व अन्य टीमों ने हिस्सा लिया।स्थानीय ग्रामीणों को भी मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया गया कि आपदा के समय किस प्रकार सत र्कता बरतनी है और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करना है।जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिका रियों से बाढ़ की स्थिति में संभावित प्रभावित गांवों की सूची, राहत सामग्री की उपलब्धता ,नावों की स्थिति, और संपर्क मार्गों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक बाढ़ चौकी पर 24 घंटे निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की लाप रवाही कतई न होने पाये।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियों के विरोध में सपा नेताओं ने की कार्रवाई की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक पोस्टों और अभद्र टिप्पणियों को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को सपा लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष नन्देश्वर नन्द यादव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने साइबर क्राइम थाना बहराइच पहुंचकर प्रार्थना पत्र सौंपा। प्रार्थना पत्र में सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित आपत्तिजनक पोस्टों और टिप्पणियों की जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। सपा लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष नन्देश्वर नन्द यादव ने कहा कि सोशल मीडिया पर की जा रही इस प्रकार की टिप्पणियां आपत्तिजनक हैं, जिससे कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रामजी यादव, जिला महासचिव सुनील निषाद, मोबीन खान, शकील अहमद, ओम प्रकाश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अष्टभुजा दुर्गा मंदिर में आयोजित हुआ संवाद व सम्मान कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 4399 दिन के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर रुपईडीहा रोड स्थित अष्टभुजा दुर्गा मंदिर में जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने आधारभूत संरचना, डिजिटल सेवाओं, ग्रामीण विकास तथा वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। उपस्थित लोगों ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर समाजसेवी सुरेश शाह, पंडित राम उजागर मिश्रा, कृपाराम वर्मा, नवाबगंज प्रमुख जय प्रकाश सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष रेखा पांडेय, पूर्व नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता, आनंद प्रकाश श्रीवास्तव, अशोक जी, अभिलाष श्रीवास्तव, अरुणेंद्र सिंह, संदीप अग्रवाल, वसीम हसन राजा, सरफराज सिद्दीकी, संदीप अग्रवाल, प्रकाश श्रीवास्तव, विनोद द्विवेदी, संगम लाल, अनिल पाण्डेय, अमित पाण्डेय, घनश्याम सिंह तथा संतोष मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सतरूपा अष्टभुजा दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष डी.के. श्रीवास्तव, महाआचार्य राम उजागर मिश्रा, पुजारी संतोष पाण्डेय एवं रामगोपाल मिश्रा को सांसद बहराइच श्री गौड़ द्वारा अंगवस्त्र एवं पुस्तिका भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं आनंद रस्तोगी ने भी सांसद को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके बाद आयोजित वैचारिक गोष्ठी में क्षेत्र के विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई। गोष्ठी का संचालन अमित पाण्डेय ने किया। चर्चा के दौरान रेलवे स्टेशन मार्ग के विकास तथा क्षेत्र में रोडवेज बस स्टेशन की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही जानकारी दी गई कि प्रत्येक ब्लॉक में मिनी स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति मिलने से ग्रामीण अंचलों के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सहभागिता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया तथा सभी सम्मानित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुलपति ने डीएम के साथ वार्षिक पत्रिका 'स्पंदन' तथा 'अमृत उपवन' का किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । मॉ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रोफ़ेसर डॉ. रवि शंकर सिंह ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के साथ महिला महाविद्यालय, बहराइच में आयोजित एक गरिमामय समारोह में महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'स्पंदन' तथा 'अमृत उपवन' का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं प्रेरणादायी बना दिया। महाविद्यालय परिवार द्वारा कुलपति, जिलाधिकारी व अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, छात्राओं एवं अतिथियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रविशंकर सिंह ने 'स्पंदन' को छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा का सशक्त मंच बताते हुए इसके नियमित प्रकाशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी पत्रिकाएँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं साहित्यिक अभिरुचि के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही 'अमृत उपवन' जैसी पर्यावरणीय पहल को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं संरक्षण का आह्वान किया।

कुलपति श्री सिंह ने देवीपाटन मंडल के प्रथम व विशिष्ट विश्वविद्यालय की स्थापना तथा गोण्डा में पहला इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने के लिए मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार ज्ञापित करते हुए इस निर्णय से मंडल का ऐतिहासिक वैभवशाली गौरव पुनः स्थापित हो सकेगा। उन्होंने कहाकि मां पाटेश्वरी के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित कर मा. मुख्यमंत्री जी ने वैचारिक राष्ट्रवाद की अवधारणा को प्रतिस्थापित किया है। साधनविहीन विश्वविद्यालय ने अपने शैशवकाल में ही पीएचडी की परीक्षा कराकर 150 शोधार्थियों के शोध के मार्ग को प्रशस्त किया है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'स्पंदन' के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी पत्रिकाएं विद्यार्थियों की रचनात्मकता, साहित्यिक प्रतिभा तथा बौद्धिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण माध्यम होती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर लेखन, साहित्य, कला एवं सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो सके। जिलाधिकारी ने महाविद्यालय परिसर में विकसित किए गए 'अमृत उपवन' की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। वृक्षारोपण एवं हरित वातावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए इस प्रकार की पहलें समाज को सकारात्मक संदेश देती हैं। उन्होंने छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की भी जानकारी दी गई। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपने विचार एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह के अंत में प्राचार्या प्रोफ़ेसर डॉ. प्रिया मुखर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए अतिथिगण, महाविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण, छात्राओं एवं उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के निरंतर आयोजन का विश्वास व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी, छात्राएं तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पासपोर्ट मामले में हाई कोर्ट के अधिवक्ता गुलाबुल हसन की दलीलों पर हाईकोर्ट का एक महत्वपूर्ण फैसला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध अपराधी मुकदमा दर्ज मात्र से उसके पासपोर्ट के नवीनीकरण पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। न्यायालय से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पासपोर्ट आवेदन एवं पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए। ताकि नागरिकों के विदेश यात्रा के अधिकार में अनावश्यक बाधा उत्पन्न ना हो। यह आदेश रहीमुद्दीन बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में पारित किया गया याची के खिलाफ वर्ष 2016 में अपराध संख्या 181/2016 धारा 447 आईपीसी तथा प्रिविशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट 1984 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज था। मामले में मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट पीलीभीत द्वारा 10 अक्टूबर 2024 को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था।किंतु उसकी समय

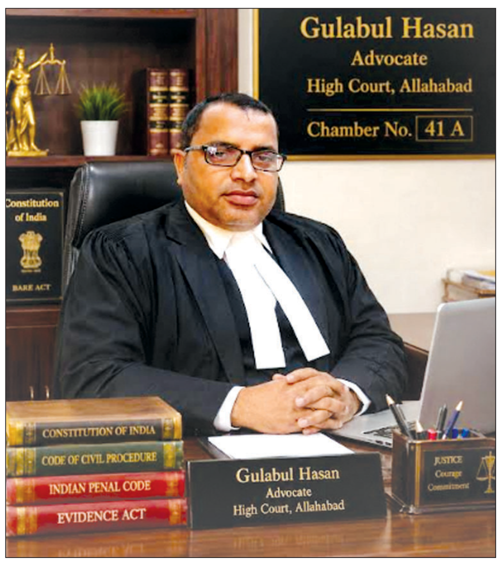

अवधि निर्धारित नहीं की गई थी। याची की ओर से उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अधिवक्ता गुलाबुल हसन ने उच्च न्यायालय के समक्ष तर्क रखा कि विदेश मंत्रालय द्वारा जारी नागरिक चार्टर जून 2025 के अनुसार पासपोर्ट जारी करने एवं नवीनीकरण करने की समय सीमा निर्धारित है तथा सक्षम न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद केवल लंबित मुकदमे के आधार पर नवीनीकरण में बाधा उत्पन्न नहीं की जानी चाहिए उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय मेनका गांधी बनाम भारत संघ का हवाला देते हुए कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन एवं व्यक्ति स्वतंत्रता के अधिकार का हिस्सा है।मामले की

आपराधिक मुकदमा लंबित होने मात्र से पासपोर्ट बनाने से नहीं रोका जा सकता : हाईकोर्ट अधिवक्ता गुलाबुल हसन

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि पुलिस सत्यापन में अनावश्यक विलंब नागरिकों के यात्रा के अधिकार के प्रयोग में बाधा उत्पन्न कर रहा है। न्यायालय ने अपेक्षा व्यक्त की कि संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पासपोर्ट आवेदनों से संबंधित सत्यापन कार्य विदेश मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिए कि इस निर्णय की प्रति उत्तर प्रदेश के सभी क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों तथा राज्य सरकार के गृह विभाग को अनुपालन हेतु भेजी जाए वर्तमान में उक्त आदेश के अनुपालन में रहीमुद्दीन ने अपनी विदेश यात्रा असम पूर्ण की है।

दसवां स्थल मार्ग का चेयरमैन आस्था अग्रवाल ने किया लोकार्पण, सड़क के दोनों ओर इंटरलॉकिंग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। नगर पालिका परिषद द्वारा ईदगाह रेलवे क्रासिंग के निकट स्थित श्रद्धा स्थल ''दसवां मढ़ी'' तक नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। राजघाट पार्क के सामने से दसवां स्थल तक निर्मित सड़क का उद्घाटन पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने मुक्तिधाम समिति के पदाधिकारियों एवं सभासदों के साथ फीता काटकर तथा शिलापट्ट का अनावरण कर किया।इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि नगर पालिका शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने सड़क के दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगवाने की घोषणा करते हुए कहा कि शीघ्र ही दसवां स्थल पर श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए आरओ वाटर कूलर भी स्थापित कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने

के लिए आवश्यकता पड़ने पर नगर पालिका द्वारा सफाई कर्मचारी उपलब्ध कराए जाएंगे।कार्यक्रम में मुक्तिधाम समिति के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सचिव दिलीप अग्रवाल 'गुड्डू', मनोज पटेल, संदीप सिंह, नवीन महारानी, नीरज रस्तोगी, अर्पित शुक्ला, सुधीर पाल सिंह, विमल सेन, चिरंजीव गौर, दीपक गोयल एवं कृष्ण अवतार कंसल सहित समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा सभासद राशिद हुसैन, वतनदीप मिश्रा, साकेत सक्सेना, चैतन्य गंगवार, शिवम श्रीवास्तव, जगन्नाथ लोधी, स्वतंत्र देवल, सुरेश लोधी, एहतिशाम वली खां, विकास बाबू तथा दीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।सड़क लोकार्पण के बाद पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल और सभासदों ने छतरी चौराहा से लेकर गैस चौराहा तक स्ट्रीट वेंडर्स को डस्टबिन वितरत करके स्वच्छता के प्रति जागरूक किया है।

गरीब बेटियों के विवाह में सहारा बना सेवार्थम फाउंडेशन

शाहपुर व अहिरौला में बढ़ाया मदद का हाथ

आर्थिक सहायता के साथ गृहस्थी का सामान देकर संस्था ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लंभुआ/सुल्तानपुर। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय सेवार्थम फाउंडेशन ने एक बार फिर मानवता और सहयोग की मिसाल पेश की है। फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में फाउंडेशन की टीम ने चांदा क्षेत्र के शाहपुर तथा लंभुआ क्षेत्र के अहिरौला गांव में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रमों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान किया। चांदा क्षेत्र के शाहपुर ग्राम सभा में स्व. चौथीराम की पुत्री डिम्पी के विवाह अवसर पर सेवार्थम फाउंडेशन की ओर से ?11 हजार की आर्थिक सहायता दी गई। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद

ग्रामीणों के सहयोग से विवाह समारोह संपन्न हुआ। संस्था ने बेटी के सुखद भविष्य की कामना करते हुए परिवार को अपना सहयोग दिया। वहीं लंभुआ क्षेत्र के अहिरौला गांव निवासी राम मिलन बौद्ध की पुत्री खुशबू के विवाह में भी फाउंडेशन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। परिवार की जरूरतों को देखते हुए पूर्व में ?11 हजार की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई थी। विवाह समारोह में संस्था की ओर से बेड, तकिया, कंबल, श्रृंगारदान, कुर्सी, टेबल, अलमारी सहित आवश्यक गृहस्थी सामग्री भेंट की गई।फाउंडेशन पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्किजरूरतमंद परिवारों के सुख-दुख में सहभागी बनकर उन्हें आत्मीय सहयोग देना है। संस्था बेटियों के विवाह, शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजहित के अन्य कार्यों में लगातार सक्रिय है। इस अवसर पर डॉ. आशीष तिवारी ने कहा कि बेटी की मुस्कान ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। जब समाज एकजुट होकर किसी बेटी का सहारा बनता है तो विवाह केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का उत्सव बन जाता है।

महाकाल आश्रम से पूज्य मौनी महाराज ने किया चक्रवर्ती दंडवत परिक्रमा का शुभारंभ

श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर किया भव्य स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। आध्यात्मिक नगरी सुल्तानपुर में भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब शिव योगी पूज्य मौनी महाराज जी ने महाकाल आश्रम, सीता कुंड धाम से चक्रवर्ती दंडवत परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए तथा पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण बना रहा। पूज्य मौनी महाराज जी दंडवत परिक्रमा करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। यात्रा महाकाल आश्रम से प्रारंभ होकर दीवानी चौराहा, डाकखाना चौराहा, शाहगंज चौराहा तथा चौक घंटाघर होते हुए रामलीला मैदान स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंची। यात्रा मार्ग के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने महाराज जी का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। रामलीला मैदान स्थित

प्राचीन शिव मंदिर पहुंचने के पश्चात पूज्य मौनी महाराज जी ने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा जनकल्याण एवं विश्व शांति की कामना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भी भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं की सेवा एवं प्रसाद वितरण के लिए भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंश द्विवेदी द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर पूज्य मौनी महाराज जी ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं, आयोजकों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि धर्म, सेवा और श्रद्धा के ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा लोगों को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रमुख राम शब्द मिश्र, नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, डॉ. डी.एस. मिश्रा, भाजपा नेता राम चन्द्र मिश्र, सुभाष चन्द्र तिवारी एडवोकेट, योगेश तिवारी, राम दयाल शुक्ला, बेनू शुक्ला, चंदन द्विवेदी, संतोष दुबे, श्रवण पाठक, कुशल जी एडवोकेट सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान शहर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा तथा श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं उल्लास देखने को मिला।

गोमती सेवा, नारी सशक्तिकरण और जनसंवाद के नाम रहा केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद का पूरनपुर दौरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का गुरुवार को पूरनपुर क्षेत्र का दौरा जनसमस्याओं के समाधान, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और प्रबुद्ध जनों से संवाद को लेकर चर्चा का विषय बना रहा बंजार घाट से शुरू हुआ कार्यक्रम देर शाम तक विभिन्न स्थलों पर आयोजित होता रहा, जिसमें विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए दौरे की शुरुआत ग्राम बंजार घाट में आयोजित चौपाल से हुई, जहां केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्रीय जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं स्थायी समाधान के निर्देश दिए इस दौरान मुख्यमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मंत्री ने वृक्षारोपण किया इसके साथ ही मां गोमती नदी के तट पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया केंद्रीय मंत्री स्वयं कुदाल और फावड़ा लेकर श्रमदान में शामिल हुए और लोगों को नदी संरक्षण तथा

विकास संवाद के बीच रेल सेवाओं का मुद्दा रहा प्रमुख संजय सक्सेना ने सौंपा पत्र

स्वच्छता का संदेश दिया कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रशासकों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया बंजार घाट कार्यक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री पूरनपुर तहसील परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित नारी शक्ति मॉडल प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन किया तहसील प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई जगह पर स्थापित यह कैंटीन महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है कैंटीन का संचालन महिला समूह द्वारा किया जाएगा, जिससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने नगर के प्रबुद्ध जनों एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं उन्होंने डॉ. दिनेश गुप्ता, समाजसेवी रवि गुप्ता, रामपाल पाण्डेय, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक बादशाह वर्मा तथा सुशील वर्मा के आवास पहुंचकर क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी ली इस दौरान सड़क और जलभराव की समस्या प्रमुख रूप से उठाई गई सती की मठिया की पैमाइश कराकर निर्माण कार्य कराने की मांग भी रखी गई वहीं लाइनपार क्षेत्र के लोगों ने शेरपुर रेलवे क्रॉसिंग पर पुल निर्माण की दिशा में हुई प्रगति के लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया दौरे के दौरान प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सक्सेना (अजीत) ने केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपकर तहसील परिसर में सांसद निधि से अधिवक्ताओं के लिए चैम्बर निर्माण कराने की मांग उठाई साथ ही बरेली-लखनऊ रेल मार्ग पर पूरनपुर और पीलीभीत होकर दिन और रात्रि में अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की आवश्यकता भी बताई गई अधिवक्ताओं का कहना था कि इससे वादकारियों, अधिवक्ताओं और आम जनता को बड़ी सुविधा मिलेगी केंद्रीय मंत्री का यह दौरा केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनसंवाद, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहा बंजार घाट पर गोमती सेवा अभियान से लेकर तहसील में महिला रोजगार को बढ़ावा देने वाली कैंटीन के उद्घाटन तथा प्रबुद्ध जनों और अधिवक्ताओं से संवाद तक, पूरे दिन विकास और जनहित के मुद्दे प्रमुखता से छाए रहे है।

अखिलेश यादव से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल, संगठन मजबूती पर जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिला। इस दौरान संगठन की गतिविधियों, भविष्य की योजनाओं और जनसंपर्क को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना इरफानुल हक कादरी के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने जिले की राजनीतिक स्थिति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया। इस दौरान अखिलेश यादव ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य,व अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष रियाज़ खांन से पीलीभीत की मौजूदा परिस्थितियों की जानकारी ली।बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाना समय की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सक्रिय होकर पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और सामाजिक समानता के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। पार्टी का उद्देश्य आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें सशक्त बनाना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि संगठन में अनुशासन और समर्पण बेहद आवश्यक है। वर्ष 2027 को ध्यान में रखते हुए पार्टी नई सोच और जनहितकारी योजनाओं के साथ आगे बढ़ रही है।

उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि 2012 में प्रदेश में बिजली उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया गया, चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए मेडिकल कॉलेज खोले गए और एमबीबीएस सीटों में इजाफा हुआ। इसके अलावा लखनऊ सहित कई शहरों में मेट्रो परियोजनाएं शुरू की गईं और आईटी सेक्टर में निवेश लाकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए गए।बैठक के अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया।

पुलिस ने पच्चीस हजार रुपये के इनामी को भेजा जेल

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना रामगंज पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित व पच्चीस हजार रुपये का इनामिया अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना रामगंज के प्रभारी निरीक्षक रामराज कुशवाहा मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर यूपी गैंगेस्टर अधिनियम थाना रामगंज जनपद अमेठी में वांछित व पच्चीस हजार रुपये का इनामिया आकाश कुमार चौधरी पुत्र पुनीत महतो निवासी घसकोड़ी थाना बरकटा जनपद हजारीबाग राज्य झारखण्ड उम्र करीब टेस वर्ष को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बंध में थाना रामगंज के प्रभारी निरीक्षक रामराज कुशवाहा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये इनामिया बदमाश को जेल भेज दिया गया है।

अमेठी में निर्माणाधीन सड़क उखाड़कर वीडियो बनाने वाले दो युवकों पर मुकदमा दर्ज

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद के शाहगढ़ हरदोइया मार्ग पर स्थित गुलाल का पुरवा से सरैंया तक बन रही सड़क में अनियमितता का आरोप लगाते हुये दो युवकों द्वारा उखाड़ने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मुंशीगंज पुलिस ने कार्यदायी संस्था की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। अभियोग दर्ज होने के बाद सियासत भी गरमा गई। बताते चलें कि शाहगढ़ हरदोईया मार्ग पर गुलाल का पुरवा से सरैया तक बन रही सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुये अंशुमान यादव और विकास साहू नामक दो युवकों ने सड़क निर्माण के दूसरे ही दिन सड़क की सतह को उखाड़कर उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप लगाते हुये वायरल कर दिया।कार्यदायी संस्था के अधिकारियों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान डामर का तापमान लगभग एक सौ चालीस डिग्री सेल्सियस रहता है और सड़क को पूरी तरह से सेट एवं मजबूत होने में करीब पांच दिनों का समय लगता है ऐसे में निर्माण कार्य पूरा होने के अगले ही दिन सड़क की परत को उखाड़कर वीडियो बनाना तकनीकी दृष्टि से गलत और भ्रामक है।संस्था का कहना है कि युवकों की इस हरकत से निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई और विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसी आधार पर संबंधित कार्यदायी संस्था ने मुंशीगंज कोतवाली में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस तहरीर के आधार पर दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है।इस घटना के बाद सड़क निर्माण कार्यों को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले वीडियो की सत्यता को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। प्रशासन और कार्यदायी संस्था का कहना है कि किसी भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से पहले तकनीकी तथ्यों की जानकारी होना आवश्यक है ताकि भ्रामक सूचनाओं के प्रसार से बचा जा सके। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि अंशुमान यादव पुत्र ओम प्रकाश निवासी सरैंया शाहगढ़ एवं विकास साहू पुत्र मेवा लाल निवासी शाहगढ़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मोहनगंज पुलिस ने आठ ट्रैक्टर ट्राली और दो जेसीबी मशीनों को किया सीज

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाते हुये ग्राम पंचायत पाकरगांव के सटवा गांव में अवैध रुप से खनन में लिप्त आठ ट्रैक्टर ट्राली एवं दो जेसीबी मशीनों को सीजकर दिया है। पुलिस की इस सख्ती से इलाके में सनसनी फैल गई है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह मय हमराह द्वारा अवैध खनन करने वाली आठ ट्रैक्टर मय ट्राली व दो जेसीबी को कब्जे में लिया गया। ट्रैक्टर चालकों से खनन अनुमति व उपरोक्त वाहन संबंधित प्रपत्र मांगने पर दिखा नही सके।थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा आठ ट्रैक्टर मय ट्राली व दो जेसीबी को कब्जे में लेकर एमवी एक्ट में सीजकर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सांसद निधि से सड़क निर्माण कराने की मांग, केंद्रीय मंत्री तक पहुंची मोहल्ले की समस्या

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के मोहल्ला कायस्थान वार्ड नंबर-1 मछली मंडी के निवासियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को ज्ञापन सौंपकर लगभग 100 फीट लंबी और 6 फीट चौड़ी जर्जर सड़क के निर्माण की मांग उठाई है स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क मुख्य मार्गों को जोड़ती है, लेकिन गहरे गड्ढों और बदहाल स्थिति के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ज्ञापन में बताया गया है कि बरसात के दिनों में सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे पानी घरों तक पहुंच जाता है उबड़-खाबड़ मार्ग के कारण बच्चे और बुजुर्ग आए दिन चोटिल हो रहे हैं क्षेत्रवासियों का कहना है कि समस्या को लेकर पूर्व में विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष से भी शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका मोहल्लेवासियों ने केंद्रीय मंत्री से सांसद निधि के माध्यम से सड़क निर्माण कराने की मांग करते हुए कहा है कि इससे वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा ज्ञापन पर राहुल शर्मा, महेश प्लंबर, सुशील प्लंबर, भगवान दास, संजीव प्लंबर, महेश चंद्र, अशोक सहित कई क्षेत्रवासियों के हस्ताक्षर हैं।

घर में रखे गहने चोरी

कुड़वार/सुल्तानपुर। बुधवार की रात घर मालिक के रामायण पाठ में शामिल होने के बाद महिलाएं छत पर सो रही थी तभी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दरवाजा खोलकर अटैची में रखा गहना लेकर फरार हो गया। रामायण पाठ से वापस लौटने पर घटना की जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव से जुड़ा है। गांव निवासी भाजपा नेता रमा कीर्तन तिवारी पुत्र जग नारायण तिवारी बुधवार को भोजन पानी के बाद गांव में हो रहे पुरखिन भवानी मंदिर पर हो रहे राम चरित मानस पाठ में शामिल होने गए थे। और घर की महिलाएं छत पर सोने चली गई। देर रात करीब 02 बजे रामायण से वापस लौटे तो देखा दरवाजा खुला था। घर में घुस कर देखे थे उनकी बेटी की अटैची गहने व नकदी समेत गायब थी। उन्होंने बताया कि अटैची में उनकी बेटी की एक झुमकी,दो अंगूठी,01 कान का टप, एक पायल, मंगलसूत्र ,बिछिया व 2000 रुपए नकद गायब थे। घटना की सूचना पीड़ित ने स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव व सीओ सिटी सौरभ सामंत ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ सिटी ने बताया कि पीड़ित से तहरीर प्राप्त

सड़क पर धान की बुवाई कर जताया विरोध, जर्जर सड़क से लोगों में आक्रोश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। अयोध्या-प्रयागराज राज्यमार्ग स्थित कटका बाजार में सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन चुके हैं। सड़क की बदहाल स्थिति से नाराज स्थानीय लोगों ने गुरुवार को सड़क पर धान की बुवाई कर विरोध प्रदर्शन किया और जिम्मेदार विभागों का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि कटका बाजार की सड़क लंबे समय से गड्ढों में तब्दील है। आए दिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस मौके पर उपस्थित अमित यादव ने बताया कि सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। व्यापारी अमित सिंह ने बताया कि खराब सड़क का असर स्थानीय व्यापार पर भी पड़ रहा है। ग्राहक बाजार आने से बचते हैं और जाम की समस्या भी बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द सड़क को गड्ढामुक्त बनाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि समस्या का समाधान न होने पर जनआंदोलन तेज किया जाएगा।

दूध विक्रेता ने लगाया लूट और मारपीट का आरोप, पुलिस से की कार्रवाई की मांग

पूरनपुर।थाना माधोटांडा क्षेत्र में एक दूध विक्रेता ने दो लोगों पर रास्ता रोककर मारपीट करने तथा नकदी और मोबाइल लूट लेने का आरोप लगाया है पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है ग्राम राजपुर निवासी सुखविंद्र सिंह उर्फ लाडी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह प्रतिदिन की तरह गुरुवार सुबह रामकोट से दूध लेकर मोटरसाइकिल से लौट रहा था आरोप है कि जंगल के पास मलकीत सिंह और बाबू सिंह पुत्रगण हरजिंदर सिंह निवासी मझारा पहले से मोटरसाइकिल लेकर खड़े थे दोनों ने उसका रास्ता रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसकी जेब में रखे 22,500 रुपये तथा आईटेल कंपनी का मोबाइल फोन लूट लिया गया घटना के दौरान आसपास के लोगों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गए पीड़ित ने थाना माधोटांडा में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है पुलिस मामले की जांच कर रही है हालांकि समाचार लिखे जाने तक आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी।

सम्पादकीय

विकास और विश्वास

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को 'अंत्योदय दृष्टि' से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने 'एक देश, एक कर' की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न 'खाऊंगा और न खाने दूंगा।' यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की। आज देश ने कच्चे तेल के खरीद के विकल्पों को विस्तार दिया है, जो संकटकाल में मददगार साबित हुए हैं। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा आदि वैकल्पिक संसाधनों के लिए जो अभियान चलाए गए, उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के दौरान देश की आर्थिकी को संबल दिया। एक समय विपक्षी नेता पेट्रोल में एथनॉल मिलाए जाने को लेकर आलोचना कर रहे थे, लेकिन यह फैसला मौजूदा ऊर्जा संकट में मददगार साबित हुआ। भारत एक विकासशील देश है, बड़ी आबादी जहां इसकी ताकत है, वहीं कमजोरी भी है। देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना जहां एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए पहल करने को भी रेखांकित करता है। हालांकि, कोरोना संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष और फिर ईरान अमेरिका-इस्राइल युद्ध के संकट से पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन राजग सरकार इन चुनौतियों का बखूबी मुकाबला करती नजर आई। इसके बावजूद मोदी सरकार की फिलहाल बेरोजगारी व महंगाई पर अंकुश लगाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

मोदी सरकार के 12 साल और डिजिटल बुनियादी ढांचे का विकास

भारत में डीपीआई पारिस्थितिकी तंत्र विश्वास, नवाचार और समावेशिता के सिद्धांतों पर संचालित होता है। भारत ने दिखाया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म जनसंख्या के आकार के हिसाब से विकास को गति दे सकते हैं और लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं, जिसके परिणाम मात्रात्मक रूप से देखे जा सकते हैं। जी20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्य समूह, आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और विकास के लिए डीपीआई पर गठित नए उच्च-स्तरीय कार्य बल और कई जी20 सहभागिता समूहों की सहायता से, भारत, 2023 में जी20 के नेता के रूप में, वैश्विक उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच डीपीआई के बारे में असाधारण स्तर की जागरूकता बढ़ाने में सक्षम रहा है। डीपीआई मॉडल को वर्तमान में विकास के विभिन्न चरणों में स्थित देशों द्वारा खोजा, अपनाया या संशोधित किया जा रहा है और यह वैश्विक स्तर पर भारत की एक प्रमुख पेशकश के रूप में उभरा है।

बिजली ग्रिड, बंदरगाह और राजमार्ग अब बुनियादी ढांचे के एकमात्र घटक नहीं रह गए हैं। यह डिजिटल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा मूलभूत डिजिटल प्रणालियों का एक संग्रह है जो समकालीन समाजों की नींव के रूप में कार्य करता है। इन प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यक्तियों, कंपनियों और सरकारों के बीच सुरक्षित और आसान संचार संभव हो जाता है। डिजिटल बुनियादी ढांचा सुरक्षित डेटा ट्रांसमिशन, शीघ्र डिजिटल भुगतान, पहचान सत्यापन और बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। समकालीन अर्थव्यवस्था में, डिजिटल बुनियादी ढांचा अब यह नियंत्रित करता है कि सेवाओं, बाजारों और अधिकारों तक किसकी पहुंच है, ठीक उसी तरह जैसे पहले रेलमार्ग क्षेत्रों को अवसरों से जोड़ते थे। भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा रातोंरात नहीं बना। मोदी प्रशासन ने प्रौद्योगिकी के प्रति मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का समर्थन करने और ''सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, वित्तीय समावेशन और प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास'' सहित संबंधित विषयों में अधिक ज्ञान साझाकरण को प्रोत्साहित करने का दावा किया। पहचान, बैंकिंग और संपर्क को जानबूझकर एक साथ लाया गया ताकि इसकी नींव रखी जा सके। इसी तालमेल के परिणामस्वरूप डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (जेएएम) का उदय हुआ। जनधन बैंक खातों, आधार नामांकन और मोबाइल फोन के व्यापक उपयोग ने भारत के डिजिटल परिवर्तन की नींव रखी। जब इन्हें एकीकृत किया गया, तो इन्होंने लोगों और राज्य के बीच सीधा और सत्यापित संबंध स्थापित किया। कल्याणकारी योजनाओं का भुगतान सीधे जेएएम के माध्यम से बैंक खातों में आने लगा। बिचौलियों की संख्या कम हो गई। देरी कम हुई। धन की बर्बादी कम हुई। इस एकीकरण के दायरे ने व्यापक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की नींव रखी। जनसंख्या-स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना क्या हासिल कर सकती है, इसका एक व्यावहारिक उदाहरण भारत के अनुभव से मिलता है। बहुत कम खर्च में, भारत ने 1.4 अरब से अधिक लोगों के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है। यह एक ऐसा नेटवर्क है जो खुला, सुलभ है और विभिन्न प्रकार के ऐप्स द्वारा समर्थित है जो अर्थव्यवस्था को अद्यतन करते हैं, शासन कार्य में बदलाव लाते हैं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हैं। भारत में डीपीआई पारिस्थितिकी तंत्र विश्वास, नवाचार और समावेशिता के सिद्धांतों पर संचालित होता है। भारत ने दिखाया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म जनसंख्या के आकार के हिसाब से विकास को गति दे सकते हैं और लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं, जिसके परिणाम मात्रात्मक रूप से देखे जा सकते हैं। जी20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्य समूह, आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और विकास के लिए डीपीआई पर गठित नए उच्च-स्तरीय कार्य बल और कई जी20 सहभागिता समूहों की सहायता से, भारत, 2023 में जी20 के नेता के रूप में, वैश्विक उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच डीपीआई के बारे में असाधारण स्तर की जागरूकता बढ़ाने में सक्षम रहा है। डीपीआई मॉडल को वर्तमान में विकास के विभिन्न चरणों में स्थित देशों द्वारा खोजा, अपनाया या संशोधित किया जा रहा है और यह वैश्विक स्तर पर भारत की एक प्रमुख पेशकश के रूप में उभरा है। भारत स्टैक की नवोन्मेषी तकनीक के बदौलत, भारत तीनों मूलभूत डीपीआई - डेटा सशक्तिकरण और संरक्षण (डीईपीए), एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) और आधार विशिष्ट पहचान - का निर्माण करने वाला पहला देश बन गया। डीपीआई रणनीति को विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समेत संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बडा समर्थन प्राप्त हुआ है।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने डीपीआई को प्रत्यक्ष लाभ स्थानान्तरण की सुविधा के लिए और कोविड -19 महामारी के दौरान भारत के गरीब परिवारों की 87% की मदद करने के लिए प्रशंसा की और भारत के डीपीआई मॉडल ने वैश्विक स्तर पर राष्ट्रों के लिए महत्वपूर्ण सबक पेश किए हैं। एक विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि डीपीआई ने पिछले छह वर्षों में 80% वित्तीय समावेशन तक पहुंचने में भारत की सहायता की है, एक उपलब्धि जो 50 साल अन्यथा ले सकती है। चूंकि सरकार ने बैंक खातों तक पहुंच का विस्तार किया, भारत की तेजी से आगे बढ़ने वाली फिनटेक कंपनियों ने डिजिटल वॉलेट और मोबाइल मनी सॉल्यूशंस को रोल करना शुरू कर दिया। इन प्रगति ने बैंक खातों के बिना व्यक्तियों के लिए भी डिजिटल मनी स्टोरेज और ट्रांसफर की लागत को सरल और कम कर दिया। जवाब में, अधिकारियों ने एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) बनाकर एक नवाचार लागू किया, जिसने बैंकों को गैर बैंक इकाइयों के साथ भुगतान निर्देशों को संवाद और संसाधित करने की अनुमति दी। यह पहल भारत स्टैक की दूसरी परत बन गई। नई प्रणाली डिजिटल वॉलेट के माध्यम से अपने सामान या सेवाओं के लिए भुगतान प्राप्त करने के लिए बैंक खातों के बिना सड़क विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को अनुमति देती है। वे जल्दी से दूसरों को पैसे भेज सकते हैं- जैसे कि दूर के गांव में एक रिश्तेदार। इसके विपरीत, कई विकासशील देशों में इसी तरह के स्थानान्तरण में दिन या सप्ताह लग सकते हैं, अक्सर दूर-दूर बैंक की यात्रा की आवश्यकता होती है और पर्याप्त स्थानांतरण शुल्क खर्च होता है। मार्च 2026 तक 1.44 अरब से अधिक आधार संख्याएं जारी की गईं, जिससे दैनिक जीवन में गहरी एकीकरण का प्रदर्शन किया गया। वित्तीय वर्ष में 2024-25 में, 27.07 अरब से अधिक प्रमाणीकरण लेनदेन थे। जनधन खातों की संख्या 2015 में 147.2 मिलियन से बढ़कर 2026 तक 577.1 मिलियन हो गई। मार्च 2015 में जमा 156.7 बिलियन से बढ़कर 20 मार्च तक 29.4 ट्रिलियन हो गया। लाभार्थियों को कुल मिला 39 9.8 मिलियन रुपे डेबिट कार्ड, वित्तीय समावेश का विस्तार। यूपीआई प्रणाली ने खुदरा भुगतान में क्रांतिकारी बदलाव किया, उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों के बीच तात्कालिक, सुरक्षित और अंतःक्रियाशील लेनदेन की सुविधा प्रदान की। जनवरी 2026 में, यूपीआई ने 21.7 अरब लेनदेन की गणना की, जो 28.33 ट्रिलियन से अधिक हो गई, जो वाणिज्य में अपनी अभिन्न भूमिका का प्रदर्शन करती थी। मंच पर सक्रिय 691 बैंकों के साथ, यूपीआई ने व्यापक संस्थागत समर्थन प्राप्त किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यूपीआई को जून 2025 की रिपोर्ट में बढ़ती डिजिटल खुदरा भुगतान पर लेनदेन की मात्रा के रूप में मान्यता दी। दिसंबर 2014 में शुरू की गई, यूपीआई को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजना के तहत भुगतान, लेखा, और रिपोर्टिंग के लिए स्थापित किया गया था, जो प्रभावी रूप से डुप्लिकेट और धोखाधड़ी लाभार्थियों को प्रभावी ढंग से समाप्त कर रहा था और रिसाव को कम कर देता था। नतीजतन, सरकार 2015 और मार्च 2024 के बीच 4.31 ट्रिलियन से अधिक बचाया गया। जनवरी 2026 तक, डीबीटी के माध्यम से कुल हस्तांतरित 49.0 9 ट्रिलियन को पार किया गया, लक्षित और उत्तरदायी कल्याण वितरण की ओर एक संक्रमण को चिह्नित किया गया। सरकारी ई-मार्केटप्लेसः नवंबर 2025 तक लगभग 3.27 करोड़ ऑर्डर प्रोसेस किए गए, जिससे कुल सकल व्यापार मूल्य 16.41 लाख करोड़ से अधिक हो गया–जिसमें सेवाओं से 7.94 लाख करोड़ और उत्पादों से 8.47 लाख करोड़ शामिल हैं। इस प्लेटफॉर्म पर 10,894 से अधिक उत्पाद श्रेणियां और 348 सेवा श्रेणियां हैं, जिनमें 1.67 लाख से अधिक खरीदार संगठन पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त, 24 लाख से अधिक विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं ने अपनी प्रोफाइल पूरी कर ली है, जिनमें 11 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यम शामिल हैं, जो कुल ऑर्डर मूल्य का 44.8 प्रतिशत यानी 7.35 लाख करोड़ से अधिक का योगदान करते हैं। ई-संजीवनीः नवंबर 2019 में लॉन्च होने के बाद से, ई-संजीवनी ने टेलीमेडिसिन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बढ़ाया है, जिससे डॉक्टरों और मरीजों के बीच दूरस्थ परामर्श की सुविधा मिली है, विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले क्षेत्रों में। यह प्लेटफॉर्म दूरस्थ समुदायों को विशेषज्ञ सलाह प्रदान करते हुए यात्रा खर्च और प्रतीक्षा समय को कम करता है। 5 मार्च 2026 तक, इसने 45.42 करोड़ रोगियों को सेवा प्रदान की है और 2.3 लाख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को अपने साथ जोड़ा है। टेलीकंसल्टेशन एक पायलट पहल से एक मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तित हो गया है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के साथ भारत का अनुभव डिजिटल युग में विकास और शासन के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है। वित्तीय समावेशन और पहचान तक पहुंच के लिए एक प्रयास के रूप में जो शुरू हुआ था, वह आर्थिक गतिविधियों, सार्वजनिक सेवा वितरण और संस्थागत विकास के लिए आवश्यक एक मजबूत, अंतर संचालनीय ढांचे में विकसित हो गया। यह मॉडल दर्शाता है कि विस्तार करने से विश्वास कम नहीं होता है और सुरक्षा और विनियमन के साथ-साथ पारदर्शिता भी बनाए रखी जा सकती है। प्रौद्योगिकी को सार्वजनिक उद्देश्यों के साथ एकीकृत करके, भारत ने प्रदर्शित किया है कि डिजिटल प्रणालियाँ लोकतंत्र को मजबूत कर सकती हैं और विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। जैसे-जैसे अन्य देश लचीले और समावेशी डिजिटल अवसंरचना स्थापित करने का लक्ष्य रखते हैं, भारत का अनुभव केवल एक केस स्टडी से कहीं अधिक है; यह सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना के भविष्य के लिए एक कसौटी का काम करता है। **– डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल**

इंडिया गठबंधन में दरारें: एकता बनाम बिखराव

पूनम आई. कौशिश

दलबदल, आहत अहंकार और टूटी वफादारी के इस दौर में, हालिया राज्य चुनावों में तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और माकपा की हार और निराशा के कारण विपक्ष के 'इंडिया' ब्लॉक में दरारें और गहरी हो गईं। कल 25 विपक्षी दलों की बैठक में अंदरूनी मतभेद और तनाव और बढ़ गए। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और आर्थिक दबाव जैसे मुद्दों पर भाजपा-विरोधी रुख बनाए रखने के बावजूद गठबंधन की एकता बहुत कमजोर स्थिति में है। यह सब राहुल गांधी के 'एकजुट रहने पर हम टिके रहेंगे, बंटने पर गिर जाएंगे' के आह्वान के बावजूद हो रहा है। निश्चित रूप से, गठबंधन में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका पर दबाव बढ़ा है और कुछ सहयोगी दल खुले तौर पर उसके रवैए पर सवाल उठा रहे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई, जब द्रमुक ने घोषणा की कि वह लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के साथ जगह सांझा करने को तैयार नहीं, जिसने द्रमुक से संबंध तोड़कर विजय की टी.वी.के. से हाथ मिलाया और तमिलनाडु में उनकी सरकार का हिस्सा बनी। आम आदमी पार्टी और विजय की टी.वी.के. भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं। जहां झामुमो झारखंड की 2 राज्यसभा सीटों में से 1 के लिए कांग्रेस द्वारा एकतरफा उम्मीदवार घोषित करने से नाराज है, वहीं माकपा ने पूर्व मुख्यमंत्री विजयन पर हमलों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। पश्चिम बंगाल में ममता की तृणमूल कांग्रेस और संसद में बागी संकट के बीच, जहां 59 विधायक और 20 सांसद अलग हो गए हैं, वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे की राह तय करने के लिए संघर्ष कर रही हैं, क्योंकि उनका राजनीतिक अस्तित्व संवैधानिक सत्ता बनाए रखने पर टिका है। कांग्रेस भी तृणमूल कांग्रेस के संकट पर नजर रखे हुए है। तृणमूल कांग्रेस का मामला उन क्षेत्रीय दलों के लिए पीढ़ीगत संकट को उजागर करता है, जिन्होंने पिछले 3 दशकों में करिश्माई नेताओं की बदौलत असाधारण सफलता हासिल की थी, लेकिन अब वे अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। राजद, बीजद, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और द्रमुक जैसी पार्टियां, जो एक मजबूत नेता के इर्द-गिर्द एकजुट होकर बची रहीं, आज उनके सामने एक कठिन विकल्प है, या तो किसी चुने हुए उत्तराधिकारी को कमान सौंपकर बगावत को न्यौता दें, या फिर अपने संस्थापक परिवारों से किनारा कर पार्टी के बिखरने का जोखिम उठाएं। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते, क्षेत्रीय पार्टियों को संसद में परिसीमन, संघवाद और केंद्र-राज्य संबंधों जैसे मुद्दों पर उसके साथ तालमेल बिठाना होगा। हालांकि, साथ ही क्षेत्रीय पार्टियां अधिक मुखर भी हो रही हैं। द्रमुक का अलग होना और माकपा की सार्वजनिक आलोचना यह दिखाती है कि सहयोगी दल अब कांग्रेस को गठबंधन के निष्ववाद नेता के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, राज्य-स्तरीय प्रतिद्वंद्विताएं भी अनसुलझी हैं। कांग्रेस केरल में माकपा और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सीधे मुकाबले में है। उत्तर प्रदेश में उसकी और समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं और अन्य जगहों पर भी सहयोगियों के साथ उसका टकराव है। इस प्रकार, ये विरोधाभास हमेशा से गठबंधन की संरचनात्मक कमजोरी रहे हैं। जहां तक पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अखिलेश की सपा या लालू की राजद की बात है, तो गठबंधन को जीवित रखने के लिए उनके पास सबसे मजबूत कारण हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में विपक्ष की एकता पर काफी हद तक निर्भर है, जहां वह कांग्रेस और ठाकरे की शिव सेना (उद्धव) के साथ मिलकर काम करती है। पवार ने ऐतिहासिक रूप से गठबंधन तोडने वाले की बजाय गठबंधन बनाने वाले की भूमिका निभाई है। सपा को कांग्रेस के साथ तालमेल से बार-बार फायदा हुआ है और वह गठबंधन की केंद्रीय हस्तियों में से एक बनी हुई है। राजद के लिए, राजग के खिलाफ कांग्रेस एक जरूरी सहयोगी है, क्योंकि अलग होने से बिहार में विपक्ष कमजोर हो जाएगा। आगे की बात करें तो 3 मुख्य संभावनाएं हैं-पुनर्गठन, न कि पूरी तरह खत्म होना-भले ही कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी हुई है, लेकिन सपा, राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, झामुमो जैसी क्षेत्रीय पार्टियां ज्यादा आजादी चाह सकती हैं। दूसरी, एक ढीला-ढाला संसदीय मोर्चा-पार्टियां संसद के अंदर तो तालमेल बनाए रखें लेकिन राज्य चुनावों में अलग-अलग लड़ें। तीसरी, क्षेत्रीय पाघ्टयां ऐसे गठबंधन ढांचे की मांग के लिए एकजुट हो सकती हैं जो कांग्रेस पर कम केंद्रित हो। मामला है, न कि 'बिखराव में एकता' वाला। क्या यह एक सार्थक राष्ट्रीय गठबंधन के तौर पर टिक पाएगा, यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कांग्रेस द्रमुक, माकपा, झामुमो, और तृणमूल कांग्रेस के साथ रिश्ते सुधार सकती है।

सेहत मंत्र

महिलाओं की सेहत के लिए संजीवनी है मखाने का सेवन, कई समस्याओं से मिलेगी निजात

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल के चलते अक्सर महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल जाती हैं। जिसके कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। बता दें कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए मखाने का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। मखाने के सेवन से महिलाओं के शरीर को कई फायदे मिलते हैं। मखाने में कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्निशियम, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, आयरन और जिंक जैसे तत्त्व मौजूद होते हैं। यह सारे पोषक शरीर के लिए फायदेमंद होते है। मखाना का सही मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर रोगों से बचाव होता है। आइए जानते हैं मखाने के सेवन से महिलाओं को किस तरह से फायदा मिलता है। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए मखाना का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। अक्सर बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं को हड्डी से जुड़ी कई समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए मखाना खाना लाभकारी होती है। मखाने में मौजूद कैल्शियम की मात्रा हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करती हैं। मखाना के सेवन से महिलाओं में कमजोरी दूर होती है। क्योंकि मखाना में आयरन, विटामिन और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। वहीं इसके सेवन से उनके शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। वहीं थकान और कमजोरी से राहत मिलती है। गर्भवती महिलाओं के लिए मखाना का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि मखाना में मौजूद सभी पोषक तत्व प्रेग्नेंट महिला के लिए बेहद जरूरी होता है। वहीं इसके सेवन से प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। बता दें कि जिन महिलाओं का वजन काफी बढ़ा होता है। उनके लिए मखाना का सेवन काफी फायदेमंद होता है। मखाना खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और भूख कम लगती है। इससे वजन कंट्रोल करने में सहायक होता है।

धर्म मंत्र

गिरिजाबांध मंदिर में नारी रूप में होती है हनुमान जी की पूजा

मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम के अनन्य और परम भक्त हनुमान जी की पूजा की जाती है। इन्हें कई नामों से जाना जाता है, जिनमें पवनपुत्र, बजरंगबली, संकट मोचन, हनुमान जी प्रमुख हैं। धार्मिक ग्रंथों में हनुमान जी को ब्रह्मचारी बताया गया है। हालांकि, देश में एक ऐसा मंदिर है, जहां हनुमान जी की पूजा नारी स्वरूप में होती है। इस मंदिर की महिमा बड़ी निराली है। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी इस स्थान के सकल समाज की नारी रूप में रक्षा करते हैं। साथ ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। हनुमान जी का यह मंदिर छत्तीसगढ़ के रतनपुर जिले के गिरिजाबंध में अवस्थित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मंदिर की स्थापना पृथ्वी देवजू ने की है, जो कि तत्कालीन राजा थे। एक बार की बात है कि राजा पृथ्वी को कुष्ठ रोग हो गया। इसके लिए उन्होंने सभी जतन किए, लेकिन उनका कुष्ठ रोग ठीक नहीं हुआ। तब उन्हें किसी ज्योतिष ने हनुमान जी की पूजा-उपासना करने की सलाह दी। राजा पृथ्वी ने हनुमान जी की कठिन भक्ति की, जिससे प्रसन्न होकर हनुमान जी एक रात स्वप्न में आकर बोले-अपने क्षेत्र में एक मंदिर बनवाओ, जिसके समीप एक सरोवर खुदवाओ। इस सरोवर में स्नान करने से तुम्हारा कुष्ठ रोग दूर हो जाएगा। राजा देवजू ने हनुमान जी के वचनों का पालन कर मंदिर बनवाया, सरोवर खुदवाया और सरोवर में स्नान भी किया। इससे राजा का कुष्ट रोग ठीक हो गया। इसके कुछ दिन बाद राजा को हनुमान जी का स्वप्न आया कि सरोवर में एक प्रतिमा अवस्थित है, उसे मंदिर में स्थापित करो। राजा के सेवकों ने सरोवर में प्रतिमा की तलाश की तो उन्हें एक हनुमान जी की नारी स्वरूप वाली प्रतिमा मिली, जिसे मंदिर में स्थापित किया गया।

पर्यटन

एलोरा गुफाओं की बात है निराली

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीई तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीई तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीई तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया। गुफा मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलास पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

भाकियू ने आठ सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा था ज्ञापन समाधान न होने पर दूसरे भी जारी रहा धरना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष सतीश चन्द्र वर्मा के नेतृत्व में किसानों एवं ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी रामसनेहीघाट को ज्ञापन करीब एक पखवाड़े पूर्व सौंपा गया था। ज्ञापन में ग्राम पंचायत हाजीपुर एवं विकास खंड बनीकोडर क्षेत्र से जुड़ी आठ प्रमुख समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई है।ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कृष्णा गैस एजेंसी, मवई (अयोध्या) द्वारा ग्राम पंचायत हाजीपुर के उपभोक्ताओं के गैस कनेक्शन बिना उनकी जानकारी एवं सहमति के लगभग 25 से 30 किलोमीटर दूर स्थित अन्य एजेंसी में स्थानांतरित कर दिए गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही एजेंसी द्वारा डिलीवरी शुल्क लेने के बावजूद घर तक गैस सिलेंडर न पहुंचाने का भी आरोप लगाया गया है। भाकियू ने ग्राम पंचायत हाजीपुर में

वर्ष 2007 में बिछाई गई जर्जर विद्युत केबल को बदलने तथा बढ़ती बिजली खपत को देखते हुए 10 केवीए ट्रांसफार्मर के स्थान पर अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में एक ट्रांसफार्मर से लगभग 36 विद्युत कनेक्शन संचालित हो रहे हैं, जिससे लो-वोल्टेज की समस्या बनी रहती है।इसके अलावा जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई गलियों एवं सड़कों का पुनर्निर्माण कराने, जलापूर्ति नेटवर्क में कई स्थानों पर टोटियां लगवाकर जल की बर्बादी रोकने तथा सभी मोहल्लों में समान रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई है।ज्ञापन में ग्राम पंचायत हाजीपुर एक गांव निवासी के घर के पास आरसीसी से बना फर्श (खरंजा) टूटकर गड्ढे में तब्दील होने का मुद्दा भी उठाया गया, जिससे ग्रामीणों के आवागमन में कठिनाई हो रही है। इसके अतिरिक्त विकास खंड बनीकोडर क्षेत्र में निराश्रित अन्ना पशुओं की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्हें पकड़कर निकटवर्ती गौशालाओं अथवा अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजने की मांग की गई थी समस्याओं का निदान न होने पर भाकियू ने बुधवार को पूर्व ज्ञापित स्थान पर धरना शुरू किया था अधिकारियों की उदासीनता के चलते समाचार लिखे जाने तक दूसरे दिन भी धरना जारी रहा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम यादव ब्लाक महामंत्री राजेश सिंह सहित दर्जनों भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

बाढ़ से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए मॉकड्रिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। संभावित बाढ़ आपदा से निपटने के लिए सनावा बाढ़ चौकी पर प्रशासन द्वारा मॉकड्रिल आयोजित की गई। उपजिलाधिकारी अनिल कुमार सरोज और तहसीलदार बालेंद्र भूषण वर्मा के नेतृत्व में हुए पूर्वाभ्यास में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। मॉकड्रिल का उद्देश्य बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का आकलन करना और ग्रामीणों को जागरूक करना था।

चकबंदी वादों में देरी पर डीएम का कड़ा रूख, लंबित मामले करे निस्तारित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जनपद में चल रहे चकबंदी कार्यों और लंबित वादों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों की नियमित सुनवाई कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभिन्न तहसीलों में संचालित चकबंदी कार्यों, न्यायालयों में लंबित वादों और ग्रामवार प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं है और पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।

उन्होंने उन गांवों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश भी दिए, जहां चकबंदी प्रक्रिया का विरोध किया जा रहा है, ताकि शासन स्तर पर आवश्यक निर्णय लेकर आगे की कार्रवाई की जा सके। डीएम ने चकबंदी विभाग के अधिकारियों को क्षेत्रीय भ्रमण बढ़ाने, ग्रामीणों से संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का समाधान कर चकबंदी कार्यों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) निरंकार सिंह, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी संजय कुमार विश्वास सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

चालक एकता दिवस पर केक काटकर किया गया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। राजकीय वाहन चालक महासंघ उत्तर प्रदेश की जनपद शाखा बाराबंकी द्वारा गुरुवार को ऑल इंडिया गवर्नमेंट ड्राइवर फ़ेडरेशन के स्थापना दिवस एवं चालक एकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महासंघ कार्यालय, चिकित्सा विभाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा ने की।

इस अवसर पर केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के चालक प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में चिकित्सा विभाग से सर्वश्री नन्दकिशोर व विनोद कुमार,

कृषि विभाग से गोकरण नाथ मिश्र एवं मो. हनीफ, राजस्व विभाग से सहदेव सोनकर, राजेश कुमार व मिश्रीलाल तथा ग्राम्य विकास विभाग से रणजीत सिंह और राम लखन सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। अंत में जिला मंत्री फूलचन्द्र सहित सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को चालक एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शोपीस बना लाखों का पंचायत भवन, महीनों से लटका ताला

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । विकासखंड बनीकोडर की ग्राम पंचायत महुलारा में लाखों रुपये की लागत से बना पंचायत भवन उपेक्षा का शिकार है। ग्रामीणों के अनुसार भवन पर महीनों से ताला लटका है और परिसर गंदगी से पटा पड़ा है। पंचायत भवन बंद रहने से ग्रामीणों को प्रमाण पत्र, पेंशन सत्यापन समेत अन्य कार्यों के लिए ब्लॉक के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से भवन को नियमित रूप से संचालित कराने और जिम्मेदार कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की है।

संजय सेतु पर फिर दौड़े वाहन, 9 करोड़ खर्च पर उठे सवाल

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । घाघरा नदी पर बने संजय सेतु पर छोटे वाहनों का आवागमन पुनः शुरू हो गया है, जबकि 15 जून से बड़े वाहनों के संचालन की तैयारी है। करीब 45 वर्ष पूर्व बने इस पुल के जॉइंट क्षतिग्रस्त होने के कारण लगभग दो माह तक यातायात बंद रहा था। इस दौरान आवागमन के लिए पीपे का वैकल्पिक पुल बनाया गया, जिस पर छोटे वाहनों का संचालन किया गया। जानकारी के अनुसार पुल की मरम्मत पर लगभग ढाई करोड़ रुपये तथा पीपा पुल निर्माण पर छह करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च हुई। इस प्रकार कुल मिलाकर करीब नौ करोड़ रुपये खर्च किए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बजाय नया पुल बनाया जा सकता था। तराई क्षेत्र के निवासियों का आरोप है कि मरम्मत कार्य में कोई बड़ा तकनीकी सुधार नहीं किया गया, बल्कि हर बार की तरह जॉइंट दुरुस्त कर उन पर डामरीकरण कर दिया गया। लोगों का मानना है कि भारी वाहनों का संचालन शुरू होने के बाद कुछ वर्षों में पुल फिर मरम्मत योग्य हो जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि अंग्रेजों के समय बना रेलवे पुल आज भी सुचारु रूप से संचालित है, जबकि संजय सेतु पर बार-बार मरम्मत की नौबत आती है। इस मार्ग से गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, नेपाल, बाराबंकी, लखनऊ, उन्नाव और कानपुर सहित कई क्षेत्रों के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। ऐसे में पुल की स्थायी व्यवस्था की मांग तेज हो गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से छोटा हाथी के उड़े परखच्चे, दो गंभीर

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । कस्बा निंदूरा में बुधवार रात एक अज्ञात वाहन ने छोटा हाथी डाला में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में चालक सहित सर्वेश पुत्र रामअवतार और आरिफ पुत्र नसीफ निवासी मोहसंड गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी घुंघटेर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

टीईटी से मुक्ति, पुरानी पेंशन, बहाली पर शिक्षक संघ का मंथन

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की राष्ट्रीय बैठक दिल्ली के जनकपुरी स्थित कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यरत शिक्षकों को ट्वक्टु की अनिवार्यता से मुक्त करने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, सेवा सुरक्षा, पदोन्नति और वेतन विसंगतियों सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा हुई। संगठन ने शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद, डीएम से की गुहार

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना क्षेत्र के ग्राम सिलौटा निवासी विष्णु कुमार शुक्ला शास्त्री ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर गांव के ही विनोद कुमार पर अभद्र व्यवहार, जातिसूचक टिप्पणी और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार विवाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फ़ेसबुक पर साझा की गई एक पोस्ट को लेकर शुरू हुआ। उनका कहना है कि मामले की शिकायत पहले स्थानीय कोतवाली में भी की गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। विष्णु कुमार शुक्ला ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर प्रार्थना पत्र मिलने के बाद मामले की जांच की प्रक्रिया शुरू किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

प्रखर बने हिन्दू युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । विकासखंड क्षेत्र के ग्राम अटहरा निवासी प्रखर वाजपेयी को अखिल भारतीय हिन्दू युवा मंच का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय महामंत्री राहुल गौतम द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में बताया गया कि यह नियुक्ति कोर कमेटी की संस्तुति एवं राष्ट्रीय प्रभारी प्रतीक शर्मा की अनुशंसा पर की गई है। उनकी नियुक्ति पर संगठन पदाधिकारियों और क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

अनार के दानों में दिखा कॉकरोच वायरल वीडियो के बाद न्यू दिल्ली जूस सेंटर पर उठे गंभीर सवाल

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । नगर के न्यू दिल्ली जूस सेंटर से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है वीडियो में जूस तैयार करने के लिए रखे गए अनार के दानों के बीच कथित रूप से एक कॉकरोच दिखाई देता नजर आ रहा है,जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी और चिंता का माहौल बन गया है वायरल वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं नागरिकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में लोग जूस का सेवन करते हैं और ऐसे में स्वच्छता संबंधी किसी भी प्रकार की लापरवाही लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है साथ ही नगर के जूस सेंटरों, होटल-ढाबों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों पर विशेष सैंपलिंग और जांच अभियान चलाकर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग उठाई है लोगों का कहना है कि यदि खाद्य पदार्थों की तैयारी और भंडारण में लापरवाही बरती जा रही है तो यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है उन्होंने प्रशासन से नियमित निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस चौकी के पास दिनदहाड़े बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । नगर के मोहल्ला साहूकारा स्थित ब्रिटिश अकादमी के बाहर से दिनदहाड़े एक छात्र की मोटरसाइकिल चोरी हो गई पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है घटना ने स्थानीय पुलिस की गश्त व्यवस्था और सुरक्षा दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं जानकारी के अनुसार बंडा निवासी छात्र करन कश्यप बुधवार को पढ़ाई के लिए ब्रिटिश अकादमी पहुंचे थे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल संस्थान के बाहर खड़ी कर दी थी इसी बीच एक शातिर चोर ने कुछ ही सेकंड में बाइक का लॉक तोड़ा और वाहन लेकर फरार हो गया सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि आरोपी युवक वारदात से पहले काफी देर तक अकादमी के आसपास घूमकर रेकी करता रहा मौका मिलते ही उसने बड़ी सफाई से बाइक का लॉक तोड़ा और देखते ही देखते मोटरसाइकिल लेकर निकल गया छात्र जब पढ़ाई पूरी कर बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी ।

जनगणना कार्य पूर्ण करने वाले प्रगणकों को मिला प्रशस्ति पत्र, सम्मानित हुई पूरी टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। नगरपालिका नवाबगंज सभागार में आयोजित कर अधिकारी के स्थानांतरण उपरांत सम्मान समारोह के दौरान जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पर्यवेक्षक वृत्त संख्या-051, पर्यवेक्षक कोड-51 के अंतर्गत एचएलबी-289 की श्रीमती उमा देवी, एचएलबी-308 के श्री मनमीत कुमार श्रीवास्तव, एचएलबी-309 की श्रीमती फ़ारिहा अमीन तथा एचएलबी-310 की श्रीमती शशी वर्मा द्वारा आवंटित कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

कार्य पूर्ण होने पर नगरपालिका नवाबगंज के अधिशासी अधिकारी एवं कर अधिकारी द्वारा आयोजित समारोह में जनगणना टीम को गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर पर्यवेक्षक वी.पी. सिंह ने पूरी जनगणना टीम के सभी प्रगणकों को

बधाई देते हुए उनके समर्पण और मेहनत के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि जनगणना देश की एक महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य सेवा है, जिसके सफल संचालन में सभी प्रगणकों का योगदान सराहनीय रहा है। सम्मान प्राप्त होने पर टीम के सदस्यों में उत्साह का माहौल रहा।

फैक्ट्री बंद कर जान दे दूंगा, कारोबारी की पीड़ा के बाद सवालों में खाद्य सुरक्षा विभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग में कथित अवैध वसूली और कर्मचारियों को संरक्षण देने के आरोपों के बीच आइसक्रीम फैक्ट्री संचालक खुदौली निवासी राजेंद्र सरोज और सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) अजीत कुमार के बीच हुई फोन वार्ता ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बातचीत के दौरान हुई बातों से प्रतीत होता है कि विभाग के भीतर लंबे समय से चल रही अनियमितताओं की जानकारी उच्च अधिकारियों को भी है, लेकिन कार्रवाई के बजाय शिकायतकर्ताओं को आश्वासन देकर मामला शांत कराने की कोशिश की जा रही है। राजेंद्र ने अधिकारी से बताया कि जांच के दौरान उनकी पत्नी से ?20 हजार की मांग की गई थी और रकम नहीं देने पर उसकी फैक्ट्री का सैंपल भर लिया गया। उसका कहना है कि पिछले वर्ष भी उसकी इकाई पर कार्रवाई की गई थी और इस बार भी उसे ही निशाना बनाया गया। लगातार कार्रवाई और दबाव के कारण उसने फैक्ट्री बंद करने और आत्महत्या तक की बात सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा से कही। कथित फोन वार्ता में सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) ने शिकायतकर्ता को कार्यालय बुलाकर पूरी बात सुनने और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। बातचीत में सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) ने यह भी कहा कि विभाग में कुछ लोग लंबे समय से गलत तरीके अपनाते आ रहे हैं। इससे यह सवाल और गहरा हो गया कि यदि विभागीय स्तर पर ऐसी गतिविधियों की जानकारी पहले से है तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ अब तक कोई कठोर कदम क्यों नहीं उठाया गया। हैरानी की बात यह रही कि शिकायतकर्ता को कथित तौर पर मीडिया से दूरी बनाए रखने और मामले को सार्वजनिक न करने की सलाह भी दी गई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि शिकायतें निराधार हैं तो उन्हें खुलकर सामने आने देने के बजाय गोपनीय रखने की जरूरत क्यों महसूस की जा रही है। जिस कर्मचारी का नाम शिकायतकर्ता ले रहा है, उसके खिलाफ पहले भी विभिन्न तहसीलों से शिकायतें रही है, लेकिन आरोपों के बावजूद वह विभागीय कार्रवाई से बचता रहा। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि विभाग में कुछ लोगों को संरक्षण प्राप्त है। बातचीत के दौरान जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा कही गई कहावत सावन के अंधे को हमेशा हरियाली ही दिखती है भी चर्चा का विषय बनी हुई है। यह टिप्पणी किसकी ओर इशारा है, शिकायतकर्ता या फिर कर्मचारियों की ओर यह स्पष्ट नहीं हो सका। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब स्वयं विभागीय स्तर पर गड़बड़ियों की जानकारी होने की बात सामने आ रही है, तो क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या फिर शिकायतकर्ता को केवल आश्वासन का लॉलीपॉप देकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

कुर्क भूमि पर कब्जे के प्रयास का आरोप, रिसीवर ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता । ग्राम खिरका स्थित न्यायालय द्वारा कुर्क की गई विवादित भूमि पर जबरन कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है न्यायालय द्वारा नियुक्त रिसीवर ममता देवी ने थाना न्यूरिया में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि कुछ लोग ट्रैक्टर लेकर कुर्क भूमि में घुस आए और खेत जोतकर कब्जा करने का प्रयास किया विरोध करने पर गाली-गलौज, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है रिसीवर का कहना है कि संबंधित भूमि पर न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश प्रभावी हैं, इसके बावजूद आदेशों की अवहेलना की गई मामले का वीडियो भी उपलब्ध होने का दावा किया गया है पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री आवास योजना में रिश्वतखोरी का आरोप, एडीओ पंचायत पर 20 हजार रुपये मांगने का गंभीर आरोप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में पात्र होने के बावजूद लाभ से वंचित किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्राम पिपरा मुजप्ता निवासी महिला ने एडीओ पंचायत पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया है महिला ने खंड विकास अधिकारी पूरनपुर को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है ग्राम पिपरा मुजप्ता निवासी संगीता देवी पत्नी विनित कुमार ने अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि वह अपने परिवार के साथ अत्यंत जर्जर कच्चे खपरैल के मकान में निवास करती हैं और उनके नाम कोई पक्का मकान नहीं है मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए हुई जांच में संबंधित जांच अधिकारी एवं लेखपाल द्वारा उन्हें पात्र घोषित किया गया था, लेकिन अंतिम स्तर पर एडीओ पंचायत आईएसबी राजेश कुमार ने उनसे आवास स्वीकृत कराने के नाम पर 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग की महिला का आरोप है कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वह पूरी रकम की व्यवस्था नहीं कर सकीं काफी प्रयास के बाद उन्होंने 10 हजार रुपये जुटाकर एडीओ पंचायत को दे दिए, लेकिन शेष 10 हजार रुपये नहीं दे पाने पर उन्हें योजना में अपात्र घोषित कर दिया गया महिला का कहना है कि यदि वह वास्तव में अपात्र थीं तो जांच अधिकारी और लेखपाल ने उन्हें पात्र क्यों घोषित किया था और यदि पात्र थीं तो फिर अचानक अपात्र किए जाने का आधार क्या था संगीता देवी ने आरोप लगाया कि रिश्वत की पूरी रकम न मिलने के कारण ही उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित किया गया ।

साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रमुख आवश्यकता : प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल

एजेंसी

कानपुर । साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगातार अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है और भविष्य में साइबर स्पेस भी संघर्ष का प्रमुख क्षेत्र होगा। देश की महत्वपूर्ण संरचनाओं को साइबर हमलों से सुरक्षित रखने के लिए विशेषज्ञ मानव संसाधन तैयार करना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से आईआईटी कानपुर जुलाई 2026 से बैचलर ऑफ साइबर सिक्योरिटी (बी.साइबर) नामक नया स्नातक कार्यक्रम शुरू कर रहा है। यह बातें गुरुवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने कही। आईआईटी कानपुर ने साइबर सुरक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञ तैयार करने के लिए नया स्नातक कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। जुलाई से शुरू होने वाले बैचलर ऑफ साइबर सिक्योरिटी (बीसाइबर) कार्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया पारम्परिक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों से अलग होगी। संस्थान के अनुसार इस कार्यक्रम में प्रवेश जेईई एडवांस के माध्यम से नहीं होगा। अभ्यर्थियों की प्रारम्भिक छंटनी जेईई मेन के अंकों और साइबर सुरक्षा क्षेत्र में उनके पूर्व कार्यों के आधार पर की जाएगी। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को संस्थान परिसर में आयोजित विशेष परीक्षा और हैकाथॉन में भाग लेना होगा। प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने कहा कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी आवश्यकता को देखते हुए ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, जो छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम के तहत छात्र पहले दो वर्षों तक संस्थान में रहकर साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन करेंगे। इसके साथ उन्हें प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके बाद दो वर्ष की इंटर्नशिप विभिन्न सरकारी सुरक्षा संगठनों में कराई जाएगी, जहां छात्र वास्तविक साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर कार्य करेंगे। यह कार्यक्रम आईआईटी कानपुर के वाधवानी स्कूल ऑफ एआई एंड इंटेलिजेंट सिस्टम्स द्वारा संचालित किया जाएगा। स्कूल के डीन प्रो. नितिन सक्सेना ने कहा कि साइबर सुरक्षा दुनिया भर में तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है और यह कार्यक्रम मजबूत शैक्षणिक आधार तथा वास्तविक अनुभव के अनूठे संयोजन के माध्यम से अत्यधिक कुशल पेशेवर तैयार करेगा।

महिला टी20 विश्व कप 2026: पहले से बड़ा, अधिक प्रतिस्पर्धी और खेल के बदलाव का आईना

एजेंसी

बर्मिंघम। भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे आईसीसी टी20 महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक दबदबे को चुनौती दे सकती हैं जबकि यह टूर्नामेंट पहले से कहीं अधिक बड़ा और रोमांचक होगा। पिछले नौ में से छह टूर्नामेंट जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम सातवां खिताब जीतने को बेताब होगी लेकिन अब यह काम आसान नहीं रह गया है। गत चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम भी काफी मजबूत है और फिर भारत भी है जिसने पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप के रूप में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। घरेलू परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड और पिछली तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इस लिहाज से इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से शुरू हो रहा विश्व कप

अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा। यह 2009 में हुए पहले सत्र के बाद से ब्रिटेन में होने वाला पहला विश्व कप भी है। यह भाग लेने वाली टीम की संख्या (12) के हिसाब से भी सबसे बड़ा है जिसमें 2024 की तुलना में आयरलैंड और नीदरलैंड भी शामिल हो गए हैं। यह विस्तार इस बात का संकेत है कि महिला क्रिकेट दुनिया भर में मजबूत हो रहा है लेकिन इससे भी अधिक खुशी की बात है कि सभी टीम को बराबरी का मौका मिल रहा है और नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। इंग्लैंड के पास ऐलिस कैप्सी, टिली कोर्टीन-कोलमैन और फ्रेया कैम्प जैसी युवा खिलाड़ी हैं जबकि श्रीलंका की टीम में विश्मी गुणरत्ने, इमेशा दुलानी, कविशा दिलहारी और काव्या काविंदी जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर 25 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय सर्किट की सबसे युवा कप्तानों में से एक हैं। उनकी 2020-21 सत्र के दौरान अवसास और आत्महत्या के विचारों से उबरने की उनकी कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है। मजबूत दावेदार भारत की टीम में एन श्री चरणी, यस्तिका भाटिया और नंदनी शर्मा जैसी युवा खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी खिताब जीतने के लिए अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है लेकिन उनकी टीम में बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी लूसी हैमिल्टन के रूप में दो बेहतरीन युवा स्टार भी हैं। लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन जैसे नए खिलाड़ियों की पीढ़ी आगे बढ़ रही है जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल और डैन वैन नीकर्क को संन्यास से वापस बुलाया गया है। इन नई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेगी क्योंकि उन पर उन शानदार खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है जो अपने शानदार करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं।

श्रीलंका अंडर–19 के खिलाफ भारतीय टीम की अगुआई करेंगी भाविका

एजेंसी

नयी दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज भाविका अहीर घरेलू मैदान पर सीमित ओवरों की आगामी अंडर-19 श्रृंखला में श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मुकाबलों की श्रृंखला के लिए बृहस्पतिवार को टीम का चयन किया।

तीन टी20 मैच 22 जून से चेन्नई में खेले जाएंगे जबकि पुडुचेरी 30 जून से एकदिवसीय मुकाबलों की मेजबानी करेगा। श्रृंखला छह जुलाई को समाप्त होगी। मुंबई की सलामी बल्लेबाज ईरा जाधव भी दोनों टीम का हिस्सा हैं। वह पिछले साल सुर्खियों में आईं थीं जब अंडर-19 क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय बनीं थीं।

भारत महिला अंडर-19 टी20 टीमः भाविका अहीर(कप्तान), ईरा जाधव, तनिष्का शर्मा, ईश्वरी अवसरे, अवनि चावड़ा, महतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवासे, काशवी कंदिकुप्पा, मनियार मैत्री, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादि तागड़े, के दीक्षा।

भारत महिला अंडर-19 एकदिवसीय टीमः भाविका अहीर (कप्तान), ईरा जाधव, दीया यादव, ईश्वरी अवसरे, वी प्रतीक्षा, महतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवासे, काशवी कंदिकुप्पा, विधि परमार, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादि तागड़े, के दीक्षा।

हार्दिक के विकल्प को निखारना होगा, गिल के लिए महत्वपूर्ण होगा रोहित–कोहली का अनुभवः रैना

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि चोटों से परेशान रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का भरोसेमंद विकल्प ढूंढना 2027 एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। रैना ने कहा कि अगले विश्व कप की भारत की तैयारी में पंड्या का विकल्प भी शामिल होना चाहिए क्योंकि उनकी फिटनेस समस्या चिंता का कारण है। रैना ने 'जियोस्टार' से कहा, ''हार्दिक पंड्या को कई बार चोटों का सामना करना पड़ा है जो चिंता की बात है। अगले एकदिवसीय विश्व कप तक भारत के पास उनका भरोसेमंद विकल्प होना चाहिए। रैना ने नितीश कुमार रेड्डी को एक अच्छा विकल्प बताया और कहा कि इस युवा ऑलराउंडर ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, ''उनकी बल्लेबाजी और मजूबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना होगा और उन्हें लगातार मौके देने होंगे। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भारत के विश्व कप अभियान में रोहित और कोहली की अहम भूमिका का समर्थन करते हुए कहा कि आईसीसी की बेहद दबाव वाली प्रतियोगिता में उनका अनुभव गिल के लिए बहुत कीमती साबित होगा। रैना ने कहा, ''दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन गिल के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा।

भारतीय टीम में वापसी के लिए पूजा की नजरें पूर्ण फिटनेस हासिल करने पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। टी20 महिला विश्व कप टीम में जगह नहीं मिलने के बाद भारत की ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर अब पूरी तरह फिट होने और अपने खेल को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही हैं जिससे कि वह राष्ट्रीय टीम में मजबूती से वापसी कर सकें। पिछले दो वर्ष से कई चोटों से जूझ रहीं पूजा के दाहिने कंधे की हाल ही में सर्जरी हुई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप में नहीं चुना जाना उनके लिए कोई झटका नहीं है क्योंकि वह अब भी अपने रिहैबिलिटेशन पर काम कर रही हैं। पूजा ने मध्य प्रदेश लीग के दौरान पीटीआई वीडियो से कहा, ''मुझे बुरा नहीं लगा। टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। मैंने अपनी भावनाओं को उस हद तक नहीं जाने दिया। मैं बस अपनी चोटों से उबरना

चाहती हूं। उन्होंने कहा, ''मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना चाहती हूं और अपने कौशल को उस स्तर तक ले जाना चाहती हूं। मैं इस पर काम कर रही हूं और जब सब कुछ ठीक हो जाएगा तो मुझे लगता है कि चयनकर्ता निश्चित रूप से मुझे चुनेंगे। इस 26 वर्षीय दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सर्जरी से उबरने के बाद घरेलू एकदिवसीय मुकाबलों में और अंतरक्षेत्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर ली है। उन्होंने कहा, ''मेरे दाहिने कंधे की सर्जरी हुई थी। उसके बाद मैंने सीनियर एकदिवसीय घरेलू टूर्नामेंट खेला और अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट में अपने पूरे कोटे के ओवर भी फेंके। अब मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। पूजा ने कहा कि वह और उनका सहयोगी स्टाफ राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए कोई समय-सीमा तय करने के बजाय धीरे-धीरे फिटनेस लक्ष्य हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पूजा ने मध्य प्रदेश लीग के दौरान बहुत कम गेंदबाजी लेकिन उन्होंने कहा कि यह फैसला फिटनेस से जुड़ा नहीं बल्कि रणनीतिक था। लीग में बल्लेबाजी क्रम में ऊपर खेलने के बावजूद पूजा का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह खुद को मुख्य रूप से गेंदबाजी ऑलराउंडर मानती हैं। पूजा ने कहा कि इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के दौरान उम्मीदों का बोझ उठाने के लिए भारतीय टीम काफी अनुभवी है, विशेषकर पिछले साल घरेलू मैदान पर एकदिवसीय विश्व चैंपियन बनने के बाद। उन्होंने कहा, ''दबाव होगा लेकिन खिलाड़ी बहुत अनुभवी हैं। उन्होंने दबाव वाली स्थितियों में खेला है और पहले भी इंग्लैंड में खेल चुकी हैं। मुझे यकीन है कि वे परिस्थितियों को बहुत अच्छे से संभाल लेंगी। भारतीय टीम में मैच जिताने वाली संभावित खिलाड़ियों के बारे में पूछे जाने पर पूजा ने कहा, ''टी20 क्रिकेट में निचला मध्य क्रम बहुत अहम भूमिका निभाता है। भारती फुलमाली ने अच्छा प्रदर्शन किया है और ऋचा घोष एक पावर हिटर के तौर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। वे विश्व कप में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

भारत वार्षिक अपडेट के बाद पुरुष एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुषों की एकदिवसीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त आठ अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढ़कर 10 अंक का हो गया है। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोड़कर 11वां स्थान हासिल किया है जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है।

बेहतर स्पिन आक्रमण के कारण भारत टी20 विश्व कप का प्रबल दावेदारः रीमा मल्होत्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा का मानना है कि शानदार स्पिन गेंदबाजों की मौजूदगी के कारण भारतीय महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है। उन्होंने कहा टीम एकदिवसीय विश्व कप जीतने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज होने के साथ किसी एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। विश्व कप का आयोजन 12 जून से इंग्लैंड में होगा। इसका फाइनल पांच जुलाई को खेला जायेगा रीमा ने रायपुर से फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''एकदिवसीय विश्व कप जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। पहले टीम को यह साबित करना था कि वह बड़े मंच पर जीत सकती है, लेकिन अब खिलाड़ियों को भरोसा है कि वे किसी भी परिस्थिति और किसी भी प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। देश के लिए 41 वनडे और 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय

मैच खेल चुकी इस पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा कि इंग्लैंड की मौजूदा परिस्थितियों में स्पिनरों की भूमिका काफी अहम होगी और भारतीय टीम के पास इस विभाग में कई विकल्प मौजूद हैं। रीमा ने कहा, ''दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, श्री चरणी जैसी स्पिनरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। शेफाली वर्मा के पास भी विकेट चटकाने की क्षमता है। गर्मी के कारण परिस्थितियां स्पिनरों के अनुकूल होंगी और अगर भारतीय स्पिन आक्रमण प्रभावी रहा तो टीम ट्रॉफी जीतने की क्षमता रखती है। उन्होंने तेज गेंदबाजी में अनुभव की कमी को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। रेणुका सिंह ठाकुर (63 टी20 अंतरराष्ट्रीय) अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, लेकिन क्रांति गौड़ को 11 और नंदिनी शर्मा को सिर्फ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है। टीम के तेज गेंदबाजी विभाग को लेकर उठ रहे सवालों पर रीमा ने कहा, ''रेणुका के पास अनुभव है और क्रांति गौड़ लगातार शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेल रही हैं। अनुभव खेलने से ही आता है। अनुभवी खिलाड़ी युवा गेंदबाजों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। एकदिवसीय विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने में सफल रही थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका में पांच मैचों की श्रृंखला में उसे 1-4 से और इंग्लैंड में तीन मैचों की श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टीम इसके बाद अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को हराने में सफल रही लेकिन इंग्लैंड से बुधवार को उसे शिकस्त मिली। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी देखने को मिली थी। रीमा ने कहा कि बड़े टूर्नामेंट से पहले टीम संयोजन पर काम करना अधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, ''विश्व कप से पहले की श्रृंखलाओं में जीत से ज्यादा अहम सही संयोजन तलाशना होता है। इन दोनों दौरों पर हमने कई खिलाड़ियों को आजमाया। इसका मकसद विश्व कप से पहले खिलाड़ियों को मैच अभ्यास और आत्मविश्वास देना था। उन्होंने कहा, ''टीम की बल्लेबाजी में विकल्पों की कोई कमी नहीं है। अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने के लिए टीम के पास रिचा घोष के साथ भारती फुलमाली का भी विकल्प है। यास्तिका भाटिया के रूप में अतिरिक्त विकेटकीपर मौजूद हैं, जबकि स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, कप्तान हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा के पास बल्लेबाजी का अपार अनुभव है।

विश्व कप के पहले दिन की अपनी खराब किस्मत को बदलना चाहता है मैक्सिको

मैक्सिको सिटी। सहमेजबान मैक्सिको का फुटबॉल विश्व कप के पहले दिन खेलते हुए रिकॉर्ड काफी खराब है और टीम आमतौर पर विश्व कप के पहले दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती। पिछले सात प्रयास में मैक्सिको की टीम को पांच बार हार का सामना करना पड़ा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। बृहस्पतिवार को मैक्सिको को एक और मौका मिलेगा जब वह 48 टीम वाले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। कोच जेवियर एग्वायरे ने बुधवार को एज्टेका स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हमें इस सिलसिले को तोड़ना होगा। बिना जीत वाले इस सिलसिले के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन मैं खिलाड़ियों को इसके बारे में बताऊंगा। यह उन्हें यह बताने का एक अच्छा कारण है कि हमें मैदान पर उतरकर मैच जीतना है। उम्मीद है कि हम कल इस सिलसिले को तोड़ देंगे। बृहस्पतिवार का मैच दक्षिण अफ्रीका में 2010 विश्व कप के उद्घाटन मैच जैसा ही है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/सेतु कर्मशाला, उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्य का नाम
1.	01/डब्ल्यू./बीडब्ल्यूएस/सीबी/एल.के.ओ/2026–27	लखनऊ मंडल में 25 गर्डर पुलों पर साइड पाथवे ट्रॉली रिफ्यूजी का प्रावधान जिसमें Br. 15 उत्तर, 803 UP, 27A DN, 27A यार्ड लाइन, 38DN, 39DN, 45DN, 59DN in UTR-AMG बाईपास में, Br.545A DN, 615 UP CIL-RBL-UTR में, Br. 26 ABP-TD में, 206 UP ZBD-ABP, Br. 24 UP & DN, 179UP & 179DN DDU-BSB में, Br. 576A UP (SLN-UTR), Br. 544 DN ZBD-SLN, Br.382,382 A UP, 382B UP, 383 & 383UP ABP-DYD में, Br. 433A UP और 440 D में DYD-LKO का कार्य।
2.	**अनुमानित लागत**	रु. 4,92,02,811.59
3.	**बोली सुरक्षा राशि**	रु. 9,84,100.00
4.	**कार्य की समापन अवधि**	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह
5.	**निविदा डालने की प्रारम्भिक तिथि**	24.06.2026
6.	**निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि तथा समय**	निविदा 08.07.2026 को 15:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे एंव निविदा उसी दिन खोली जायेगी।
7.	**न्यूनतम पात्रता की शर्तें**	
अ	**तकनीकी**	(ए) निविदा कार ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से पूरा किया हो, जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गयी थी, उससे पहले के महीने के अन्तिम दिन को समाप्त करना होगा। तीन समान कार्य जिनकी लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 30 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। **या** दो समान कार्य जिनका लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। **या** एक समान कार्य की लागत, निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60 प्रतिशत के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए।
ब	**वित्तीय**	निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार **V/N (वी/एन)** या **'V' (वी)** जो भी कम हो जहाँ **V (वी)** = निविदा की विज्ञापित मूल्य करोड रूपये में। **N (एन)** = कार्य पूरा करने की लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गयी है। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल संविदात्मक भुगतान के औसत के रूप में की जायेगी, लेखा परीक्षित बैलेन्स शीट के अनुसार। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन–पत्र अभी तक तैयार/लेखापरीक्षित नहीं हैं, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की लेखा परीक्षित तुलन–पत्र पर विचार किया जाएगा।
8.	**एक समान कार्य**	मौजूदा स्टील गर्डर पुलों पर साइड पाथवे & ट्राली रिफ्यूजस का फेब्रीकेशन एवं इरेक्शन **या** रेलवे स्टील गर्डर पुल का फेब्रीकेशन/रिपेयर।
9.	**वेबसाइट का विवरण एवं कार्यालय का नाम जहाँ निविदा का विवरण देखा जा सकता है**	www.ireps.gov.in, कार्यालय उप मुख्य अभियन्ता/से. कर्म., उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ।

नोटः— **1.** ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अर्न्तगत पंजीकृत होना अनिवार्य है। **2.** समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। **3.** मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। **4.** निविदा प्रपत्र की लागत जो निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है। **5.** बोली सुरक्षा राशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग, पेमेंट गेटवे या बैंक गारंटी जैसा कि निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है, द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू.सं.– 01/डब्ल्यू./बीडब्ल्यूएस/सीबी/एल.के.ओ/2026–27

दिनांक 10.06.2026 **1990/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने एमसीएलआर दरें बढ़ाई, नई दरें 12 जून से प्रभावी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के दो प्रमुख बैंकों केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी की है। दोनों की नई एमसीएलआर दरें 12 जून से प्रभावी होंगी। केनरा बैंक ने गुरुवार को जानकारी दी कि 24 घंटे के लिए एमसीएलआर बढ़कर अब 7.95 फीसदी, 1 महीना के लिए 8 फीसदी, 3 महीने के लिए 8.25 फीसदी, 6 महीने के लिए 8.60 फीसदी, 1 साल के लिए 8.75 फीसदी (कोई बदलाव नहीं), 2 साल के लिए 9.00 फीसदी और 3 साल के लिए 9.05 फीसदी हो जाएगा। एमसीएलआर की दरों में बढ़ोतरी के बाद ग्राहकों के लिए कर्ज लेना और महंगा हो जाएगा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी कुछ अवधि की एमसीएलआर की दरों में 0.05 फीसदी बढ़ोतरी की है। बैंक के अनुसार एमसीएलआर की दर 7.80 फीसदी से बढ़कर अब 7.85 फीसदी हो जाएगी। 24 घंटे के लिए एमसीएलआर अब 7.85 फीसदी, एक महीना के लिए 7.95 फीसदी, 3 महीने के लिए 8.20 फीसदी, 6 महीने के लिए 8.50 फीसदी और 1 साल के लिए 8.75 फीसदी हो जाएगा। बैंक ऑफ बड़ौदा के एमसीएलआर दर में वृद्धि से होम लोन, ऑटो लोन और अन्य फ्लोटिंग रेट वाले लोन की ब्याज दरों पर असर पड़ सकता है। एमसीएलआर वह आधार दर होती है, जिस पर बैंक अपने अधिकांश लोन की ब्याज दर तय करते हैं। इन बैंकों के फैसले का असर ग्राहकों के आवासीय ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋण की मासिक किस्तों पर पड़ सकता है। केनरा और बैंक ऑफ बड़ौदा ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है, जब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में लगातार दूसरी बार कोई बदलाव नहीं किया। फिलहाल रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर बनी हुई है।

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना आज 3,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 4,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना

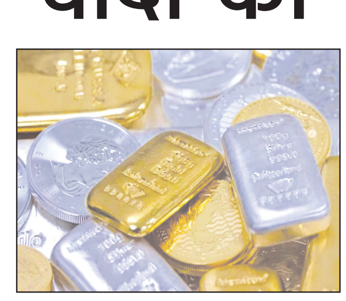

आज 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वोट चोरी के बाद अब 'सीट चोरी' पर उतरी भाजपा : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर ''वोट चोरी'' के बाद अब ''सीट चोरी'' करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके शासन में महंगाई, बेरोजगारी, संस्थाओं पर हमले और पेपरलीक जैसी अनियमितताएं चल रही हैं जिनके खिलाफ पार्टी जनता के बीच जाकर राष्ट्रीय स्तर पर अभियान शुरू करेगी।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में हुई पार्टी महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों, प्रभारियों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि करीब तीन घंटे चली बैठक में विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि सरकार की नीतियों के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर जल्द ही अभियान शुरु किया जाएगा। अभियान की रूपरेखा पर चार, पांच दिन में विचार विमर्श के बाद निर्णय लेकर इसका खुलासा कर दिया जाएगा। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और भाजपा सरकार की इन कोशिशों के खिलाफ खड़ा होना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि एक ही चुनाव आयोग सही नामांकन को खारिज करता है और गलत नामांकन पर नरम रुख अपनाकर उसके नामांकन को स्वीकार कर लेता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया और कहा कि जब इस मामले को लेकर कांग्रेस चुनाव आयोग पहुंची तो उन्हें मिलने का समय तक नहीं दिया गया। श्री वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। वोट चोरी के बाद अब उसने सीट चोरी भी शुरु कर दी है। मध्य प्रदेश में जिस तरह से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को खारिज किया गया है वह अत्यंत चिंताजनक है और कांग्रेस इस मामले में राजनीतिक और कानूनी दोनों तरह की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन खारिज होने पर गहरी चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र पर गंभीर हमला है। उनका कहना था कि उम्मीदवार के खिलाफ न कोई आपराधिक मामला था, न प्राथमिकी और न ही आरोपपत्र, इसके बावजूद उनका नामांकन खारिज किया गया। दूसरी ओर, झारखंड में भाजपा समर्थित उम्मीदवार के नामांकन पत्र में कई त्रुटियां होने के बावजूद उसे स्वीकार कर लिया गया। उनका आरोप था कि एक तरफ कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द किया जाता है और दूसरी तरफ झारखंड में कई खामियों वाले भाजपा समर्थित उम्मीदवार के नामांकन को मंजूरी दी जाती है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए चिंताजनक स्थिति बताया और कहा कि यह सीट कांग्रेस की थी लेकिन उम्मीदवार का नामांकन रद्द करवा दिया गया। इस तरह भाजपा सरकार ने ''वोट चोरी'' के बाद अब ''सीट चोरी'' का दौर शुरू कर दिया है।

श्री वेणुगोपाल ने कहा कि बैठक में देश के मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से आम जनता परेशान है, बेरोजगारी चरम पर है, एमएसएमई क्षेत्र गंभीर संकट से गुजर रहा है और युवाओं के सामने रोजगार का अभूतपूर्व संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि नीट और सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़े विवादों तथा लगातार हो रहे पेपर लीक से छात्रों और उनके परिवारों में भारी निराशा है, लेकिन सरकार किसी प्रकार की नैतिक जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन सभी मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय, राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर तक व्यापक अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनेंगे, उनके संघर्ष में भागीदार बनेंगे और उनकी आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाएंगे। अभियान की विस्तृत रूपरेखा अगले कुछ दिनों में घोषित की जाएगी।

इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि ''वोट चोरी'' और ''सरकार चोरी'' के बाद अब भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से ''सीट चोरी'' भी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए थे और उनके खिलाफ कोई मामला लंबित नहीं था, फिर भी उनका नामांकन खारिज कर दिया गया, जबकि भाजपा समर्थित उम्मीदवार को कथित खामियों के बावजूद सुधार का अवसर दिया गया।

श्री गांधी ने कहा ''एक ही निर्वाचन आयोग ने दो उम्मीदवारों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया। एक उम्मीदवार को सुनवाई का अवसर दिए बिना अयोग्य ठहरा दिया गया, जबकि दूसरे को नियमों में छूट दी गई। भाजपा के लिए चुनाव जीतने से आसान चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना हो गया है। एक ही चुनाव आयोग ने दो उम्मीदवारों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया। कांग्रेस उम्मीदवार को बिना सुनवाई का अवसर दिए अयोग्य घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे उम्मीदवार को नियमों का पालन न करने के बावजूद राहत दी गई।

दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत में तेज बारिश के अनुमान: मौसम विभाग

एजेंसी

नयी दिल्ली। मौसम विभाग ने गुरुवार को उत्तर-पश्चिम भारत के लिए नया अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और हरियाणा के पास बने चक्रवाती दबाव के कारण 13 जून तक इस क्षेत्र में तेज बारिश हो सकती है।

11 और 12 जून को पंजाब, हरियाणा,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 50S60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, आंधी-तूफान और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि के अनुमान हैं। विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून आज मानसून कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ और इलाकों सहित तमिलनाडु और पुडुचेरी के बचे हुए हिस्सों में पूरी तरह दाखिल हो चुका है। इसके साथ ही मानसून ने पश्चिम बंगाल के कुछ और हिस्सों तथा बिहार के कुछ इलाकों में भी अपनी दस्तक दे दी है।

मौसम विभाग ने मानसून की उत्तरी सीमा की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि यह रेखा वर्तमान में चेन्नई, सोलापुर (महाराष्ट्र), हैदराबाद, भद्राद्री कोठागुडेम (तेलंगाना) और कलिंगपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से होते हुए रायगंज (पश्चिम बंगाल) और मधुबनी (बिहार) तक पहुंच चुकी है। आगामी दो-से-तीन दिनों के भीतर मौसम की परिस्थितियां अनुकूल रहने की उम्मीद है जिससे मानसून के मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र और कर्नाटक के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी जल्द ही मानसून के कदम आगे बढ़ाने के लिए स्थितियां पूरी तरह अनुकूल बनी हुई हैं।

पिछले 24 घंटों में देश के कई हिस्सों में मौसम के दो अलग-अलग रूप देखने को मिले हैं। एक तरफ जहां पश्चिमी बंगाल के पहाड़ी इलाकों, तटीय आंध्र प्रदेश और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 12 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई, वहीं दूसरी तरफ पंजाब और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भीषण लू का प्रकोप जारी रहा। पिछले 24 घंटों में देश में सबसे अधिक तापमान पंजाब के बठिंडा में 46.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा। खराब मौसम को देखते हुए विभाग ने लोगों, खासकर शहरों और पहाड़ी इलाकों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। भारी बारिश और तेज हवाओं से निचले इलाकों में पानी भरने, दृश्यता कम होने और कच्चे मकानों व बागवानी फसलों को नुकसान होने की आशंका है।

मछुआरों के लिए भी चेतावनी जारी की गई है कि वे 11 से 16 जून के बीच खराब समुद्री स्थिति और तेज हवाओं के कारण बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, अंडमान सागर और अरब सागर के तटीय क्षेत्रों में न जाएं। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी कटी हुई फसलों और पके हुए फलों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें तथा खेतों में जलभराव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय और त्रिपुरा में धान की नर्सरी को बचाने के लिए 'पॉलीथीन शीट' का उपयोग करने को कहा गया है।

इसके अलावा जिन क्षेत्रों में अभी भी तापमान उच्च बना हुआ है और लू की स्थिति है, वहां के पशुपालकों को अपने मवेशियों को छायादार स्थानों पर रखने और उन्हें पर्याप्त मात्रा में साफ पानी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया है।

संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश के खिलाफ लड़ने की जरूरत : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटाले, सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों के साथ ही संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को भी कमजोर किया जा रहा है जिनके खिलाफ सख्ती से लड़ने की जरूरत है।

श्री खरगे ने गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में कांग्रेस महासचिवों, विभिन्न राज्यों के प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिन संस्थाओं और व्यवस्थओं को बनाने में दशकों लगे, उन्हें कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नीट, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों युवाओं और उनके परिवारों का विश्वास हिला दिया है।

कानून का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन ही सुशासन की असली कसौटी : बिरला

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 2024 बैच के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से भारतीय प्रशासनिक सेवा को केवल एक पेशा नहीं बल्कि संविधान, राष्ट्र और नागरिकों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के रूप में देखने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कानूनों और नीतियों को जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है।

श्री बिरला ने गुरुवार को संसद भवन में लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित 'सहायक सचिव कार्यक्रम' के तहत प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है।

उन्होंने कहा कि संसद कानून बनाती है, लेकिन प्रशासनिक तंत्र उन कानूनों की भावना को नागरिकों के लिए ठोस परिणामों में बदलता है। लोक सेवक नीतियों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से लोगों की उम्मीदों को वास्तविकता में बदलने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रशिक्षुओं को जनता से सतत संवाद बनाए रखने और देश की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भौगोलिक विविधताओं को समझने की सलाह देते हुए कहा कि एक प्रशासक के लिए कानूनों, नियमों और प्रक्रियाओं का ज्ञान जितना आवश्यक है, उतनी ही जरूरी संवेदनशीलता, सहानुभूति और स्थानीय परिस्थितियों की समझ भी है। जो अधिकारी सीधे लोगों से जुड़ते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और स्थानीय भाषाओं में संवाद करते हैं, वे अधिक प्रभावी और भरोसेमंद प्रशासन दे सकते हैं।

श्री बिरला ने सिविल सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का स्वागत करते हुए कहा कि उनका योगदान देश की शासन व्यवस्था को और मजबूत बना रहा है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा के उच्च आदर्शों का पालन करने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए तथा अपने पूरे सेवा काल में संवैधानिक मूल्यों, जन-जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

बायोफार्मा शक्ति मिशन से नवाचार की नयी लहर पैदा होगी: अनुप्रिया पटेल

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा तैयार किया गया 10,000 करोड़ का 'बायोफार्मा शक्ति मिशन' जैव-फार्मा क्षेत्र में विकास को गति देने के साथ ही इस क्षेत्र में नवाचार की नयी लहर पैदा करेगा। श्रीमती पटेल ने कहा कि भारत तेजी से एक वैश्विक फार्मास्यूटिकल महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और साथ ही जैव-फार्मास्यूटिकल नवाचार की अगली लहर का नेतृत्व करने की तैयारी भी कर रहा है। वह यहां उद्योगमंडल एसोचैम के फार्मा शिखर सम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह 2026 को संबोधित कर रही थीं। स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के महत्व पर बल देते हुए मंत्री ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स और जैव-प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनने की भारत की यात्रा केवल आर्थिक आकांक्षा नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता भी है। उन्होंने सक्रिय औषधि अवयवों (एपीआई) और महत्वपूर्ण दवाओं के घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की सफलता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत ने उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है और प्रमुख फार्मास्यूटिकल इनपुट्स में आयात पर निर्भरता कम की है। जैव-फार्मास्यूटिकल्स को भारत की अगली रणनीतिक सीमा बताते हुए श्रीमती पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा हाल ही में घोषित 10,000 करोड़ रुपये का बायोफार्मा शक्ति मिशन नवीन जैविक दवाओं, उन्नत उपचारों तथा नवाचार-आधारित स्वास्थ्य समाधानों में क्षमताओं के निर्माण के प्रति देश की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

22 देशों ने ईरानी सुरक्षा एजेंसियों की संदिग्ध गतिविधियों की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और स्वीडन सहित 22 देशों ने यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में ईरान की कथित ''घातक साजिशों और अन्य दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों'' की संयुक्त रूप से कड़ी निंदा की है। इन देशों ने ईरान के सुरक्षा तंत्र पर असंतुष्टों, पत्रकारों और यहूदी व इजरायली समुदायों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में इन देशों ने कहा कि वे ईरान की सुरक्षा एजेंसियों के पैदा किए जा रहे खतरों का मुकाबला करने के लिए एकजुट हैं। इन एजेंसियों में 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स-इंटेलीजेंस ऑर्गनाइजेशन' , 'कुद्स फोर्स' और 'मिनिस्ट्री ऑफ इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी' शामिल हैं। संयुक्त बयान में कहा गया, ''अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, कनाडा, चेकिया, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, लातविया, लिथुआनिया, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, उत्तर मैसेडोनिया, नॉर्वे, पुर्तगाल और स्वीडन; ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स-इंटेलीजेंस ऑर्गनाइजेशन, कुद्स फोर्स और मिनिस्ट्री ऑफ इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी द्वारा यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में की जा रही घातक साजिशों और अन्य दुर्भावनापूर्ण कार्रवाइयों की निंदा करते हैं।

पेज एक का शेष

चार दिनों के भीतर...

बताया कि शव बरामद कर उनकी पहचान कर ली गई है। पहले इन नाविकों को लापता बताया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पलाऊ के ध्वज वाले एमटी सेटेबेलो पोत पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ है। मंत्री ने कहा कि यह हमारे समुद्री परिवार के लिए गहरा आघात और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में मोदी सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सोनोवाल ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बचाए गए चालक दल के सदस्यों को तत्काल भारत वापस लाने और नाविकों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए शीघ्र स्वदेश लाने की व्यवस्था की जाए।

कल्याण बनर्जी...

मुझे इसके बारे में पता होता, तो मैं जज के सामने यह मामला नहीं उठाता, क्योंकि दो अलग-अलग बैंच एक ही मामले की सुनवाई नहीं कर सकतीं। अभिषेक के कई सलाहकार हैं और इसलिए मैंने पार्टी से कहा है कि मैं भविष्य में किसी भी अदालती मामले में उनका प्रतिनिधित्व नहीं करूंगा। बाद में मुझे बताया गया कि एक जूनियर वकील उनके मामले को लेकर कोर्ट में दलील देगा। हालांकि, वे टीएमसी से जुड़े मामले लड़ना जारी रखेंगे। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर अहंकार और बदलती सोच का आरोप लगाया। श्रीरामपुर से लोकसभा सांसद ने अभिषेक पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने उनके 45 साल के पेशेवर अनुभव के लिए कोई सम्मान नहीं दिखाया। मेरे साथ डस्टबिन या उनके कैमक स्ट्रीट ऑफिस के कर्मचारी जैसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। कल्याण ने कहा कि अब ममता बनर्जी को तय करना है कि वे टीएमसी को अपने भतीजे के साथ चलाएंगी या उनके जैसे पार्टी के वफादार लोगों के साथ। कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं पार्टी में तभी रहूंगा, जब अभिषेक को सभी पदों से हटा दिया जाए और उन्हें सिर्फ एक आम कार्यकर्ता के तौर पर रखा जाए। अभिषेक वरिष्ठ नेताओं के साथ बुरा बर्ताव करते हैं और बॉस जैसा रवैया रखते हैं। वे पार्टी में मेरे नेता नहीं हो सकते। अगर वे नेता बने रहते हैं, तो मेरे लिए टीएमसी में बने रहना मुमकिन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि दीदी (ममता बनर्जी) को यह आखिरी फैसला लेना होगा कि वे अपने सगे रिश्तेदार को साथ रखेंगी या मुझ जैसे कार्यकर्ताओं को, जिन्होंने उनके और इस पार्टी के लिए अपनी जिंदगी के 40 साल दिए हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के चयन को लेकर हस्ताक्षर जालसाजी मामले में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से गुरुवार को अंतरिम राहत प्रदान की। न्यायमूर्ति कौशिक चंदा ने तीन सप्ताह के लिए अंतरिम संरक्षण देते हुए बनर्जी को निर्देश दिया कि वह मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार शाम छह बजे तक कोलकाता स्थित सीआईडी मुख्यालय भवानी भवन में उपस्थित हों। बनर्जी के वकील ने अदालत को बताया कि सांसद दिल्ली से कोलकाता लौट रहे हैं और उनका शाम करीब चार बजे पहुंचने का कार्यक्रम है। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुश्किल समय में वह पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जब वह एक कठिन दौर से गुजर रहे थे, तब ममता बनर्जी उनके साथ खड़ी रहीं थीं। आसनसोल लोकसभा सीट से सांसद सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि कुछ लोग मजबूरी, डर या प्रलोभन के कारण बनर्जी का साथ छोड़ सकते हैं, लेकिन उनका सैद्धांतिक रुख यह है कि वह न तो पार्टी को छोड़ेंगे और न ही उसके नेता को। सिन्हा ने कहा, ''मैं ममता बनर्जी का साथ उनके मुश्किल समय में नहीं छोडूंगा। जब मैं पटना में चुनाव हारने के बाद कठिन दौर से गुजर रहा था, तब वह मेरे साथ खड़ी थीं। उन्होंने कहा कि बनर्जी एक जुझारू नेता हैं। उन्होंने हाल में राज्य में हुए विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके पास अभी भी पश्चिम बंगाल में मत हिस्सेदारी 41 प्रतिशत है। सिन्हा ने कहा, ''मैं उन लोगों का आभारी हूं जिन्होंने मुझे तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन मेरा सैद्धांतिक रुख यह है कि मुझे इस समय ममता बनर्जी के साथ खड़ा रहना चाहिए। विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के विधायक दल में फूट के साथ-साथ उसके ज्यादातर सांसदों ने भी बागी तेवर अपना लिये हैं।

संजय प्रसाद के खिलाफ...

को कमजोर करने की 'जानबूझकर और सोच-समझकर की गई कोशिश' जैसा लगता है। उच्च न्यायालय ने मेघा रायकवार की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की थी। इस याचिका में राज्य सरकार के सक्षम अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे एक व्यक्ति की कथित गैर-कानूनी हिरासत से उनकी 15 साल की बेटी मुक्त कराने की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने तब कड़ा रुख अपनाया जब बताया गया कि इस मामले में दाखिल आरोपपत्र में असली आरोपी का नाम नहीं था। उच्च न्यायालय ने तथ्यों पर विचार करने के बाद बाया कि आरोपपत्र 'सुभाष चंद्र और अन्य बनाम यूपी राज्य और अन्य' के मामले में हाईकोर्ट द्वारा जारी पहले के निर्देशों के अनुसार नहीं है। हाईकोर्ट ने उस मामले में यह पक्का करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए गए थे कि आपराधिक जांच निष्पक्ष, वैज्ञानिक और कानूनी रूप से सही हो। उच्च न्यायालय को बताया गया कि पूर्व में जारी निर्देशों को राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने जा रही है। इसलिए, मामले में, अधिकारी ने उच्च न्यायालय को बताया कि जब तक पहले जारी निर्देशों के खिलाफ अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तब तक उस फैसले में दिए गए निर्देशों को लागू करने के बारे में कोई और आदेश न दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि उसने प्रस्तावित अपील के बारे में और जानकारी का इंतजार करने के लिए मामले को टाल दिया था, लेकिन 3 माह बीत जाने के बाद भी राज्य की ओर से सुप्रीम कोर्ट का कोई आदेश या फैसला पेश नहीं किया गया। उच्च न्यायालय ने 3 जून को पारित आदेश में कहा था कि मामले में घटनाओं के क्रम को देखते हुए, राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) प्रसाद के व्यवहार को नजरअंदाज करना मुश्किल था। उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस सुधारों का मकसद पुलिस प्रशासन पर एग्जीक्यूटिव (कार्यपालिका) के अधिकार को कम करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से हो। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि इन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए बनाए गए उपायों का कोई भी विरोध, कानून के शासन को सुनिश्चित करने और आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता का भरोसा मजबूत करने के संवैधानिक आदेश के खिलाफ होगा। इसके साथ ही, उच्च न्यायालय मामले में प्रसाद के व्यवहार को देखते हुए भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव को निर्देश दिया कि वे अपनी निष्कर्षों को रिकॉर्ड में रखें और 1995-बैच के आईएएस अधिकारी की भविष्य की नियुक्तियों के लिए उनकी उपयुक्तता का मूल्यांकन करते समय उन पर विचार करें।

प्रदर्शनकारियों पर...

बनी हुई है। सड़कों और मैदानों में चारों तरफ खून के निशान दिखाई दे रहे हैं, और पीड़ित परिवार अपने लापता प्रियजनों की तलाश में भटक रहे हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, क्षेत्र में दमन का यह सिलसिला नया नहीं है। पिछले शुक्रवार से अब तक पीओके के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शनों पर की गई सैन्य कार्रवाई में कुल 55 से अधिक नागरिकों की जान जा चुकी है। इस नरसंहार के बाद पूरे क्षेत्र में पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ भारी आक्रोश फैल गया है। रावलकोट के नजदीकी गांव खाई गाला में स्थानीय निवासियों ने बाजार पूरी तरह बंद कर दिए और हिंसा के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'ये जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वर्दी है' के नारे लगाए, जो अब पूरे क्षेत्र में आंदोलन का मुख्य नारा बन चुका है। भारी दमन और खून-खराबे के बावजूद आंदोलनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक अधिकारों की मांग को लेकर हजारों लोग अब भी रावलकोट की सड़कों पर डटे हुए हैं। गोलीबारी की इस घटना के बाद प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए आंदोलन के प्रमुख नेता सरदार अमन खान ने घोषणा की कि यह संघर्ष अब निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। उन्होंने संकल्प जताया कि इतनी बड़ी संख्या में जानमाल के नुकसान के बाद भी यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक मांगें पूरी नहीं हो जातीं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर उतरे लोग हथियारों से नहीं, बल्कि भोजन और बिजली जैसी बुनियादी मांगों के साथ शांतिपूर्ण संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बदले में गोलियां दी जा रही हैं।

सड़क हादसे में गृहिणी...

अलावा यह 30,000 रुपये प्रति माह का मुआवजा अतिरिक्त रूप से मिलेगा। न्यायालय ने गृहिणियों को 'आश्रित' कहने की धारणा को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह सोचना ही विरोधाभासी है। हकीकत तो यह है कि पूरे घर का कामकाज और व्यवस्था मुख्य रूप से गृहिणी पर ही निर्भर करती है। पीठ ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि महिलाओं का बिना वेतन वाला घरेलू काम देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 15 से 17 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसे अब तक आर्थिक आकलनों में अनदेखा किया जाता रहा है। यह ऐतिहासिक फैसला साल 2001 में दो जीपों की टक्कर में हुई एक सड़क दुर्घटना से जुड़ा है, जिसमें एक महिला की मृत्यु हो गई थी। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने साल 2024 में इस मामले में पीड़ित पति और तीन बच्चों को करीब आठ लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। यह मामला दो दशक से अधिक समय तक खिंच गया, क्योंकि 2011 में उच्च न्यायालय में लगी आग के कारण इस केस की फाइलें जल गई थीं, जिनके रिकॉर्ड फिर से तैयार करने में लंबा समय लगा। उच्चतम न्यायालय ने महिला के योगदान का पुनर्मूल्यांकन करते हुए मुआवजे की रकम को उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित मुआवजे को ब्याज सहित सीधे 62.77 लाख कर दिया। इसी के साथ, उच्चतम न्यायालय ने देश में सड़क हादसों के मुआवजे के मामलों को सुलझाने में होने वाली अत्यधिक देरी पर गहरी चिंता व्यक्त की है। करीब 100 से अधिक मामलों का अध्ययन करने के बाद पीठ ने पाया कि उच्च न्यायालय में ऐसे मामलों को निपटने में औसतन आठ साल और दुर्घटना दावा ट्रिब्यूनल में छह साल लग जाते हैं, जिससे कानून का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है। न्यायालय ने देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। न्यायालय ने यह भी सुझाव दिया कि दावेदार शुरुआत में ही उम्र, आय और चिकित्सा खर्च से जुड़े दस्तावेज जमा करें ताकि बार-बार मिलने वाली तारीखों से बचा जा सके।

भारत भरोसे के...

अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किये हैं। ये समझौते हमारे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएम इकाइयों) के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए वैश्विक बाजारों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा सकें। बैठक शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ल्ल सहकारी संघवाद की भावना से प्रेरित होकर हम सभी भारत की विकास यात्रा को तेज़ करने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयास ही विकसित भारत के हमारे साझा संकल्प को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग के सर्वोच्च निकाय की यह बैठक ऐसे समय हुई है जबकि श्री मोदी ने देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कल इस पद पर निरंतर 4399 दिन पूरे कर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकार्ड पूरा किया। नीति आयोग की टीम का सरकार ने हाल में ही पुनर्गठन किया है और डॉ सुमन बेरी की जगह पूर्व आर्थिक सलाहकार डॉ अशोक लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। सरकार के सामने इस समय पश्चिम एशिया युद्ध के चलते अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की चुनौती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भू-राजनीतिक संकट के कारण पैदा खलल को देखते चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को अप्रैल के 6.9 प्रतिशत से घटा कर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को भी बढ़ा कर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अप्रैल में इसे 4.6 प्रतिशत रखने का अनुमान लगाया था।

सीता सर्किट को मिलेगा भव्य स्वरूप: भदौरिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल। मुख्यमंत्री घोषणा के तहत प्रस्तावित सीता सर्किट परियोजना के तहत जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने गुरुवार को फलस्वाड़ी गांव पहुंचकर प्रस्तावित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

प्रस्तावित सीता सर्किट में सीता मंदिर के साथ-साथ रघुनाथ मंदिर, वाल्मीकि मंदिर एवं लक्ष्मण मंदिर को भी शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों को एकीकृत कर एक समग्र आध्यात्मिक एवं पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन महत्व से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के आर्किटेक्ट ने जिलाधिकारी को प्रस्तावित सीता सर्किट के लेआउट एवं विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजना का विकास स्थानीय पहाड़ी वास्तुकला एवं पारंपरिक स्वरूप को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में आधुनिक टाइल्स के स्थान पर स्थानीय पत्थर, लकड़ी एवं पठाल जैसी पारंपरिक निर्माण सामग्री का उपयोग किया जाए, जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान एवं प्राकृतिक सौंदर्य अक्षुण्ण बना रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए धर्मशाला, प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल), सार्वजनिक सुविधाएं तथा आकर्षक एवं भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण प्रस्तावित किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीणों ने मंदिर तक पहुंचने के लिए सड़क निर्माण की मांग रखी। पटवारी द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में प्रस्तावित सड़क मार्ग के अंतर्गत कुछ निजी नापखेत भूमि आ रही है, जिसके कारण सड़क निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने से पूर्व भूमि का स्पष्ट चिन्हीकरण एवं संबंधित ग्रामीणों की सहमति आवश्यक है। इस पर जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए बीडीओ को निर्देशित किया कि कल ही संबंधित ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाए। बैठक में प्रस्तावित सड़क के संरेखण (एलाइनमेंट), भूमि की स्थिति तथा निर्माण कार्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाए, ताकि सभी प्रक्रिया शीघ्रता से प्रारंभ की जा सके और क्षेत्रवासियों को इसका लाभ मिल सके। सीता सर्किट के अंतर्गत आने वाले लक्ष्मण मंदिर के निरीक्षण के दौरान डीएम ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक आधुनिक एमिनिटी सेंटर विकसित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सीता सर्किट परियोजना का प्राक्कलन दो चरणों में तैयार किया जाए, ताकि कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित किया जा सके।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने की वर्षा जल संचयन की तैयारियों की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को राजधानी में वर्षा जल संचयन की तैयारियों की समीक्षा को लेकर बैठक की। इस बैठक में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यह जानकारी सोशल मीडिय अकाउंट 'एलजी दिल्ली' पर साझा की गई है। उपराज्यपाल ने वर्षा जल संचयन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मरम्मत के काम में तेजी लाने और मॉनसून सीजन से पहले ही सभी वर्षा जल संचयन तंत्र पूरी तरह से चालू करने की निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे भविष्य की योजना, ग्राउंडवाटर रिचार्ज और लंबे समय तक पानी बचाने की कोशिशों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करने के मकसद से दिल्ली में मौजूद सभी वर्षा जल संचयन ढांचे की कुल क्षमता का व्यापक आकलन करें।

ईसीआई कार्यालय के बाहर एनएसयूआई ने किया कठपुतली प्रदर्शन, हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के हजारों कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) मुख्यालय की ओर विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से कठपुतलियां लेकर विरोध जताया और आयोग की स्वतंत्रता व निष्पक्षता पर सवाल उठाए। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं का आरोप था कि हाल के समय में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और कुछ निर्णयों ने उसकी निष्पक्षता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पारदर्शिता, जवाबदेही और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता की मांग को लेकर बैनर और तख्तियां भी प्रदर्शित कीं। जब प्रदर्शनकारी निर्वाचन आयोग कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तब दिल्ली पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में ले लिया और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका दायित्व नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को किसी भी राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रहकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द किए जाने सहित कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इससे यह धारणा मजबूत होती है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। विनोद जाखड़ ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिरासत में लेने से लोकतांत्रिक सवालों को दबाया नहीं जा सकता और एनएसयूआई लोकतंत्र, पारदर्शिता और संस्थागत स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना आंदोलन जारी रखेगी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झड़प की भी जानकारी सामने आई, हालांकि स्थिति को बाद में नियंत्रित कर लिया गया।

बिहार के खगड़िया जिले में वज्रपात से 5 लोगों की मौत

खगड़िया। बिहार में खगड़िया जिले के चौथम और बेलदौर प्रखंड में वज्रपात (आकाशीय बिजली) से कुल पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस के मुताबिक पौरा थाना क्षेत्र के कन्हौली बहियार स्थित दुखहरण बाबा स्थान के समीप गुरुवार सुबह खेत में काम कर रहे ग्रामीणों पर अचानक आसमानी बिजली गिरने से कन्हौली यादव टोला निवासी 62 वर्षीय विद्यानंद यादव, उनके पुत्र 26 वर्षीय आशुतोष यादव और 10 वर्षीय पौत्र अंकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में विमल यादव और सुशील कुमार समेत चार लोग झुलस गए।

दालचीनी पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को देहरादून के सेलाकुई स्थित परफ्यूमरी एवं सगंध अनुसंधान व विकास संस्थान में दालचीनी विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यशाला की स्मारिका का भी विमोचन किया। दालचीनीः प्रवर्धन, सतत खेती एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकियों में नवाचार विषय पर आयोजित इस सेमिनार में श्रीलंका, इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों के विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, किसान और उद्योग जगत के प्रतिनिधि प्रतिभाग कर रहे हैं।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य में सगंध खेती को बढ़ावा देने के लिए महक क्रांति नीति 2026 लागू की गई है। इसके तहत 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सगंध खेती से आच्छादित कर 91 हजार किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि चम्पावत और नैनीताल में लगभग 5200 हेक्टेयर क्षेत्र में क्लसिनेमन वैलीक्ष्न विकसित की जा रही है, जिससे किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से किसानों को सगंध खेती से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने तथा उत्तराखंड को एरोमा हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि पहाड़ के दुर्गम क्षेत्रों एवं फॉरेस्ट लैंड में वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के लिए अधिक से अधिक किसानों को जोड़कर प्रोत्साहित किया जाए। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सेमिनार में प्रतिभाग कर रहे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को सम्मानित किया तथा औषधीय पौधों से निर्मित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष, राज्य औषधीय पादप बोर्ड प्रताप सिंह पंवार, उपाध्यक्ष, जडी-बूटी सलाहकार समिति सोना सजवाण, सचिव कृषि डॉ. सुरेन्द्र नारायण पाण्डे, अपर सचिव डॉ. आनंद श्रीवास्तव, निदेशक, संगध पौधा केन्द्र (कैप) डॉ. नृपेन्द्र चौहान, अध्यक्ष फफाई योगेश दूबे सहित विभिन्न देशों के रिसर्च व कृषक उपस्थित रहे।

अकाल तख्त साहिब की पंथक परंपराओं को कानूनी राजनीतिक विवादों में घसीटना चिंताजनकः ख्याला

अमृतसर। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता एवं सिख चिंतक प्रो. सरचांद सिंह ख्याला ने गुरुवार को कहा कि बहिबल कलां गोलीकांड मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह द्वारा शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ दर्ज कराए गए बयान ने पंथक और संवैधानिक स्तर पर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिये हैं। प्रो. ख्याला ने कहा कि इस पूरे मामले को किसी व्यक्ति विशेष या राजनीतिक दल के पक्ष अथवा विरोध के नजरिए से देखने के बजाय श्री अकाल तख्त साहिब की मर्यादा, ऐतिहासिक परंपराओं और पंथक स्वायत्तता के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री बादल के साथ राजनीतिक मतभेद होने के बावजूद यह तथ्य स्पष्ट है कि अकाल तख्त साहिब के समक्ष उन्होंने बहिबल कलां गोलीकांड के दौरान अपनी सरकार के कार्यकाल में घटना घटित होने की नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी स्वीकार की थी।

गंगा तटों की सुरक्षा से संबंधित कार्यों को एक माह में पूरा करने का निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने आज भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे जवनिया गांव में गंगा नदी के तट पर चल रहे कटाव निरोधी कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा बाढ़ पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। सचिव ने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं की जानकारी ली तथा चल रहे कार्यों पर उनका फीडबैक प्राप्त किया। ग्रामीणों ने गंगा नदी के निरंतर कटाव से उत्पन्न चुनौतियों को साझा करते हुए कटाव निरोधी एवं संरक्षण कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित गंगापुर, भुसौला, नन्दपुर एवं दामोदरपुर (जवनिया) गाँवों को कटाव से सुरक्षित रखने के लिए लगभग 1200 मीटर लंबाई में कटाव निरोधी कार्य कराया जा रहा है। इस परियोजना की प्रशासनिक स्वीकृति राशि 52.56 करोड़ है तथा वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। डॉ. सिंह ने कार्यों में तेजी लाते हुए कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया, साथ ही कहा कि मानसून की संवेदनशीलता को ध्यान में रख कर सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा कटाव निरोधी कार्यों को हर हाल में अगले एक माह के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने अभियंताओं एवं संवेदकों को कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य संपन्न करने का निर्देश दिया। सचिव ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड के गंगापुर, भुसौला, नन्दपुर एवं जवनिया सहित आसपास के गाँवों को गंगा नदी के कटाव से प्रभावी सुरक्षा मिलेगी तथा स्थानीय आबादी एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों का संरक्षण सुनिश्चित होगा।

रेतुआ नदी में बढ़े जलस्तर से बहा डायवर्सन, हजारों लोगों की आवाजाही प्रभावित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। जिले में टेढ़ागाछ प्रखंड क्षेत्र के धवेली पंचायत अंतर्गत लोधाबाड़ी स्थित रेतुआ नदी में जलस्तर बढ़ने से निर्माणाधीन आरसीसी पुल के समीप बनाया गया अस्थायी डायवर्सन बह गया है।

डायवर्सन के क्षतिग्रस्त हो जाने से क्षेत्र के हजारों लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार नेपाल क्षेत्र में हुई लगातार बारिश के कारण रेतुआ नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। नदी में तेज बहाव आने से निर्माणाधीन पुल के पास बनाया गया अस्थायी डायवर्सन पानी की चपेट में आकर बह गया। यह डायवर्सन आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन था। ग्रामीणों ने बताया कि डायवर्सन बह जाने के बाद लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए करीब 12 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। वहीं कुछ लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं। इसका सबसे अधिक असर बाजार आने-जाने वाले लोगों, स्कूली छात्रों, किसानों, मजदूरों तथा मरीजों पर पड़ रहा है। आपातकालीन परिस्थितियों में भी लोगों को लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। बताया जाता है कि रेतुआ नदी पर आरपी कंस्ट्रक्शन द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से आरसीसी पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। पुल निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है, जिसके कारण लोगों की सुविधा के लिए अस्थायी डायवर्सन बनाया गया था। पुल निर्माण में हो रही देरी के कारण यही डायवर्सन ग्रामीणों के लिए आवागमन का एकमात्र साधन बन गया था। डायवर्सन के बह जाने से नदी के दोनों किनारों पर बसे कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी से रेतुआ नदी में अस्थायी रूप से नाव संचालन की व्यवस्था कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पुल निर्माण कार्य पूरा होने तक नाव ही लोगों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प साबित हो सकती है। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने की भी मांग की है, ताकि क्षेत्रवासियों को इस समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

तीसरे शाही स्नान में 19 आखाड़ों के साधु-संतों ने ब्रह्म कुण्ड में आस्था की डुबकी लगाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नालंदा। नालंदा जिलांतर्गत पर्यटक स्थल राजगीर में आयोजित मलमास मेला के दौरान गुरुवार को तीसरे शाही स्नान में 19आखाड़ों के साधु-संतों ने ब्रह्म कुण्ड में आस्था की डुबकी लगाई। शाही स्नान के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं के राजगीर पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर सुरक्षा एवं सुविधा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस मौके पर जिलाधिकारी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मेला क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की सहायता से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। इसके लिए एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां से संपूर्ण मेला क्षेत्र में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। डीएम ने कहा कि किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए नियंत्रण कक्ष में प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए कहा कि शाही स्नान के दौरान भीड़ प्रबंधन एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक रूप से पुलिस बल की चाक चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की गई है । चप्पे-चप्पे मेला क्षेत्र के प्रमुख प्रवेश एवं निकास द्वारों, स्नान घाटों, मंदिर परिसरों, पार्किंग स्थलों तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी एवं जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिस बल की भी पर्याप्त तैनाती की गई है। विभिन्न स्थानों पर सूचना एवं सहायता शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। खोया-पाया केंद्र भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है ताकि किसी भी श्रद्धालु के परिजन बिछड़ने की स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान की जा सके।

दलित बस्तियों के पास शराब के ठेके खोलना समुदाय के भविष्य से खिलवाड़ः कैंथ

चंडीगढ़। पंजाब भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने गांव दंदराला ढिंडसा (नाभा) की अनुसूचित जाति बस्ती के निकट खोले गये शराब के ठेके का कड़ा विरोध करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा को विस्तृत पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। श्री कैंथ ने गुरुवार को कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार पंजाब को नशामुक्त बनाने और दलित कल्याण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर दलित बस्तियों और रिहायशी इलाकों के पास शराब के ठेके खोलकर समाज के ताने-बाने को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव दंदराला ढिंडसा की ग्राम पंचायत पहले ही शराब के ठेके के विरोध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इसके बावजूद ग्रामीण पिछले कई दिनों से शांतिपूर्ण एवं अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं, लेकिन सरकार जनता की आवाज सुनने के बजाय आबकारी राजस्व और शराब ठेकेदारों के हितों को प्राथमिकता दे रही है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063